शर्मा शर्डअवेब
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

# विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 13 | अंक : 98 | गुवाहाटी | मंगलवार, 10 नवंबर, 2026 | मूल्य : 2 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

यूपी में कई चरण और पंजाब में एक फेज में वोटिंग संभव पेज 2

11.50 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी के मामले में पानबाजार पुलिस की... पेज 3

गहलोत बोले, लोकतंत्र बचाओ रैली निकाल रही सरकार विपक्ष के आंदोलन ... पेज 5

तीसरे वनडे में सीरीज जीतने के इरादे से उतरेगा भारत, गिल और रोहित पर... पेज 7

## दीवाली की रात आग से राजस्थान-दिल्ली समेत देशभर में 23 मौतें, एमपी में 13 तो महाराष्ट्र में 6 लोग जिंदा जले



**नई दिल्ली।** दीवाली के उल्लास के बीच देश के अलग-अलग राज्यों से आगजनी की दिल दहला देने वाली घटनाएं सामने आईं। पटाखों की चिंगारी और शॉर्ट सर्किट जैसे कारणों से भड़की आग ने कई परिवारों की खुशियां मातम में बदल दीं। इन हादसों में 23 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं और कुछ लापता बताए जा रहे हैं। राहत और बचाव दल रात भर अलग-अलग इलाकों में लपटों पर काबू पाने और लोगों को सुरक्षित निकालने की जद्दोजहद में जुटे रहे। हादसों का सबसे गहरा असर मध्य प्रदेश में देखने को मिला, जहां दो अलग-अलग जिलों में 13 लोगों की जान चली गई। कटनी जिले में एक रिहायशी मकान में भीषण आग लगने से एक ही परिवार के छह सदस्यों की दम घुटने और झुलसने से मौत हो गई, जिनमें एक दो महीने के नवजात समेत तीन मासूम बच्चे शामिल थे। वहीं, सिवनी जिले में एक सराफा कारोबारी के घर में फैली आग ने एक 16 वर्षीय किशोर सहित परिवार के छह लोगों को अपनी चपेट में ले लिया। राज्य में कुल मृतकों में पांच महिलाएं, तीन पुरुष और चार बच्चे शामिल हैं। उज्जैन के नागझिरी क्षेत्र में दीवाली की रात दो मंजिला मकान में आग लग गई। मकान की ऊपरी मंजिल पर परिवार के 10 सदस्य फंस गए। जिसमें 107 वर्षीय बुजुर्ग की मौत हो गई। महाराष्ट्र में भी कई जगहों से आग की भयावह घटनाएं सामने आईं, जहां धाराशिव जिले में एक किराना दुकान के ऊपर बने घर में आग लगने से एक ही परिवार के छह लोग जिंदा जल गए। पुणे में रात भर में आग लगने की 63 घटनाएं सामने आईं। मुंबई के लोखंडवाला में हुए एक अन्य हादसे में भी एक व्यक्ति की जान चली गई, जबकि डोंगरी इलाके में झुग्गियों और दुकानों को आग ने अपनी जद में ले लिया। इसके अलावा नागपुर के एक टीवीएस शोरूम में कई गाड़ियां जलकर राख हो गईं और ठाणे की -शेष पृष्ठ दो पर

### दीपावली के उल्लास के बीच असम में आग की 112 घटनाएं दर्ज, कई मकान और दुकानें जलकर राख



**गुवाहाटी ( हि.स. )।** दीपावली के उत्सव के बीच असम के विभिन्न हिस्सों में रविवार रात आग लगने की कई घटनाएं सामने आईं। इन घटनाओं में कई मकान, गोदाम और अन्य संपत्तियां जलकर राख हो गईं। तामुलपुर में आग बुझाने की कोशिश के दौरान दो युवक झुलस गए। तामुलपुर के तीनिपुखुरी इलाके में स्वपन दास के आवास में रात को भीषण आग लग गई। इस दौरान रसोई गैस का एक सिलेंडर में विस्फोट होने और एक मोटरसाइकिल पूरी तरह जल गई। आग बुझाने की कोशिश में स्थानीय दो युवक दीपक दास और अजगर अली झुलस गए। दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रारंभिक तौर पर शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जताई गई है। सूचना मिलने पर दमकल की चार गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और काफी मशक्कत के बाद आग पर -शेष पृष्ठ दो पर

SUMAN
FIBRE & INTERIOR
Siddiqui Ali Commercial Complex, S.J. Road, Athgaon
Guwahati-781001
+91-98648-02947

## अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई जारी रहेगी : सीएम



**गुवाहाटी।** असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने स्पष्ट किया है कि कथित अतिक्रमण के खिलाफ राज्य में चल रहे निरसन अभियानों में कोई ढील नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार प्रभावित लोगों की धार्मिक पहचान की परवाह किए बिना अवैध कब्जे के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। सोमवार को डिब्रूगढ़ जिले के लाहोवाल दौरे के दौरान एक सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि निरसन अभियान किसी विशेष समुदाय तक सीमित नहीं है और हिंदू एवं मुस्लिम दोनों समुदायों के लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। *न केवल अल्पसंख्यकों को, बल्कि हिंदुओं को भी बेदखल किया गया है,* शर्मा ने कहा और अपनी सरकार के इस रुख को दोहराया कि यह कार्रवाई सरकारी और संरक्षित वन भूमि को वापस लेने के उद्देश्य से की गई थी। उनकी यह टिप्पणी 1 नवंबर को धुबड़ी जिले में चलाए गए एक बड़े अतिक्रमण-विरोधी अभियान के बाद राज्य के अतिक्रमण-विरोधी अभियान पर नए सिरे से शुरू हुई राजनीतिक बहस के बीच आई है। जिला प्रशासन ने गौरीपुर सर्कल के आलमगंज इलाके में लगभग 650 बीघा, यानी लगभग 215 एकड़, कथित रूप से अतिक्रमित सरकारी भूमि को खाली कराने के लिए अभियान चलाया था। अधिकारियों ने लगभग 800 बीघा जमीन पर कब्जा करने वाले करीब 700 परिवारों को नोटिस जारी किए थे। हालांकि, प्रभावित निवासियों द्वारा राहत के लिए अदालत का रुख करने के बाद प्रशासन ने लगभग 150 बीघा जमीन को इस अभियान से बाहर कर दिया। यह ताजा अभियान अक्तूबर में गोलाघाट, होजाई और नगांव में बड़े पैमाने पर चलाए गए बेदखली अभियानों के बाद शुरू किया गया है, जिसके दौरान सरकार ने 638 हेक्टेयर से अधिक अतिक्रमित भूमि को खाली कराने का दावा किया था, जिससे लगभग 1,000 परिवार प्रभावित हुए थे। 2021 में भाजपा सरकार के सत्ता में आने के बाद से असम में बेदखली एक प्रमुख राजनीतिक और प्रशासनिक मुद्दा बनी हुई है। सरकार का कहना है कि पारिस्थितिक संसाधनों की रक्षा और अवैध कब्जे को रोकने के लिए वन, सरकारी और सामुदायिक भूमि को पुन: प्राप्त करना आवश्यक है। हालांकि, विपक्षी दलों और नागरिक समाज समूहों ने मानवीय परिणामों, पुनर्वास -शेष पृष्ठ दो पर

## असम में स्थापित होगा राज्य का पहला रक्षा पार्क, नेल्ली में 1,984 एकड़ भूमि आवंटित



**गुवाहाटी ( हि.स. )।** असम सरकार ने मोरीगांव जिले के नेल्ली में राज्य का पहला रक्षा पार्क स्थापित करने के लिए लगभग 1,984 एकड़ (करीब 6,000 बीघा) भूमि आवंटित करने को मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को इसकी घोषणा करते हुए कहा कि इस परियोजना से भारत के पूर्वी सीमावर्ती क्षेत्रों के निकट रक्षा उपकरणों का निर्माण संभव होगा और स्थानीय युवाओं के लिए कुशल रोजगार के अवसर पैदा होंगे। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में 3 नवंबर को हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में भूमि आवंटन को औपचारिक मंजूरी दी गई थी। प्रस्तावित रक्षा पार्क मोरीगांव जिले के नेल्ली में जागीरोड के निकट स्थापित किया जाएगा। इसके अंतर्गत भोगदुबा, बसुंधरी, अलीसिंगा, खोलापाथर और सरुमति पर्वत सहित आसपास के कई गांवों की भूमि शामिल होगी। इसमें सरकारी भूमि के साथ-साथ स्थानीय निवासियों से अधिग्रहित की जाने वाली निजी भूमि भी शामिल है। इस परियोजना के लिए भूमि उद्योग एवं वाणिज्य विभाग को हस्तांतरित की जा रही है। विभाग आवश्यक आधारभूत संरचना विकसित करने के साथ निवेशकों को -शेष पृष्ठ दो पर

## मणिपुर में 2027 तक जनगणना पर हाई कोर्ट ने लगाई रोक

**नई दिल्ली।** मणिपुर हाई कोर्ट ने केंद्र सरकार को एक महत्वपूर्ण निर्देश देते हुए राज्य में जनगणना 2027 की प्रक्रिया को 30 अप्रैल 2027 तक रोक कर रखने को कहा है। कोर्ट का यह फैसला राज्य में जातीय हिंसा, विस्थापन और उससे जुड़ी चिंताओं को ध्यान में रखते हुए आया है, ताकि अधिकारियों को जमीनी हालात पर विचार करने का समय मिल सके। मणिपुर हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति एम. सुंदर और न्यायमूर्ति ए. गुनेश्वर शर्मा की खंडपीठ ने भारत के रजिस्ट्रार जनरल और जनगणना आयुक्त को निर्देश दिया है कि वे इस मामले में आए सभी सात अभ्यावेदनों पर गंभीरता से -शेष पृष्ठ दो पर

## 2031 में सभी 126 सीटें जीतना भाजपा का लक्ष्य : मुख्यमंत्री



**गुवाहाटी ( हि.स. )।** असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को दावा किया कि कांग्रेस अगले 50 वर्षों तक राज्य की सत्ता में वापस नहीं लौटेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा ने वर्ष 2031 के विधानसभा चुनाव में सभी 126 सीटों पर जीत हासिल करने के लक्ष्य के साथ अपनी तैयारी शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री मोरीगांव जिले के लाहोरीघाट में आयोजित भाजपा के विजय उत्सव को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा का अगला लक्ष्य राज्य की सभी 126 विधानसभा सीटों पर कब्जा करना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सामगुड़ी के बाद अब लाहोरीघाट में भी विजय उत्सव के माध्यम से पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह भरा जा रहा है। भाजपा ने वर्ष 2031 के चुनाव के लिए सभी 126 सीटें जीतने का मिशन शुरू कर दिया है। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस विधायक आशिफ नजर और वरिष्ठ कांग्रेस नेता रकीबुल हुसैन पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि इन नेताओं के खिलाफ भ्रष्टाचार और कुशासन के गंभीर आरोप हैं। उन्होंने कहा कि नगांव की जनता ने इस बार आशिफ नजर और रकीबुल हुसैन जैसे नेताओं को खारिज कर दिया है। लाहोरीघाट के -शेष पृष्ठ दो पर

## तमिलनाडु में पटाखों से 679 लोग घायल

**चेन्नई ( हि.स. )।** तमिलनाडु में दीपावली के जश्न के दौरान पटाखे फोड़ने से हुए हादसों में 679 लोग घायल हो गए। इनमें से 569 लोगों को उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है, जबकि 110 लोगों का विभिन्न अस्पतालों में अब भी इलाज चल रहा है। दीपावली के अवसर पर राज्यभर में हुई दुर्घटनाओं के संबंध में तमिलनाडु अग्निशमन एवं बचाव सेवा विभाग (टीएनएफआरएस) को कुल 91 आपातकालीन कॉल प्राप्त हुईं। विभाग -शेष पृष्ठ दो पर

## रूस-यूक्रेन जंग पर पीएम मोदी ने जेलेंस्की से की बात, शांतिपूर्ण समाधान में मदद करेगा भारत



**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की से फोन पर बातचीत की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच रूस-यूक्रेन युद्ध के ताजा घटनाक्रम और शांति की संभावनाओं पर चर्चा हुई। जेलेंस्की ने मौजूदा संघर्ष को लेकर अपना नजरिया प्रधानमंत्री मोदी के साथ साझा किया। पीएमओ कार्यालय के अनुसार पीएम मोदी ने बातचीत में भारत के मानवीय दृष्टिकोण को दोहराते हुए कहा कि रूस-यूक्रेन संघर्ष का समाधान बातचीत और कूटनीति के जरिए ही निकाला जाना चाहिए। उन्होंने साफ किया कि भारत युद्ध के शांतिपूर्ण समाधान की दिशा में होने वाले सभी प्रयासों में योगदान देने के लिए तैयार है। दोनों नेताओं ने आपसी हितों को ध्यान में रखते हुए विभिन्न क्षेत्रों में भारत-यूक्रेन सहयोग को और मजबूत करने के तरीकों पर भी चर्चा की। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बातचीत के बाद कहा कि उन्होंने उन्हें हालिया कूटनीतिक घटनाक्रम की जानकारी दी है। जेलेंस्की के मुताबिक, यूक्रेन अबू धाबी में होने वाली बैठक के एजेंडे के सभी मुद्दों पर सक्रियता से तैयारी कर रहा है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन ने हमेशा रचनात्मक रुख अपनाया है और रूस को भी तनाव कम करने के लिए -शेष पृष्ठ दो पर

## ছেটেলাইট চিটীৰ নামত 'অসমীয়া প্ৰতিদিন'ৰ অপপ্ৰচাৰ

'অসমীয়া প্ৰতিদিন' কাকতত ৯ নৱেম্বৰ, ২০২৬ তাৰিখে প্ৰকাশ পোৱা 'আদানিক পাইলট প্ৰকল্পতে লাগে ২,২০০ বিঘা, থলুৱাই হেৰুৱাব হেজাৰ হেজাৰ বিঘা ভূমি' শীৰ্ষক বাতৰি সন্দৰ্ভত জনাবলৈ বিচৰা হৈছে যে কামৰূপ জিলাৰ পলাশবাৰীত ছেটেলাইট চিটী স্থাপনৰ বাবে আদানি গ্ৰুপক ভূমি হস্তান্তৰৰ কোনো প্ৰস্তাৱ অসম চৰকাৰে লোৱা নাই। আদানি গ্ৰুপেও এনে ছেটেলাইট চিটী স্থাপনৰ কোনো প্ৰস্তাৱ অসম চৰকাৰক দিয়া নাই। 'অসমীয়া প্ৰতিদিন' কাকতে পলাশবাৰী ৰাজহ চক্ৰৰ ৰাণী, মালিয়াটা, বৰদুৱাৰ বাগান আদি অঞ্চলক সামৰি চৰকাৰে ২,২০০ বিঘা মাটি ছেটেলাইট চিটী স্থাপনৰ বাবে আদানি গ্ৰুপলৈ হস্তান্তৰ কৰাৰ বাবে প্ৰস্তুতি চলোৱা বুলি প্ৰকাশ কৰা বাতৰি সম্পূৰ্ণ ভুৱা, উদ্দেশ্যপ্ৰণোদিত আৰু প্ৰৰোচনামূলক। এনে ভুৱা আৰু প্ৰৰোচনামূলক বাতৰিৰে অপপ্ৰচাৰ চলাই 'অসমীয়া প্ৰতিদিন'কাকতে প্ৰকৃততে সামাজিক অস্থিৰতা সৃষ্টিৰ গভীৰ ষড়যন্ত্ৰত লিপ্ত হৈছে।

প্ৰকৃত সত্যটো হৈছে- অসম চৰকাৰে এছিয়ান ডেভেলপমেণ্ট বেংকৰ ঋণেৰে মূলতঃ কামৰূপ মহানগৰ জিলাৰ আজাৰা ৰাজহ চক্ৰৰ ভূমিত এক ছেটেলাইট চিটী স্থাপনৰ প্ৰস্তাৱ গ্ৰহণ কৰিছে । এই প্ৰকল্পত কামৰূপ জিলাৰ পলাশবাৰী ৰাজহ চক্ৰৰ এটা সামান্য অংশ ভূমিও সামৰি লোৱাৰ প্ৰস্তাৱ দিয়া হৈছে। ইতিমধ্যে এই প্ৰকল্পৰ বাবে ৰাজ্য চৰকাৰে ভূমি অধিগ্ৰহণ কৰি পট্টাদাৰ আৰু ৰায়তীক সম্পূৰ্ণ ক্ষতিপূৰণ আদায় দিয়াৰ প্ৰক্ৰিয়া আৰম্ভ কৰিছে। ভূমি অধিগ্ৰহণৰ বাবদ পট্টাদাৰৰ বেংক একাউণ্টলৈ ৪০০ কোটিৰো অধিক টকা হস্তান্তৰ কৰা হৈছে। তদুপৰি, পট্টাদাৰৰ কোনো আপত্তি বা অভিযোগ থাকিলে সেয়া দূৰ কৰিবলৈ জিলা আয়ুক্ত পট্টাদাৰৰ সৈতে সঘনে আলোচনাত মিলিত হৈ আহিছে।

এনে প্ৰেক্ষাপটত এক সুন্দৰ পৰিৱেশত গুৱাহাটীত এখন ছেটেলাইট চিটী নিৰ্মাণৰ সম্ভাৱনা উজ্জ্বল হৈ পৰিছে। এই ছেটেলাইট চিটী সম্পূৰ্ণৰূপে অসম চৰকাৰৰ নিজা প্ৰকল্প। এই প্ৰক্ৰিয়াত আদানি বা আন কোনো ব্যক্তি তথা ব্যৱসায়িক গোষ্ঠীৰ দূৰ দূৰলৈ কোনো সম্পৰ্ক নাই আৰু অসম চৰকাৰে ব্যক্তিগত খণ্ডৰ পৰা এনে ধৰণৰ কোনো প্ৰস্তাৱো পোৱা নাই। ইতিমধ্যে প্ৰস্তাৱিত প্ৰকল্পটোৰ কাৰণে ভূমি অধিগ্ৰহণৰ বাবে ৰাজ্য চৰকাৰে নিজাববীয়াকৈ ৩ হাজাৰ কোটি টকা ব্যয় কৰিবলৈ ব্যৱস্থা গ্ৰহণ কৰিছে। ভাৰত চৰকাৰৰ সহযোগত এছিয়ান ডেভেলপমেণ্ট বেংকেও প্ৰকল্পটোৰ বাবে ৫ হাজাৰ কোটি টকা ঋণ দিবলৈ সন্মতি প্ৰকাশ কৰিছে। উল্লেখ্য যে, এই ঋণৰ ৮০ শতাংশ পৰিশোধৰ দায়িত্ব ভাৰত চৰকাৰে গ্ৰহণ কৰিব।

ৰাজ্য চৰকাৰে এই ভুৱা বাতৰি দৃঢ়ভাৱে অস্বীকাৰ কৰাৰ লগতে এনে ভুৱা প্ৰচাৰক কঠোৰ ভাষাৰে গৰিহণা দিছে।

- জনসংযোগ, অসম

-- DIPR/D/VBS-76/10-Nov-26

তথ্য আৰু জনসংযোগ সঞ্চালকালয়, অসমৰ দ্বাৰা প্ৰচাৰিত | Connect with us @diprassam | dipr.assam.gov.in

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
94350-14771

# यूपी में कई चरण और पंजाब में एक फेज में वोटिंग संभव

## *जनवरी में हो सकता है तारीखों का एलान*

**नई दिल्ली।** भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) जनवरी के पहले पखवाड़े में पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों के कार्यक्रम की घोषणा कर सकता है। उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, मणिपुर और गोवा में विधानसभा चुनाव होने हैं। यह घोषणा मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) और दो निर्वाचन आयुक्तों के उन पांचों राज्यों के दौरे के बाद होने की उम्मीद है, जहां चुनाव होने हैं। सूत्रों ने बताया कि निर्वाचन आयोग की पूर्ण पीठ नवंबर के आखिरी हफ्ते या दिसंबर में कभी भी अपना दौरा शुरू कर सकती है। तीनों चुनाव आयुक्तों के दौरों की तारीखें, सभी पांच राज्यों में डीईसी-स्तर के दौरों के पूरा होने के बाद ही तय की जाएंगी। उम्मीद है कि चुनाव आयोग की डीईसी-स्तरीय टीमें नवंबर के अंत तक अपने दौरे पूरे कर लेंगी। पंजाब, उत्तराखंड और मणिपुर में डीईसी-स्तरीय दौरे पहले ही पूरे हो चुके हैं। उत्तर प्रदेश में एक दौरा हो चुका है, जबकि डीईसी-स्तरीय टीमों के दो और दौरे होने बाकी हैं। गोवा में डीईसी-स्तरीय टीम का दौरा अभी होना है। पांचों राज्यों के दौरे पूरे होने के बाद, डीईसी-स्तर की टीमें अपनी-अपनी रिपोर्ट तीनों चुनाव आयुक्तों को सौंपेंगी। इसके बाद, मुख्य चुनाव आयुक्त और दो चुनाव आयुक्त खुद चुनाव वाले राज्यों का दौरा करेंगे। डीईसी-स्तर के इन दौरों के दौरान, चुनाव आयोग की टीमें विधानसभा चुनावों की तैयारियों का जायजा लेने के लिए जिला चुनाव अधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों के साथ बैठकें करती हैं। वहीं, पूर्ण पीठ के दौरों में कहीं अधिक व्यापक स्तर पर विचार-विमर्श किया जाता है। इसमें डीईओएस और एसपीएस के अलावा, मुख्य चुनाव आयुक्त और दोनों चुनाव आयुक्त संबंधित राज्यों के मुख्य सचिवों, पुलिस महानिदेशकों और राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ भी बैठकें करते हैं। सूत्रों ने बताया कि विधानसभा चुनाव कितने चरणों में कराए जाएंगे, इस पर चुनाव आयोग के भीतर अब तक कोई चर्चा नहीं हुई है। पंजाब, गोवा और उत्तराखंड में एक ही चरण में मतदान होने की संभावना है, जबकि उत्तर प्रदेश में कई चरणों में चुनाव हो सकते हैं। मतदान की व्यवस्था और चुनाव का अंतिम कार्यक्रम, चुनाव आयोग द्वारा घोषणा के समय के करीब तय किया जाएगा। ये जानकारियां उन सूत्रों से मिली हैं, जिन्हें चुनाव आयोग की तैयारियों की जानकारी है।

# जम्मू-कश्मीर समेत पहाड़ी राज्यों में भारी बारिश, बर्फबारी का अलर्ट



**नई दिल्ली (हि.स.)।** देश के मौसम में अगले कुछ दिनों में बड़ा बदलाव होने के आसार हैं। एक तरफ दिल्ली में ठंड के साथ कोहरा गहराने के आसार हैं, वहीं जम्मू-कश्मीर समेत उत्तर-पश्चिम के पहाड़ी इलाकों में पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से भारी बारिश और बर्फबारी का पूर्वानुमान है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार दिल्ली-एनसीआर में अगले दो दिनों के दौरान आसमान मुख्यत: साफ रहने के आसार हैं। सुबह और देर रात के समय अधिकतर हिस्सों में हल्के से मध्यम कोहरा छाए रहने का अनुमान है। इस बीच का अधिकतम तापमान 27-29 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 14-17 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। उत्तर-पश्चिम भारत क्षेत्रों में 10 नवंबर की रात से एक नया पश्चिमी विक्षोभ उत्तर-पश्चिम हिमालयी क्षेत्र को प्रभावित करने के आसार हैं। इस कारण जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और मुजफ्फराबाद में 12-13 नवंबर को कश्मीर घाटी और आसपास के क्षेत्रों में भारी बारिश या बर्फबारी होने की संभावना है। इस दौरान 40-50 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की चेतावनी जारी की गई है। वहीं, 10-15 नवंबर के दौरान हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में कुछ स्थानों पर बारिश तथा ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी का अनुमान है। पंजाब में 12-15 नवंबर के दौरान कहीं-कहीं हल्की बारिश हो सकती है। दक्षिण और पूर्वी भारत के दक्षिण प्रायद्वीप क्षेत्रों में तमिलनाडु में 10 नवंबर को जबकि केरल तथा माहे में 10-15 नवंबर को भारी बारिश का अनुमान है। कोमोरिन क्षेत्र के ऊपर बने चक्रवाती परिसंचरण के कारण केरल और तमिलनाडु में गरज-चमक के साथ बारिश की स्थिति बनी रहेगी। अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में 10-15 नवंबर के दौरान में व्यापक बारिश होने के आसार हैं।

# शेख हसीना ने बांग्लादेश लौटने के पहले नया पासपोर्ट नया पहचान पत्र मांगा

**नई दिल्ली/लंदन (हि.स.)।** बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अपने कानूनी सलाहकार के माध्यम से नई दिल्ली स्थित बांग्लादेश उच्चायोग से औपचारिक रूप से संपर्क कर उनके लिए एक नए बांग्लादेशी पासपोर्ट और राष्ट्रीय पहचान पत्र (एनआईडी) जारी करने का अनुरोध किया है। भारत में बांग्लादेश की कार्यवाहक उच्चायुक्त प्रीति रहमान को संबोधित एक पत्र में, लंदन स्थित मैट्रिक्स चैंबर्स के बैरिस्टर स्टीवन पावेल्स केसी ने कहा कि यह अनुरोध अंतरिम सरकार और अन्य अधिकारियों द्वारा हसीना के मौजूदा पासपोर्ट और एनआईडी को कथित तौर पर रद्द किए जाने के बाद किया गया है। पत्र में इस बात पर जोर दिया गया है कि यह आवेदन हसीना की बांग्लादेशी नागरिकता पर आधारित है, तथा इसमें बांग्लादेश के कानूनों के तहत उत्पन्न होने वाले दायित्वों के साथ-साथ लागू अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार विनियमों के तहत दायित्वों का भी हवाला दिया गया है। कानूनी प्रतिनिधि ने उच्च उच्चायोग से इस मामले की जांच करने तथा नए दस्तावेज अविलंब जारी करने के लिए आवश्यक औपचारिकताओं और दस्तावेजों के बारे में अवगत कराने का आग्रह किया है। उल्लेखनीय है कि भारत में करीब सवा दो साल से निर्वासित जीवन व्यतीत कर रहीं शेख हसीना पहले ही एलान कर चुकी हैं कि वह दिसंबर में स्वदेश लौटेंगी और उन पर एवं अवामी लीग पर लगाए गए आरोपों का लोकतांत्रिक ढंग से सामना करेंगी।

# राहुल गांधी ने पीएम मोदी के बयान पर किया पलटवार; फिर दोहराई डिबेट की चुनौती



**नई दिल्ली।** कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दिमागी नक्सल वाली टिप्पणी को लेकर एक बार फिर पलटवार किया है। राहुल गांधी ने पीएम मोदी को आमने-सामने की सार्वजनिक बहस की चुनौती को दोहराते हुए कहा कि पीएम मोदी को उनके साथ देश-विरोधी और विदेशी ताकतों के इशारों पर काम करने वाले मुद्दों पर खुली बहस करनी चाहिए। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर राहुल गांधी ने लिखा कि डियर सीआरपीएफ आपके चेहरों से सब कुछ साफ पता चल रहा था, आपने प्रधानमंत्री के झूठ पर यकीन नहीं किया। उन्होंने हमें नक्सली कहा। अपनी चुनौती को फिर से सामने रखते हुए राहुल गांधी ने कहा कि मेरी चुनौती कायम है। वे मेरे साथ इस बात पर बहस करें कि कौन देश-विरोधी है और कौन विदेशी ताकतों के नियंत्रण में है। कभी भी, कहीं भी। राहुल ने दावा किया कि मेरी गारंटी है, इस बहस के बाद, प्रधानमंत्री में फिर कभी किसी जवान के सामने खड़े होने की हिम्मत नहीं बचेगी। राहुल गांधी ने पीएम मोदी के बयान के बाद निशाना साधा है। रविवार को पीएम मोदी ने छत्तीसगढ़ के बस्तर में जवानों के साथ दीवाली मनाते हुए नक्सलवाद को लेकर चेतावनी दी थी। प्रधानमंत्री मोदी ने जवानों को संबोधित करते हुए कहा था कि भले ही जंगलों से हथियारबंद नक्सलियों का लगभग सफाया कर दिया गया है, लेकिन नक्सलवाद का खतरा अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। पीएम ने कहा था कि दिमागी नक्सलियों ने कई सामाजिक संगठनों और राजनीतिक दलों के भीतर अपनी घुसपैठ बना ली है। उन्होंने चेतावनी दी थी कि ये तत्व देश के लोगों को संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्था के खिलाफ भड़काने का काम कर रहे हैं।

# *संसद के मानसून सत्र का अब तक सत्रावसान नहीं, 2008 का टूटा रिकॉर्ड, रमेश ने उठाए सवाल*

**नई दिल्ली (हि.स.)।** संसद का मानसून सत्र समाप्त हुए 88 दिन बीत चुके हैं, लेकिन अब तक लोकसभा और राज्यसभा का औपचारिक सत्रावसान नहीं किया गया है। इसके साथ ही संसद के सत्रावसान में अब तक का सबसे लंबा अंतराल दर्ज हुआ है। इससे पहले वर्ष 2008 में 87 दिनों तक सत्रावसान नहीं हुआ था। दोनों सदनों की कार्यवाही 13 अगस्त को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई थी। सोमवार सुबह तक दोनों सदनों का सत्रावसान नहीं होने से मौजूदा सत्र के तहत ही संसद की बैठक दोबारा बुलाए जाने की संभावना बनी हुई है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने इस मामले में सरकार की मंशा पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा कि संसद को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित किए हुए 88 दिन हो गए हैं, लेकिन अब तक सत्रावसान नहीं हुआ है। रमेश ने संसद की कार्यप्रणाली पर प्रकाशित पुस्तक *कौल एंड शकधर* के आठवें संस्करण का हवाला देते हुए कहा कि इसमें लोकसभा के अनिश्चितकाल के लिए स्थगित होने और सत्रावसान के बीच सामान्यत: दो से चार दिन का अंतर बताया गया है। पुस्तक के फुटनोट में यह अधिकतम अंतर 28 दिन बताया गया है, जो 2015 के मानसून सत्र से जुड़ा है। रमेश ने कहा कि संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने 19 अक्तूबर को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को लिखे पत्र में 2008 के मानसून सत्र का 87 दिनों तक सत्रावसान नहीं होने का उल्लेख किया था। उन्होंने कहा कि उस समय सभी दलों की सहमति से ऐसा किया गया था। रमेश ने आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार ने यह रिकॉर्ड केंद्रीय गृहमंत्री को परिसीमन विधेयकों को पारित कराने के लिए लोकसभा में दो-तिहाई बहुमत जुटाने का समय देने के उद्देश्य से बनाया है। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे पिछले छह महीने में चार बार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर परिसीमन पर चर्चा के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाने का अनुरोध कर चुके हैं, लेकिन सरकार ने इस पर सहमति नहीं दी है। वहीं, सत्रावसान नहीं किए जाने से यह अटकलें भी लगाई जा रही हैं कि सरकार महिला आरक्षण कानून को लागू करने से जुड़े प्रस्तावित संविधान संशोधन पर विचार के लिए संसद की बैठक कम समय के नोटिस पर बुला सकती है। इस प्रस्ताव के तहत परिसीमन के जरिए लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों की संख्या बढ़ाकर अधिकतम 850 करने की बात है। हालांकि, संसद की बैठक बुलाने को लेकर सरकार की ओर से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। संविधान में सदन को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित किए जाने के बाद सत्रावसान करने की कोई निश्चित समय-सीमा तय नहीं है। इसलिए लंबे समय तक सत्रावसान नहीं किया जाना अपने आप में संवैधानिक या प्रक्रियागत अनियमितता नहीं माना जाता। उपलब्ध रिकॉर्ड के अनुसार 2008 में 87 दिन, 1987 में 76 दिन, 1989 में 54 दिन, 2006 एवं 2013 में 49-49 दिन तथा 1963 में 41 दिन तक संसद का सत्रावसान नहीं हुआ था।

# ढाका की गलियों को बता रहे दिल्ली, चीनी स्ट्रीमर्स का काला कारनामा बेनकाब

**नई दिल्ली।** बांग्लादेश की राजधानी ढाका में चीनी नागरिकों की संदिग्ध लाइवस्ट्रीमिंग गतिविधियों का खुलासा हुआ है। एक बांग्लादेशी अखबार की एक जांच के मुताबिक, 150 से अधिक चीनी नागरिक ढाका के गरीब इलाकों में कई महीनों से वीडियो बना रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि कुछ लाइवस्ट्रीम में ढाका की गलियों और बस्तियों को भारत की राजधानी नई दिल्ली बताकर दिखाया जा रहा है। इन वीडियो में भारतीय रहन-सहन, साफ-सफाई और स्थानीय लोगों को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणियां भी की जा रही हैं। अखबार की जांच में 27 अक्तूबर और 3 नवंबर को ढाका के उत्तरा इलाके में रिकॉर्ड किए गए लाइवस्ट्रीम का विश्लेषण किया गया। रिपोर्ट के अनुसार, चीनी नागरिक उत्तरा के सेक्टर-12 और आसपास के टेकपारा इलाके में लगातार वीडियो बना रहे हैं। स्थानीय लोगों का अनुमान है कि इस गतिविधि में 150 से अधिक चीनी नागरिक शामिल हैं। रिपोर्ट में मियांमियां नाम के एक स्ट्रीमर का भी जिक्र है। उसे 1 नवंबर को उत्तरा के सेक्टर-12 में एक नहर के पास लाइवस्ट्रीमिंग करते देखा गया। वह ढाका की इस जगह को नई दिल्ली बता रहा था और वहां बने घरों को गंदा और अस्वच्छ बता रहा था। इसी तरह, वांग वेई नाम का एक अन्य चीनी नागरिक टेकपाड़ा में चाय की दुकानों के आसपास वीडियो बना रहा था। उसने अपने दर्शकों से दावा किया कि वहां लोग जिस चाय को पी रहे हैं, वह गाय के पेशाब और गंदे नदी के पानी से तैयार की गई है। अखबार के मुताबिक, चीनी भाषा में की गई टिप्पणियों का अनुवाद गूगल ट्रांसलेट की मदद से किया गया। इसके बाद चीनी भाषा जानने वाले चार बांग्लादेशी नागरिकों से इसकी पुष्टि कराई गई। जांच में सामने आया कि स्ट्रीमिंग करने वाले कई चीनी नागरिक दो मोबाइल फोन लेकर चलते थे। एक फोन का इस्तेमाल लाइव प्रसारण के लिए किया जाता था, जबकि दूसरे से वे जरूरी जानकारियां देखते थे। रिपोर्ट के अनुसार, कुछ बांग्लादेशी महिलाएं भी इन चीनी नागरिकों की मदद कर रही थीं। वे उन्हें स्थानीय इलाकों में रास्ता दिखाने और लोगों से बातचीत कराने का काम करती थीं। ऐसी ही एक गाइड रितु अख्तर ने अखबार को बताया कि वह इस काम के लिए प्रतिदिन 700 से 800 टका कमाती थी। चीनी नागरिकों की इस गतिविधि के पीछे का असली मकसद अभी स्पष्ट नहीं है। फैंगयू नाम के एक चीनी नागरिक ने प्रोथोम आलो को बताया कि उनका समूह वीचैट पर प्रोडक्ट प्रमोशन के लिए लाइवस्ट्रीमिंग कर रहा था। हालांकि, उसने यह स्पष्ट नहीं किया कि इसके लिए उत्तरा और टेकपाड़ा जैसे इलाकों को ही क्यों चुना गया और वहां इतने लंबे समय तक रिकॉर्डिंग क्यों की गई? रितु अख्तर के मुताबिक, चीनी नागरिक वीचैट के अलावा चीन के टिकटॉक जैसे प्लेटफॉर्म डॉयिन पर भी वीडियो अपलोड करते थे। इन गतिविधियों से उन्हें कमाई होती थी। चीनी नागरिकों की लगातार रिकॉर्डिंग से स्थानीय लोगों में नाराजगी भी बढ़ रही है। कई निवासियों ने उनकी गतिविधियों को लेकर निजता के उल्लंघन की शिकायत की है। स्थानीय निवासी रोजिना खातून ने अखबार को बताया कि कुछ स्ट्रीमर बिना अनुमति घरों में घुस गए और वहां रहने वाले लोगों की स्थिति की परवाह किए बिना रिकॉर्डिंग शुरू कर दी। एक अन्य महिला पापिया बेगम ने आरोप लगाया कि कुछ लोग वीडियो बनाते हुए बाथरूम तक में घुस गए। मामले की जानकारी स्थानीय पुलिस तक भी पहुंच चुकी है। उत्तरा वेस्ट पुलिस स्टेशन के प्रभारी मोहम्मद खालिद मंसूर ने बताया कि पुलिस ने इलाके में चीनी नागरिकों को वीडियो बनाते हुए देखा था। हालांकि, शुरुआत में उनकी गतिविधियों के वास्तविक उद्देश्य की जानकारी नहीं थी। उन्होंने कहा कि इस संबंध में वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित कर दिया गया है और मामले पर काम किया जा रहा है।

# बंगाल में फिर एनकाउंटर, नाबालिग से दुष्कर्म और हत्या का फरार आरोपित ढेर

**कोलकाता (हि.स.)।** रायगंज में 12 वर्षीय लड़की के अपहरण, दुष्कर्म और नृशंस हत्या मामले में फरार चल रहे मुख्य आरोपित दिलीप राय को पुलिस ने सोमवार तड़के एक मुठभेड़ (एनकाउंटर) में मार गिराया। जांचकर्ता पिछले चार दिनों से उसकी सघन तलाश कर रहे थे। राज्य में नई सरकार के गठन के बाद से यह पुलिस एनकाउंटर की चौथी घटना है। हालांकि, इससे पहले के तीन मामलों (बारुईपुर, गायघाटा और शमशेरगंज) में आरोपित गिरफ्तारी के बाद पुलिस हिरासत से भागने की कोशिश करते हुए मारे गए थे, जबकि रायगंज मामले में आरोपित की मौत गिरफ्तारी से पहले ही हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, रायगंज निवासी नाबालिग लड़की पिछले मंगलवार (03 नवंबर) की शाम अपनी साइकिल से घर से निकली थी, जिसके बाद वह रहस्यमय तरीके से लापता हो गई थी। परिजनों की शिकायत के बाद पुलिस ने सघन तलाशी अभियान शुरू किया। घटना के दो दिन बाद शुक्रवार को निकटवर्ती कुलिक के जंगलों से नाबालिग का नग्न और क्षत-विक्षत शव बरामद हुआ। परिजनों ने अपहरण के बाद दुष्कर्म और हत्या का गंभीर आरोप लगाया था। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही थी कि कहीं यह सामूहिक दुष्कर्म का मामला तो नहीं है और इस जघन्य अपराध में कोई और भी शामिल तो नहीं है। पुलिस लगातार मुख्य आरोपित दिलीप राय की तलाश कर रही थी। रविवार रात जांचकर्ताओं को गुप्त सूचना मिली कि आरोपित रायगंज की गौरी ग्राम पंचायत इलाके में छिपा हुआ है और बिहार सीमा के रास्ते दूसरे राज्य में भागने की फिराक में है। सूचना के आधार पर पुलिस की एक विशेष टीम ने रात करीब तीन बजे इलाके में दबिश दी। पुलिस सूत्रों का दावा है कि भोर में जब पुलिस टीम आरोपित के ठिकाने के करीब पहुंची, तो पुलिस को देखते ही दिलीप राय ने फायरिंग शुरू कर दी। आरोपित द्वारा चलाई गई एक गोली पुलिस के वाहन के टायर में भी लगी।

## पृष्ठ एक का शेष

### *दीवाली की रात आग ...*

एक 17 मंजिला इमारत में भी आग लगी, हालांकि गनीमत रही कि वहां कोई जनहानि नहीं हुई। राजस्थान के पाली जिले में पटाखों की एक दुकान में अचानक आग भड़कने से दो लोगों की मौत हो गई और तीन लोग लापता हो गए। इस हादसे की लपटों ने आसपास की तीन दुकानों और कई दोपहिया वाहनों को भी पूरी तरह जलाकर राख कर दिया। देश की राजधानी दिल्ली के नरेला इलाके में आतिशबाजी के दौरान छूटा रॉकेट पटाखा सीधे 10 साल के एक बच्चे के पेट में जा लगा, जिससे गंभीर चोट लगने के कारण मौके पर ही उसकी मौत हो गई। उत्तर प्रदेश के बांदा में एक कबाड़ के गोदाम में आग लगने से करीब 20 से 25 लाख रुपए की संपत्ति जल गई। गाजियाबाद के क्रॉसिंग रिपब्लिक इलाके से भी आगजनी की सूचनाएं मिलीं है। देश के बाकी हिस्सों में भी आग से बड़े पैमाने पर आर्थिक नुकसान दर्ज किया गया। जम्मू के नेहरू मार्केट में 12 से अधिक दुकानें खाक हो गईं। असम के जोनाई, सिक्किम के गंगटोक से भी आगजनी की सूचनाएं मिलीं, जहां दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद स्थिति पर काबू पाया।

### *दीपावली के उल्लास के ...*

काबू पाया। विधायक धर्मेश्वर राय भी रात में घटनास्थल पर पहुंचे। इसी तरह सिलचर के रंगपुर इलाके में व्यवसायी सुमन धर के किराये के गोदाम में आग लग गई। आशंका जताई जा रही है कि आतिशबाजी की चिंगारी से आग लगी। दीपावली की रात जुरिया में भी भीषण आग लगने की घटना सामने आई। हालांकि, इस घटना में हुए नुकसान का विस्तृत ब्योरा तत्काल नहीं मिल सका। वहीं, क्षेत्री के नुवागांव में आग लगने से एक आवासीय मकान पूरी तरह जलकर राख हो गया। घटना के समय घर में कोई मौजूद नहीं था। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। दमकल की टीम मौके पर पहुंची। सरूपथार में भी शिशिर दे नामक व्यक्ति का आवास आग की चपेट में आकर पूरी तरह नष्ट हो गया। दमकलकर्मियों ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का प्रयास किया। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। इसके अलावा माजुली के नया बाजार में गणेश दे के सात किराये के मकान आग में जलकर राख हो गए। स्थानीय लोगों के सहयोग से दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पाया। उधर रविवार को छोटी-बड़ी आग लगने की कुल 112 घटनाएं दर्ज की गईं। अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा विभाग से आज मिली जानकारी के अनुसार, राज्य के विभिन्न हिस्सों में ये घटनाएं हुईं। दीपावली के दौरान पटाखों और आतिशबाजी के बीच आग लगने की इन घटनाओं ने अग्नि सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। विभिन्न स्थानों पर अग्निशमन विभाग की टीमों को आग बुझाने और स्थिति को नियंत्रित करने के लिए तैनात किया गया। एक ही दिन में आग लगने की इतनी बड़ी संख्या ने राज्य में अग्नि सुरक्षा उपायों को और मजबूत करने तथा आम लोगों को सतर्क रहने की आवश्यकता को रेखांकित किया है। विभाग ने लोगों से पटाखों और बिजली के उपकरणों का इस्तेमाल करते समय सावधानी बरतने की अपील की है।

### *अतिक्रमण हटाने की...*

व्यवस्थाओं और बंगाली भाषी मुस्लिम परिवारों पर कथित असमान प्रभाव पर सवाल उठाए हैं। यह मुद्दा राजनीतिक रूप से विवादास्पद बना रहने की संभावना है क्योंकि सरकार ने संकेत दिया है कि उसका भूमि-पुनर्ग्रहण अभियान जारी रहेगा। बेदखली अभियान अब निचले असम से भी आगे बढ़ चुका है। अक्तूबर में, प्रशासन ने होजाई जिले के जमुना-मौडांगा आरक्षित वन में अभियान फिर से शुरू किया, जिसमें 152 परिवारों को निशाना बनाया गया और लगभग 525 बीघा भूमि को पुन: प्राप्त करने का प्रयास किया गया। इससे पहले जनवरी में एक अभियान चलाया गया था, जिसमें 1,098 परिवारों को बेदखल किया गया था और लगभग 700 हेक्टेयर भूमि पुन: प्राप्त की गई थी। शर्मा ने बार-बार इन अभियानों का बचाव करते हुए तर्क दिया है कि राज्य सरकार सरकारी और वन भूमि को अनाधिकृत कब्जे में नहीं रहने दे सकती। उन्होंने यह भी कहा है कि असम की भूमि और स्वदेशी हितों की रक्षा के लिए यह अभियान आवश्यक है। इस बीच, विपक्ष ने भूमि स्वामित्व दावों में अधिक पारदर्शिता, उचित कानूनी प्रक्रिया और विस्थापित परिवारों के पुनर्वास की मांग की है। असम की बेदखली नीति से जुड़ा मुख्य प्रश्न यह है कि क्या सरकार के भूमि-पुनर्प्राप्ति उद्देश्यों को प्रभावित निवासियों के लिए पर्याप्त कानूनी सुरक्षा उपायों और मानवीय व्यवहार को सुनिश्चित करते हुए पूरा किया जा सकता है।

### *असम में स्थापित होगा ...*

आकर्षित करने के लिए रोड शो आयोजित करेगा। यह परियोजना असम एयरोस्पेस एवं रक्षा विनिर्माण नीति, 2025 के तहत विकसित की जाएगी। इस नीति का उद्देश्य छोटे हथियारों एवं गोला-बारूद, ड्रोन, विमान के कलपुर्जों, एवियोनिक्स तथा रखरखाव, मरम्मत एवं ओवरहाल (एमआरओ) सेवाओं के क्षेत्र में निवेश को प्रोत्साहित करना है। रणनीतिक दृष्टि से रक्षा पार्क भारत की पूर्वी सीमाओं पर तैनात सैन्य बलों के लिए उपकरणों की आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत करेगा। इससे रक्षा उत्पादन केंद्र सैन्य प्रतिष्ठानों के निकट होंगे और आवश्यक उपकरणों की शीघ्र आपूर्ति संभव हो सकेगी। जागीरोड में प्रस्तावित सेमीकंडक्टर संयंत्र के साथ यह रक्षा पार्क असम के औद्योगिक आधार को व्यापक बनाने तथा पूर्वोत्तर भारत को एयरोस्पेस और रक्षा विनिर्माण के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। राज्य सरकार को उम्मीद है कि इस परियोजना से देशी और विदेशी रक्षा कंपनियों, स्टार्टअप तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को आकर्षित किया जा सकेगा। इससे क्षेत्र के युवाओं के लिए तकनीकी एवं कुशल रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

### *2031 में सभी 126...*

विधायक पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2031 के चुनाव में उन्हें घर बैठाने के लिए भाजपा कार्यकर्ताओं को अभी से तैयारी करनी होगी। वहीं, लाहोरीघाट में चलाए गए बेदखली अभियान पर मुख्यमंत्री ने कहा कि इसका जाति या धर्म से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने कांग्रेस से सवाल किया कि यदि उसे अल्पसंख्यकों की इतनी चिंता थी तो उसने अपने शासनकाल में इन लोगों को भूमि पट्टे क्यों नहीं दिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को पहले ही वसुंधरा योजना लागू करनी चाहिए थी। सरकार वास्तविक भूमिहीन लोगों को भूमि पट्टा देने के खिलाफ नहीं है, लेकिन वन भूमि पर अतिक्रमण किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि बेदखली अभियान को जाति और धर्म के नजरिये से नहीं देखा जाना चाहिए।

### *तमिलनाडु में पटाखों ...*

के अनुसार, पटाखों से संबंधित दुर्घटनाओं को लेकर 54 आपातकालीन कॉल आईं, जबकि आग लगने की अन्य घटनाओं के संबंध में 37 कॉल प्राप्त हुईं। इस प्रकार दीपावली के दिन विभाग को कुल 91 आपातकालीन कॉल पर कार्रवाई करनी पड़ी। सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, पटाखों से हुए हादसों में घायल 679 लोगों का विभिन्न अस्पतालों में उपचार किया गया। इनमें से 569 लोगों की स्थिति में सुधार के बाद उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई, जबकि शेष 110 लोग अभी भी उपचाराधीन हैं। उल्लेखनीय है कि दीपावली के दौरान पटाखे फोड़ने से होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सरकार और प्रशासन की ओर से हर साल सुरक्षा संबंधी दिशा-निर्देश जारी किए जाते हैं। इसके बावजूद त्योहार के दौरान पटाखों से आग लगने और लोगों के घायल होने की घटनाएं सामने आती रहती हैं।

### *रूस-यूक्रेन जंग पर ...*

इसी तरह की पहल करनी चाहिए। जेलेंस्की ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी कई बार यह बात दोहरा चुके हैं कि अब युद्ध जारी रखने के बजाय इसे खत्म करने का समय है। उन्होंने रूसी नेतृत्व के सामने भी यह संदेश रखा है। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने भारत की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि उसे यह तय करना चाहिए कि युद्ध समाप्त कराने के लिए वह क्या कदम उठा सकता है और दूसरे देशों के नेताओं के साथ किस तरह बातचीत कर सकता है। उन्होंने खाद्य सुरक्षा को ऐसा ही एक अहम क्षेत्र बताया। जेलेंस्की के अनुसार, बातचीत में काला सागर के रास्ते अनाज के निर्यात पर रूस की ओर से लगाई गई रोक का मुद्दा भी उठा। उन्होंने कहा कि भारत खाद्य आपूर्ति के लिए कॉरिडोर बनाने में मध्यस्थता करने को तैयार है। यूक्रेन को उम्मीद है कि इस दिशा में प्रयास जारी रहेंगे। उन्होंने कहा कि समुद्री रास्तों के बंद होने से वैश्विक अर्थव्यवस्था और दुनिया भर के करोड़ों लोग प्रभावित हो रहे हैं। रूस को इस स्थिति की गंभीरता समझनी चाहिए। दोनों नेताओं ने इन मुद्दों सहित अन्य द्विपक्षीय मामलों पर आगे भी संपर्क बनाए रखने और अपनी टीमों के बीच बातचीत जारी रखने पर सहमति जताई। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शांति की कोशिशों के बीच रूस और यूक्रेन के बीच हमले भी तेज हो गए हैं। यूक्रेनी अधिकारियों के मुताबिक, रूस ने एक बार फिर यूक्रेन के बिजली ग्रिड और ऊर्जा ढांचे को निशाना बनाया है। वहीं, यूक्रेनी सेना ने रूस की एक प्रमुख तेल रिफाइनरी पर हमला किया है। दोनों देशों के बीच ये सैन्य कार्रवाई ऐसे समय में हुई है, जब अमेरिका की मध्यस्थता में युद्ध समाप्त करने के लिए नई बातचीत होने वाली है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को प्रसारित 60 मिनट्स इंटरव्यू में दावा किया कि रूस और यूक्रेन के बीच समझौता जल्द हो सकता है। उन्होंने कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की के बीच जबरदस्त मतभेद और नफरत के बावजूद दोनों देश किसी समझौते के काफी करीब हैं। युद्ध समाप्त करने की दिशा में एक अहम कूटनीतिक पहल के तहत रूस, यूक्रेन और अमेरिका के प्रतिनिधिमंडल 10 और 11 नवंबर को संयुक्त अरब अमीरात के अबू धाबी में बैठक करेंगे। इस बातचीत में सुरक्षा गारंटी, युद्ध रोकने के उपाय और भविष्य की सुरक्षा व्यवस्था जैसे मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने सोमवार को कहा कि बातचीत के एजेंडे में सामूहिक सुरक्षा का मुद्दा प्रमुखता से शामिल है। इसमें केवल रूस और यूक्रेन ही नहीं, बल्कि व्यापक क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था भी शामिल है।

### *मणिपुर में 2027 तक...*

विचार करें और अगले साल 30 अप्रैल तक एक तर्कसंगत आदेश जारी करें। अदालत के अनुसार, तब तक इस प्रक्रिया को रोकने संबंधी मौजूदा अधिसूचनाएं पूरी तरह लागू रहेंगी। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक, खंडपीठ ने स्पष्ट करते हुए कहा कि दूसरे शब्दों में कहें तो, मणिपुर राज्य के लिए जनगणना की प्रक्रिया 30 अप्रैल 2027 तक स्थगित/रोकी रहेगी। इसके अलावा अदालत ने यह भी आदेश दिया है कि अधिकारियों द्वारा इन आवेदनों पर अंतिम निर्णय लिए जाने के बाद भी चार सप्ताह तक जनगणना स्थगित रखी जाएगी, ताकि यदि कोई व्यक्ति या पक्ष इस निर्णय से असंतुष्ट हो, तो वह उचित कानूनी प्रक्रिया के तहत अदालत में इसे चुनौती दे सके। यह पूरा मामला कांगलेइपाक स्टूडेंट्स एसोसिएशन (केएसए), इंटरनेशनल पीस एंड सोशल एडवांसमेंट (आईपीएसए) और शांता सिंह नहकपाम द्वारा दायर की गई जनहित याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान सामने आया। याचिकाकर्ताओं का तर्क था कि राज्य में हुई जातीय हिंसा के कारण हजारों लोग अपने घरों से विस्थापित हो चुके हैं। ऐसे हालात में जनगणना कराने से जनसंख्या रिकॉर्ड की सटीकता बुरी तरह प्रभावित हो सकती है। उनकी मांग थी कि जनगणना शुरू करने से पहले आंतरिक रूप से विस्थापित हुए लोगों की सही पहचान की जानी चाहिए और उनकी परिस्थितियों पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए।

## शिवसागर के यमुना इलाके में जिला प्रशासन का बेदखली अभियान

**शिवसागर (हिंस)।** असम के शिवसागर जिले के यमुना इलाके में जिला प्रशासन ने सोमवार को अतिक्रमण हटाने के लिए बेदखली अभियान फिर से शुरू किया। प्रशासन की ओर से सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे को हटाने के उद्देश्य से यह अभियान चलाया जा रहा है। इससे दो दिन पहले भी जिला प्रशासन ने इसी इलाके में अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाया था। सोमवार को शुरू किए गए ताजा अभियान के तहत सरकारी जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराने की कार्रवाई की जा रही है। अभियान के दौरान कितने मकानों और अन्य निर्माणों को हटाया गया है तथा कितनी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया है, इसकी विस्तृत जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

## 11.50 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी के मामले में पानबाजार पुलिस की कार्रवाई, मुख्य आरोपी हर्ष अग्रवाल सिलीगुड़ी से गिरफ्तार

**गुवाहाटी (हिंस)।** पानबाजार पुलिस ने 11.50 करोड़ रुपए की कथित वित्तीय धोखाधड़ी के मामले का खुलासा करते हुए मुख्य आरोपी हर्ष अग्रवाल (30) को पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अंतरराज्यीय अभियान चलाकर यह कार्रवाई की। असम पुलिस मुख्यालय की ओर से दी गयी आज जानकारी के अनुसार भारतीय सेना के फर्जी आपूर्ति आदेश तैयार करने, सेना के अधिकारियों के रूप में पहचान बताकर धोखाधड़ी करने और जाली वित्तीय दस्तावेजों का इस्तेमाल करने के आरोप हैं। पानबाजार थाने के प्रभारी निरीक्षक शंकर ज्योति नाथ के नेतृत्व में पुलिस टीम ने वित्तीय लेन-देन, डिजिटल साक्ष्यों और खुफिया सूचनाओं



के आधार पर विस्तृत जांच की। पुलिस के अनुसार, हर्ष अग्रवाल ने कथित तौर पर शुरुआत में शिकायतकर्ता से अपने भाई आयुष अग्रवाल का परिचय दूर के रिश्तेदार के रूप में कराया था, जो सेना के लिए आपूर्ति संबंधी ठेके का काम करता था। इसके बाद आरोपियों ने कारोबारी संबंधों का फायदा उठाकर गुवाहाटी स्थित मेसर्स ग्लोबल ट्रेडर्स का विश्वास हासिल किया और 11,50,56,180 रुपए की कथित धोखाधड़ी को अंजाम दिया। जांच के दौरान मिले सुरागों और विशेष खुफिया सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने सिलीगुड़ी में हर्ष अग्रवाल का पता लगाकर उसे गिरफ्तार कर लिया। इस संबंध में पानबाजार थाना कांड संख्या 214/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने अब तक विभिन्न बैंक खातों में दो करोड़ रुपए से अधिक की राशि फ्रीज कराई है।

## मुख्यमंत्री ने लाहोरीघाट के विकास का दिया भरोसा, चुनावी वादे पूरे करने का आश्वासन



**गुवाहाटी (हिंस)।** असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को लाहोरीघाट के लोगों को आश्वासन दिया कि इस विधानसभा क्षेत्र का विकास राज्य के अन्य क्षेत्रों के समान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान किए गए सभी वादों को पूरा किया जाएगा। नगांव लोकसभा उपचुनाव में भाजपा की जीत के बाद लाहोरीघाट के लोगों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि लंबे समय तक कांग्रेस के साथ रहने के कारण यह क्षेत्र विकास से वंचित रहा। उन्होंने कहा कि लाहोरीघाट में सड़क और तटबंध जैसी बुनियादी सुविधाओं का भी अभाव रहा है। शर्मा ने भरोसा दिलाया कि क्षेत्र में बुनियादी ढांचे की कमियों को दूर किया जाएगा और इसे विकास की दौड़ में अन्य विधानसभा क्षेत्रों के बराबर लाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि चुनाव के दौरान जनता से किए गए प्रत्येक वादे को पूरा किया जाएगा। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस चुनाव के समय किए गए वादों को बाद में भूल जाती है, लेकिन भाजपा अपने वादों को नहीं भूलती। उन्होंने दोहराया कि राज्य सरकार लाहोरीघाट के संतुलित विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

## श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र असम की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक : मुख्यमंत्री शर्मा

**गुवाहाटी (हिंस)।** असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र के स्थापना दिवस के अवसर पर राज्य के लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने इस संस्थान को असम की समृद्ध लोक-संस्कृति, परंपरा और आध्यात्मिक चेतना का एक उज्ज्वल प्रतीक बताया। सोशल मीडिया पर जारी अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव के उदार मानवीय दर्शन और एकता के आदर्शों से प्रेरित यह राष्ट्रीय संस्थान असम की विविधतापूर्ण सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण और प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि ब्रह्मपुत्र घाटी से लेकर बराक घाटी तक विभिन्न समुदायों की सांस्कृतिक विविधता को एकता के सूत्र में पिरोने में कलाक्षेत्र का योगदान अद्वितीय है। मुख्यमंत्री ने आशा व्यक्त की कि यह संस्थान असम की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक मंच पर पहचान दिलाने के साथ-साथ भावी पीढ़ियों को अपनी जड़ों और पहचान से जोड़ने का प्रयास निरंतर जारी रखेगा।

## उत्तर प्रदेश चुनाव से पहले कांग्रेस पर सांप्रदायिक ध्रुवीकरण का आरोप

**गुवाहाटी (हिंस)।** असम प्रदेश भाजपा ने सोमवार को कांग्रेस पर 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया। भाजपा ने दावा किया कि कांग्रेस धार्मिक और संवेदनशील मुद्दों को उठाकर अपने वोट बैंक को मजबूत करने की कोशिश कर रही है। पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता रंजीब कुमार शर्मा ने अटल बिहारी वाजपेयी भवन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी के हालिया साक्षात्कार को लेकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ब्रिटिश समाचार पत्र *द गार्जियन* को दिए साक्षात्कार में सोनिया गांधी ने



1990 के दशक में बाबरी मस्जिद विध्वंस की तस्वीरें टेलीविजन पर देखने के बाद पूरी रात रोने की बात कही थी। शर्मा ने आरोप लगाया कि पहले से न्यायिक रूप से सुलझाए जा चुके राम जन्मभूमि मुद्दे को दोबारा राजनीतिक हथियार बनाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने इसे मार्च 2027 में होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस की सोची-समझी राजनीतिक रणनीति करार दिया। भाजपा प्रवक्ता ने 2012 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के दौरान तत्कालीन केंद्रीय कानून मंत्री सलमान खुर्शीद द्वारा आजमगढ़ में दिए गए बयान का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि खुर्शीद ने दावा किया था कि 2008 के बाटला हाउस मुठभेड़ की खबर सुनकर सोनिया गांधी फूट-फूटकर रोई थीं। शर्मा ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे पर भी निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने दीपावली की तुलना ईद से जोड़कर धार्मिक भावनाओं को आहत करने और सांप्रदायिक राजनीति को बढ़ावा देने का प्रयास किया। उन्होंने सवाल उठाया कि सोनिया गांधी ने 1984 के सिख विरोधी दंगों, कश्मीरी पंडितों की हत्याओं, भोपाल गैस त्रासदी, मुंबई, दिल्ली और गुवाहाटी में हुए सिलसिलेवार बम धमाकों तथा असम आंदोलन के दौरान 855 लोगों की मौत जैसे मामलों पर वैसी भावनात्मक प्रतिक्रिया क्यों नहीं दिखाई। शर्मा ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के 9 दिसंबर, 2006 के बयान का भी उल्लेख किया और आरोप लगाया कि कांग्रेस लंबे समय से तुष्टीकरण की राजनीति के जरिए चुनावी लाभ हासिल करने का प्रयास करती रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की राजनीति का उद्देश्य विकास और जनहित के बजाय धार्मिक आधार पर समाज को विभाजित करना है।

## सड़क हादसे में 12 व्यक्ति घायल

**मोरीगांव (हिंस)।** मोरीगांव जिले के जागीरोड थाना क्षेत्र इलाके में सोमवार को हुए एक सड़क हादसे में 12 लोग घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि जागीरोड थाना क्षेत्र के दोपडा इलाके में दो सीएनजी ऑटो रिक्शा के बीच में आमने-सामने की टक्कर में 12 लोग घायल हो गए। दुर्घटना के बाद एक ऑटो सड़क के किनारे तालाब में जा गिरा। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। घायलों में महिला और बच्चे भी शामिल है। पुलिस इस संबंध में दुर्घटना का एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

## सोनापुर में एसएसबी ने तनाव प्रबंधन पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया



**गुवाहाटी (हिंस)।** सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की प्रथम वाहिनी, सोनापुर की ओर से सोमवार को वाहिनी मुख्यालय में जवानों के लिए तनाव प्रबंधन पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन वाहिनी के कमांडेंट सुनील कौशिक के मार्गदर्शन में राजस्थान स्थित श्री सिद्धेश्वर स्वामीजी ट्रस्ट के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम के दौरान ट्रस्ट के प्रतिनिधियों ने जवानों को दैनिक जीवन और आधिकारिक कर्तव्यों के दौरान उत्पन्न होने वाले मानसिक तनाव से निपटने के विभिन्न तरीकों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने सकारात्मक सोच विकसित करने और मानसिक संतुलन बनाए रखने के महत्व पर भी प्रकाश डाला। प्रतिनिधियों ने तनावमुक्त जीवनशैली अपनाने, आत्मविश्वास बनाए रखने तथा कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए उपयोगी सुझाव दिए। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बल के जवानों को प्रभावी तनाव प्रबंधन के प्रति जागरूक करना तथा उनके मानसिक स्वास्थ्य, सकारात्मक दृष्टिकोण और समग्र कल्याण को बढ़ावा देना था।

## काजीरंगा की हथिनी कृष्णा का निधन, मुख्यमंत्री शर्मा ने जताया शोक

**गुवाहाटी (हिंस)।** असम के काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान की लंबे समय तक सेवा करने वाली हथिनी *कृष्णा* का गत 6 नवंबर को निधन हो गया। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को सोशल मीडिया पर एक भावुक संदेश साझा कर कृष्णा के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ विदाइयों को स्वीकार करना बेहद कठिन होता है। कृष्णा काजीरंगा के लिए ऐसा ही एक जाना-पहचाना नाम थी। उसने वर्ष 1982 में काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में अपनी सेवाएं शुरू की थीं और लंबे समय तक उद्यान की सुरक्षा तथा वन्यजीव संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कृष्णा ने काजीरंगा रेंज से लेकर बागोरी रेंज तक अपनी सेवाएं दीं। उसकी कार्ययात्रा समर्पण, साहस और कर्तव्यनिष्ठा की मिसाल रही। इस दौरान वह तीन शावकों की मां भी बनी थी। मुख्यमंत्री ने बताया कि करीब 21 वर्ष पहले दृष्टि पूरी तरह खो देने के कारण कृष्णा को सक्रिय ड्यूटी से सेवानिवृत्त होना पड़ा था। हालांकि, सेवानिवृत्ति के बाद भी काजीरंगा के साथ उसका रिश्ता बना रहा। वन विभाग के अधिकारियों ने नियमित चिकित्सा, देखभाल और स्नेह के साथ उसकी सेवा जारी रखी थी। मुख्यमंत्री ने कृष्णा के निधन को अपूरणीय क्षति बताते हुए उसकी आत्मा की चिरशांति की कामना की।

## असम के राज्यपाल ने श्री गौहाटी गौशाला में मनाया दीपावली का उत्सव

**गुवाहाटी (हिंस)।** असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने सोमवार की शाम प्रथम महिला कुमुद देवी के साथ गुवाहाटी स्थित श्री गौहाटी गौशाला का दौरा किया और संस्थान की ओर से आयोजित दीपावली मिलन समारोह में हिस्सा लिया। इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों से बातचीत करते हुए राज्यपाल ने कहा कि त्योहार भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित रखने के साथ-साथ आपसी प्रेम, सौहार्द और एकजुटता को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन सेवा, सहयोग और सामाजिक सद्भाव जैसे मूल्यों को बढ़ावा देते हैं। राज्यपाल ने श्री गौहाटी गौशाला के पदाधिकारियों और सदस्यों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं तथा समारोह के आयोजन के लिए उनके प्रयासों की सराहना की। उन्होंने देश की सांस्कृतिक चेतना



और विरासत को मजबूत बनाने में श्री गौहाटी गौशाला की भूमिका की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह संस्था अतीत, वर्तमान और भविष्य के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु के रूप में कार्य कर रही है।

## कछार में अस्पताल के तालाब से अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद

**कछार (हिंस)।** असम के कछार जिले के धोलाई स्थित विद्यरत्नपुर अस्पताल के तालाब से सोमवार को एक अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद होने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव मिलने की खबर फैलते ही आसपास के क्षेत्र में लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। घटना को लेकर स्थानीय लोगों में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो पाई है और उसकी मौत के वास्तविक कारणों का भी पता नहीं चल सका है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव बरामद करने के बाद मामले की जांच शुरू कर दी।

## भगवान महावीर निर्वाणोत्सव पर पदमचंद पाटनी परिवार को मिला समाज गौरव सम्मान

**गुवाहाटी (हिंस)।** भगवान महावीर के 2553वें निर्वाणोत्सव के पावन अवसर पर श्री दिगंबर जैन समाज (गुवाहाटी) ने समाज के वरिष्ठ सदस्य पदमचंद पाटनी एवं उनके परिवार को उल्लेखनीय योगदान के लिए *समाज गौरव* सम्मान से सम्मानित किया। फैंसी बाजार के एमएस रोड स्थित भगवान महावीर धर्म स्थल में आयोजित निर्वाणोत्सव समारोह के दौरान समाज के चेयरमैन महावीर प्रसाद छाबड़ा, अध्यक्ष महावीर जैन, मंत्री वीरेंद्र कुमार सरावगी, उपाध्यक्ष ओमप्रकाश सेठी सहित अन्य पदाधिकारियों ने पाटनी परिवार को शाल, श्रीफल, पुष्पमाला एवं प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर अध्यक्ष महावीर जैन ने कहा कि पाटनी परिवार पिछले कई वर्षों से धर्म, मंदिर, शिक्षा, साधु-संतों की सेवा तथा समाज के जरूरतमंद परिवारों की सहायता में निरंतर योगदान देता रहा है। सम्मान ग्रहण करने के बाद



पदमचंद पाटनी ने कहा कि यह सम्मान केवल उनके परिवार का नहीं, बल्कि पूरे जैन समाज का है। उन्होंने कहा कि उनका परिवार आगे भी तन-मन-धन से समाज और धर्म की सेवा करता रहेगा। समारोह में सकल जैन समाज के सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे।

## तीर्थंकर पेगू को जोरहाट स्विमिंग सोसाइटी की ओर से 2 लाख रुपए का सम्मान

**जोरहाट (हिंस)।** जोरहाट स्विमिंग सोसाइटी में 11वर्षों तक तैराकी का प्रशिक्षण लेकर युथ ओलंपिक में कांस्य पदक पदक जीतने वाले तीर्थंकर पेगू देश के पहले पुरूष तैराक है, जिनको यह सफलता मिली है। स्विमिंग सोसाइटी के महासचिव प्रणव बरठाकुर ने बताया कि यहां से तैराकी का गुर सीखने के बाद पेगू ने उच्च प्रशिक्षण के लिए दिल्ली की साई अकादमी और फिर बेंगलुरु जाकर प्रशिक्षण प्राप्त किया। तीर्थंकर ने यूथ ओलंपिक में पदक जीतकर भारत के साथ-साथ जोरहाट स्विमिंग सोसाइटी का नाम भी रोशन किया है।

## गुवाहाटी में महिला की हत्या के आरोप में 45 वर्षीय व्यक्ति गिरफ्तार, तलवार-वाहन बरामद

**गुवाहाटी (हिंस)।** असम पुलिस ने खानापारा स्थित ग्रीन वुड रिसॉर्ट के पास महिला का शव मिलने के मामले में हत्या के आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल तलवार (दाओ), एक मैजिक वाहन और उसके कपड़े बरामद किए हैं। असम पुलिस मुख्यालय ने सोमवार को इसकी आधिकारिक जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, सात नवंबर को ग्रीन वुड रिसॉर्ट के पास एक महिला का शव बरामद हुआ था। दिसपुर पुलिस स्टेशन के कर्मचारियों ने आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद शव उसके पति को सौंप दिया था। जांच में मृतका की पहचान जीना बैश्य (पति जीतू बैश्य), निवासी कोइनाधारा, उदय नगर, गुवाहाटी के रूप में हुई। पता चला कि वह एक नवंबर से लापता थीं। इसके बाद महिला के पति जीतू बैश्य ने वशिष्ठ पुलिस स्टेशन में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने उनकी पत्नी की हत्या कर शव को ठिकाने लगा दिया। इस संबंध में वशिष्ठ पुलिस स्टेशन में बीएनएस की धारा 103(1)/238 के तहत मामला संख्या 427/2026 दर्ज किया गया। जांच के शुरुआती चरण में आरोपी की पहचान को लेकर कोई ठोस सुराग नहीं मिला था। पुलिस ने घटनास्थल और आसपास के इलाकों की बारीकी से तलाशी लेकर साक्ष्य जुटाए। जांच के आधार पर प्रदीप ताये (45) को गिरफ्तार किया गया। वह कोइनाधारा, उदय नगर स्थित मकान नंबर 13 का निवासी है। उसका स्थायी पता धेमाजी जिले के सिलापाथर थाना क्षेत्र के हलाधिबारी में है। पुलिस के अनुसार, पूछताछ के दौरान प्रदीप ने अपराध में अपनी संलिप्तता स्वीकार की।

## दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए भारतीय महिला टेस्ट और वनडे क्रिकेट टीम में जिंतमानि कलिता शामिल




**गुवाहाटी।** असम की जिंतिमानि कलिता को दक्षिण अफ्रीका के आगामी दौरे के लिए भारतीय महिला टेस्ट और वनडे टीम में चुना गया है। दाएं हाथ की मीडियम-फास्ट गेंदबाज और बाएं हाथ की बल्लेबाज जिंतिमानि लगातार अपनी छाप छोड़ रही हैं। उनका यह चयन उनके क्रिकेट सफर में एक और अहम पड़ाव है। भारतीय महिला टीम दिसंबर में दक्षिण अफ्रीका का दौरा करेगी, जिसमें एक टेस्ट, तीन वनडे और तीन टी20 मैच खेले जाएंगे। असम क्रिकेट एसोसिएशन इस उपलब्धि के लिए जिंतिमानि को बधाई देता है और उनके आगामी अंतरराष्ट्रीय दौरे के लिए उन्हें शुभकामनाएं देता है।

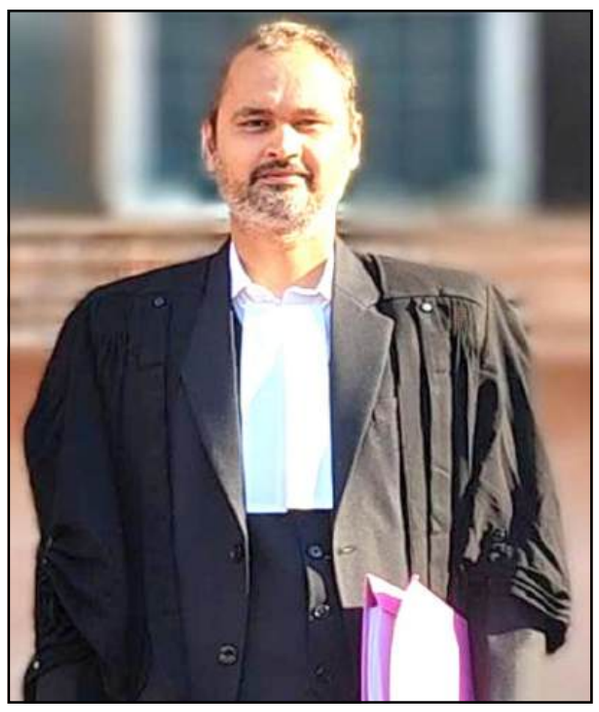
## पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के आरपीएफ ने आठ बच्चों को किया रेस्क्यू, दो महिलाओं को प्रसव में दी मदद

**गुवाहाटी (हिंस)।** पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) के रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने नवंबर के पहले सप्ताह में अलग-अलग रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों में अभियान चलाकर आठ बच्चों को रेस्क्यू किया। इनमें छह लड़के और दो लड़कियां शामिल हैं। वहीं, अगरतला और लामडिंग में ट्रेनों में सफर के दौरान प्रसव पीड़ा से गुजर रही दो महिलाओं को आरपीएफ कर्मियों ने चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने में मदद की। दोनों महिलाओं ने नवजात शिशुओं को जन्म दिया। पूसीरे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी (सीपीआरओ) कपिंजल किशोर शर्मा ने सोमवार को बताया कि आरपीएफ ने चार से छह नवंबर के बीच रंगिया, न्यू बंगाईगांव, कटिहार, न्यू जलपाईगुड़ी और गुवाहाटी रेलवे स्टेशनों पर बच्चों को रेस्क्यू करने की कार्रवाई की। उन्होंने बताया कि चार नवंबर को रंगिया में आरपीएफ और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के जवानों ने ट्रेन संख्या 15628




डाउन से एक लड़की को रेस्क्यू किया। बाद में उसे राजकीय रेल पुलिस (जीआरपी) को सौंप दिया गया। इसी दिन न्यू बंगाईगांव में एक अन्य लड़की को रेस्क्यू कर सखी वन स्टॉप सेंटर की देखरेख में सौंपा गया। इसके अलावा कटिहार, न्यू जलपाईगुड़ी और गुवाहाटी से एक-एक लड़के को रेस्क्यू किया गया। सीपीआरओ ने बताया कि छह नवंबर को आरपीएफ की टीम ने रंगिया से दो और लड़कों तथा न्यू जलपाईगुड़ी से एक लड़के को रेस्क्यू किया। इस प्रकार कुल छह लड़कों और दो लड़कियों को सुरक्षित बचाया गया। सभी बच्चों को आगे की देखभाल और संरक्षण के लिए संबंधित बाल संरक्षण एजेंसियों को सौंप दिया गया। सीपीआरओ ने बताया कि चार नवंबर को अगरतला में आरपीएफ कर्मियों ने ट्रेन संख्या 14620 अप में सफर कर रही एक महिला यात्री की मदद की। महिला ने ट्रेन में ही नवजात शिशु को जन्म दिया। इसके बाद उसे एम्बुलेंस की सहायता से आगे के इलाज के लिए अगरतला के अस्पताल पहुंचाया गया। इसी तरह पांच नवंबर को लामडिंग रेलवे स्टेशन पर ट्रेन संख्या 13174 डाउन में एक महिला यात्री को प्रसव पीड़ा हुई। सूचना मिलने पर महिला हेड कांस्टेबल सहित आरपीएफ की टीम ने तत्काल सहायता उपलब्ध कराई। महिला ने ट्रेन में एक बच्ची को जन्म दिया। बच्चों को रेस्क्यू करने और यात्रियों की सहायता के अलावा आरपीएफ ने अलग-अलग सुरक्षा अभियानों में चार मामलों में चार लोगों को पकड़ा। इन अभियानों के दौरान बदरपुर से चार पिस्तौल और चार मैगजीन बरामद की गईं। हारमती से करीब 20 हजार रुपए मूल्य के नकली सोने के चार टुकड़े जब्त किए गए। वहीं, न्यू जलपाईगुड़ी से करीब दो करोड़ रुपए मूल्य की 1.031 किलोग्राम ब्राउन शुगर और कामाख्या से करीब 17 हजार रुपए मूल्य का चोरी हुआ एक मोबाइल फोन बरामद किया गया। इसके अलावा करीब 6.80 लाख रुपए मूल्य का 13.06 किलोग्राम गांजा और शराब की 449 बोतलें भी जब्त की गईं। कटिहार में अलग से 6.750 लीटर शराब बरामद की गई। पूसीरे के अनुसार, रेलवे सुरक्षा बल यात्रियों की सुरक्षा, बच्चों के संरक्षण और जरूरतमंद यात्रियों को समय पर सहायता उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके लिए आरपीएफ पुलिस, स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं और बाल संरक्षण एजेंसियों के साथ समन्वय बनाकर काम कर रही है।

# यूजीसी इक्विटी रेगुलेशन : न्यायशास्त्र के मूल सिद्धांतों के क्षरण की तार्किक परिणति



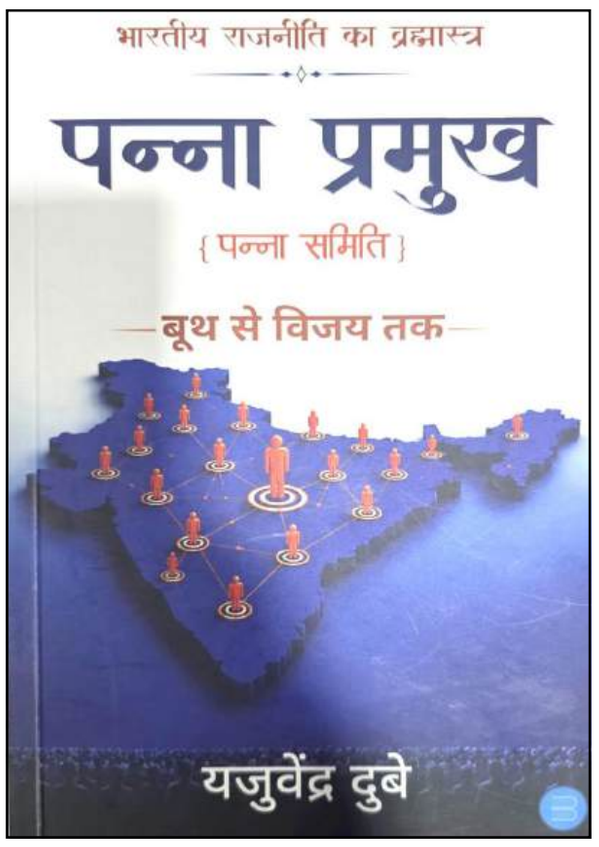
बाबली फिल्म का वह प्रसिद्ध दृश्य बरबस याद आता है जब देवसेना बेड़ियों में जकड़ी राजदरबार में लाई जाती है। वह अपने साथ हो रहे अपराधियों जैसे व्यवहार पर सवाल उठाती है। राजमाता शिवगामी का उत्तर होता है, *तुम निर्दोष साबित होने तक अपराधी हो, यही माहिष्मती का दंड विधान है*। देवसेना का पलटवार सिर्फ एक संवाद नहीं, बल्कि एक लोकतांत्रिक समाज की चेतावनी है: *आदिवासी भी जिन्हें घिनौना समझते हैं, उन तौर-तरीकों को आप दंड विधान कहते हैं? तो ऐसे दंड विधान को आग लगा दीजिए! अपने न्यायशास्त्र को गंगा में बहा दीजिए! दोष सिद्ध होने तक निर्दोष* और *सबूत का भार आरोप लगाने वाले पर* ये महज कानूनी शब्द नहीं हैं; ये एक सभ्य, आधुनिक समाज को आदिम युग की बर्बरता से अलग करने वाले स्तंभ हैं। मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा से लेकर भारतीय संविधान तक, हर जगह यह सिद्धांत मजबूती से स्थापित है। एक सभ्य न्याय प्रणाली इसी विश्वास पर टिकी है कि चाहे सौ दोषी छूट जाएं, लेकिन एक निर्दोष को सजा नहीं होनी चाहिए। किंतु, वर्तमान भारतीय परिदृश्य में विगत कुछ वर्षों से न्याय के इस शास्त्रीय सिद्धांत के साथ निरंतर समझौता होता दिख रहा है। *निर्दोषता की धारणा* का स्थान अब *दोष की अवधारणा* ले रही है। विगत कुछ दशकों से, विधिक संशोधनों और कानूनों में अभियुक्त पर ही स्वयं को दोषमुक्त साबित करने का दायित्व डाला जा रहा है, जो कि शास्त्रीय न्याय सिद्धांत के ठीक विपरीत है। बलात्कार से जुड़े मुकदमों में *असहमति की धारणा* को स्थापित किया गया। इसी तरह, दहेज हत्या के मामलों में *हत्या की धारणा* को जोड़ दिया गया। धन शोधन, एनडीपीएस और यूएपीए जैसे कड़े कानूनों में सबूत का भार पूरी तरह अभियुक्त पर डाल दिया गया है। यौन उत्पीड़न रोकने के लिए बने अधिनियम (2012) के तहत, कार्यस्थलों और शैक्षणिक संस्थानों में प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों जैसे *दूसरे पक्ष को भी सुनो* की खुलेआम अनदेखी हो रही है। शिकायतकर्ता की पहचान गोपनीय रखने के नाम पर कई बार अभियुक्त को शिकायत की मूल प्रति तक नहीं दी जाती। जब अभियुक्त को आरोपों की प्रति ही नहीं मिलेगी और उसे जिरह का मौका नहीं दिया जाएगा, तो वह अपना बचाव कैसे करेगा? औपचारिक कानूनी व्यवस्था को दरकिनार कर संस्थानों के भीतर खाप पंचायतों की तर्ज पर *कंगारू कोर्ट* पनप रहे हैं। यह संस्थानों के *सामंतीकरण* का दौर है, जहां नियोक्ता अब कर्मचारी के पेशेवर जीवन के साथ-साथ उसके निजी जीवन को भी नियंत्रित करने की शक्ति हासिल कर रहा है। *जमानत नियम है और जेल अपवाद*-सुप्रीम कोर्ट का यह ऐतिहासिक सिद्धांत अब कमजोर पड़ता दिख रहा है। नए और कड़े कानूनों में जमानत के लिए *जुड़वां शर्तें* जैसी इतनी कठिन बाधाएं लगा दी गई हैं कि यह अपवाद बनता जा रहा है। इस नई व्यवस्था ने लोगों के मन में भय का माहौल पैदा कर दिया है। इसका सबसे ज्वलंत उदाहरण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) का प्रस्तावित *इक्विटी रेगुलेशन 2026* था। इस मसौदे में *इक्विटी स्क्वाड* के माध्यम से शैक्षणिक परिसरों में एक तरह के निगरानी राज्य की स्थापना का प्रयास किया गया था। यह एक खतरनाक कदम था, जिसने अकादमिक स्वतंत्रता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए। भारी विरोध के बाद माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने इस पर रोक लगा दी और इसके *विभाजक परिणामों* को लेकर कड़ी टिप्पणी की। यूजीसी इक्विटी रेगुलेशन का विरोध केवल एक नीतिगत विरोध नहीं है, बल्कि यह न्यायशास्त्र के मूलभूत सिद्धांतों के साथ हो रहे क्रमिक समझौते के खिलाफ उठी आवाज है। यह हमारे सभ्य समाज के लिए एक स्पष्ट चेतावनी है: जब भी भावनाओं या अति-सुरक्षा के नाम पर न्यायशास्त्र के बुनियादी सिद्धांतों से समझौता किया जाएगा, समाज में ऐसे ही गहरे अंतर्विरोध और असंतोष उत्पन्न होंगे। किसी भी समाज का न्यायशास्त्र ही उसकी सभ्यता के विकास का असली पैमाना होता है। आज समय की मांग है कि हम आधुनिक सभ्य समाज के न्यायशास्त्र के सार्वभौमिक नियमों के साथ मजबूती से खड़े रहें, अन्यथा हम एक ऐसे *माहिष्मती* में बदल जाएंगे जिसका दंड विधान गंगा में बहाने लायक होगा।

# भाई दूज : डिजिटल युग में संवेदना को बचाए रखने की जरूरत

भाई दूज केवल तिलक और मिठाई का त्योहार नहीं, बल्कि भाई-बहन के रिश्ते में प्रेम, विश्वास और आत्मीयता की वह डोर है, जो समय की तेज रफ्तार के बीच भी स्नेह का रंग बनाए रखती है। बदलते दौर में जब मुलाकातें वीडियो कॉल तक सिमटती जा रही हैं और तिलक डिजिटल इमोजी का रूप ले रहा है, तब यह सवाल स्वाभाविक है कि क्या रिश्तों की गर्माहट अब भी पहले जैसी बनी हुई है? भाई दूज हमें याद दिलाती है कि प्रेम केवल परंपरा नहीं, बल्कि आत्मीयता और संवेदनाओं को जीवित रखने का निरंतर अभ्यास है। यह पर्व हमें अपने व्यस्त जीवन में अपनों के लिए समय निकालने और रिश्तों में अपनापन लौटाने का अवसर देता है। दीपावली के बाद जब उत्सव का उल्लास धीरे-धीरे शांत होने लगता है, तब भाई दूज की सुबह घरों में प्रेम और मिठास का संदेश लेकर आती है। बहनें अपने भाइयों के माथे पर तिलक लगाती हैं, आरती उतारती हैं और उनके सुखी एवं स्वस्थ जीवन की कामना करती हैं। भाई भी बहन को उपहार देकर जीवनभर उसके साथ खड़े रहने का विश्वास दिलाता है। यह परंपरा देखने में जितनी सरल है, भावनात्मक रूप से उतनी ही गहरी है। तिलक केवल माथे पर लगाया जाने वाला चिह्न नहीं, बल्कि रिश्तों में विश्वास, सम्मान, सुरक्षा और प्रेम का प्रतीक है। लेकिन आज जब समय बदल रहा है और रिश्तों की परिभाषाएं भी नए रूप ले रही हैं, तब यह विचार करना जरूरी है कि क्या भाई-बहन के रिश्ते में पहले जैसी सहजता और आत्मीयता बची हुई है? क्या यह रिश्ता अब भी उतना ही भावनात्मक और विश्वासपूर्ण है, जैसा कभी गांव की मिट्टी, घर के आंगन और बचपन की स्मृतियों में हुआ करता था? एक समय था जब भाई दूज केवल त्योहार नहीं, बल्कि परिवार के मिलन और खुशियों का अवसर हुआ करती थी। बहनें सुबह से तैयार होकर भाइयों की प्रतीक्षा करती थीं। घरों में पकवानों की खुशबू फैल जाती थी। भाई दूर-दराज से बहन के घर पहुंचते थे, क्योंकि इस दिन का विशेष महत्व मिलने-जुलने और साथ समय बिताने में था। न दिखावे की चिंता होती थी और न ही उपहारों की प्रतिस्पर्धा। रिश्तों में सच्चा प्रेम, विश्वास और भावनाओं का सहज प्रवाह होता था। आज भी भाई दूज पूरे उत्साह से मनाई जाती है, लेकिन कहीं-कहीं इसकी आत्मीयता औपचारिकताओं के बीच धुंधली पड़ती दिखाई देती है। तिलक की जगह कई बार व्हाट्स ऐप पर भेजे गए इमोजी और शुभकामना संदेश ले लेते हैं। सोशल मीडिया पर भाई दूज की बधाइयां तो खूब दिखाई देती हैं, लेकिन उनके पीछे वह आत्मीयता और भावनात्मक जुड़ाव हमेशा दिखाई नहीं देता, जो बहन की आंखों में भाई को सामने देखकर झलकता था। यह बदलाव केवल तकनीक का नहीं, बल्कि हमारी जीवनशैली और संवेदनाओं का भी है। तकनीक ने हमें भौगोलिक दूरियों के बावजूद जोड़ने का अवसर दिया है, लेकिन कई बार हम रिश्तों को दिल से निभाने के बजाय मोबाइल और डिजिटल माध्यमों तक सीमित कर देते हैं। भाई दूज जैसे पर्व, जो निकटता, स्नेह और संवाद के प्रतीक हैं, कहीं-कहीं सोशल मीडिया के स्टेटस और औपचारिक संदेशों तक सिमटते जा रहे हैं। आधुनिक जीवन की भागदौड़, व्यावसायिक दबाव और बढ़ती आत्मकेंद्रित प्रवृत्ति ने हमारे पारिवारिक संबंधों को भी प्रभावित किया है। भाई दूज का पर्व केवल बहन की पूजा या भाई द्वारा सुरक्षा का वचन देने तक सीमित नहीं है। यह भाई-बहन के बीच भावनात्मक संतुलन, सहयोग और पारस्परिक सम्मान का प्रतीक भी है। बदलते समय में इस रिश्ते को केवल संरक्षण और निर्भरता के पुराने दायरे में देखना उचित नहीं होगा। आज बहनें शिक्षा, रोजगार और सामाजिक जीवन के हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही हैं। वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हैं और अपने जीवन के निर्णय स्वयं लेने में सक्षम हैं। यह बदलाव सकारात्मक है। अब बहन को केवल सुरक्षा की आवश्यकता रखने वाली व्यक्ति के रूप में नहीं, बल्कि समान अधिकारों और आत्मसम्मान वाली स्वतंत्र व्यक्तित्व के रूप में स्वीकार करना चाहिए। हालांकि आत्मनिर्भरता और समानता के इस दौर में भी भाई-बहन के रिश्ते की गर्माहट बनाए रखना उतना ही जरूरी है। रिश्तों का महत्व किसी की निर्भरता में नहीं, बल्कि एक-दूसरे के प्रति सम्मान, विश्वास और भावनात्मक सहयोग में होता है। शहरीकरण, रोजगार की तलाश में पलायन और व्यस्त जीवनशैली ने परिवारों के बीच भौतिक दूरियां बढ़ा दी हैं। पहले भाई अपनी बहन के घर जाकर पूरा दिन उसके परिवार के साथ बिताता था। आज कई बार मुलाकात कुछ मिनटों तक सीमित रह जाती है या फिर वीडियो कॉल से ही त्योहार की औपचारिकता पूरी कर ली जाती है। निश्चित रूप से तकनीक दूर रहने वाले भाई-बहनों के लिए एक उपयोगी माध्यम है, लेकिन जब संभव हो, तब व्यक्तिगत मुलाकात और साथ बिताया गया समय रिश्तों को विशेष मजबूती प्रदान करता है। त्योहारों का वास्तविक उद्देश्य ही रिश्तों को फिर से जीवंत करना और दूरियों को कम करना है। भाई दूज हमें हर वर्ष यह याद दिलाती है कि रिश्ते केवल खून के संबंध से नहीं, बल्कि व्यवहार, विश्वास और निरंतर संवेदनशीलता से मजबूत होते हैं। आधुनिक जीवन की व्यस्तता ने हमें भावनाओं को भी समय-सारिणी में बांधने के लिए विवश कर दिया है। कभी-कभी ऐसा लगता है कि रिश्ते भी कैलेंडर में दर्ज कुछ विशेष अवसरों के मेहमान बनकर रह गए हैं। आज की बहनें अपने भाइयों से केवल उपहार या आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि भावनात्मक साझेदारी की अपेक्षा रखती हैं। वे चाहती हैं कि भाई उनकी भावनाओं को समझे, उनके विचारों का सम्मान करें और जीवन के महत्वपूर्ण निर्णयों में उनका साथ दे। इसी प्रकार भाइयों को भी बहनों से स्नेह, सहयोग और संवेदनशीलता की अपेक्षा होती है। यही रिश्ते का आधुनिक स्वरूप है, जिसमें समानता, स्वतंत्रता और आत्मीयता का सुंदर संतुलन दिखाई देता है। भाई दूज को अब केवल बहन की सुरक्षा के प्रतीक के रूप में नहीं, बल्कि आपसी सम्मान, समान अधिकार और संवाद के पर्व के रूप में भी समझने की आवश्यकता है। भाई-बहन का रिश्ता बचपन तक सीमित नहीं होता, बल्कि जीवनभर साथ चलने वाला भावनात्मक संबंध है। जीवन के रास्ते भले ही अलग-अलग हों, लेकिन दिलों के रास्ते जुड़े रहने चाहिए। आज का समाज कई बार रिश्तों को भी उपयोगिता, व्यावसायिकता और व्यक्तिगत लाभ की कसौटी पर परखने लगा है। ऐसे समय में भाई दूज हमें यह संदेश देती है कि प्रेम का कोई विकल्प नहीं हो सकता। तकनीक संवाद के साधन उपलब्ध करा सकती है, लेकिन आत्मीयता के लिए संवेदनशील व्यवहार, समय, विश्वास और अपनापन आवश्यक हैं। इसका अर्थ यह नहीं है कि हमें आधुनिक तकनीक या बदलती जीवनशैली का विरोध करना चाहिए। समय के साथ त्योहारों के स्वरूप में बदलाव स्वाभाविक है। आवश्यकता केवल इतनी है कि इस बदलाव के बीच भावनाओं का मूल आधार सुरक्षित रहे। भाई दूज को नया अर्थ देते हुए भाई और बहन दोनों को एक-दूसरे की स्वतंत्रता, संघर्षों, आकांक्षाओं और निर्णयों का सम्मान करना चाहिए। आज की बहनें अपने भाइयों से केवल सुरक्षा नहीं, बल्कि समानता और सम्मान चाहती हैं। वहीं भाइयों को भी यह समझना चाहिए कि बहन की स्वतंत्रता उसकी शक्ति है, कोई विद्रोह नहीं। यह पारस्परिक समझ रिश्ते को अधिक परिपक्व और मजबूत बना सकती है। भाई दूज एक ऐसे समाज की कल्पना को भी साकार करने का अवसर है, जहाँ स्त्री और पुरुष के बीच संबंध संरक्षण और निर्भरता के बजाय सहयोग, सम्मान और संवेदना पर आधारित हों। त्योहारों की भी अपनी एक विशेष भाषा होती है। वे हमें उन भावनाओं और स्मृतियों से जोड़ते हैं, जिन्हें हम रोजमर्रा की भागदौड़ में भूल जाते हैं। भाई दूज की भाषा प्रेम, स्मृति, विश्वास और कृतज्ञता की भाषा है। यह पर्व हमें बचपन के उन दिनों की याद दिलाता है, जब बिना किसी स्वार्थ के हम एक-दूसरे की परवाह करते थे और रिश्तों में लेन-देन की भावना नहीं होती थी। इस अवसर पर हमें स्वयं से एक प्रश्न अवश्य पूछना चाहिए कि क्या हम आज भी अपने भाई-बहनों के प्रति उतने ही आत्मीय हैं, जितने बचपन में हुआ करते थे? यदि उत्तर हां है, तो समझिए कि त्योहार की आत्मा आज भी जीवित है। लेकिन यदि इस आत्मीयता में कमी आई है, तो इसे फिर से जीवंत करने की जिम्मेदारी भी हमारी ही है। इसके लिए किसी बड़े आयोजन या महंगे उपहार की आवश्यकता नहीं है। बहन के घर जाकर उसका हाल पूछना, भाई को गले लगाना, बचपन की यादें साझा करना और कठिन समय में एक-दूसरे के साथ खड़े रहना ही पर्याप्त है। भाई दूज का वास्तविक अर्थ यही है कि समय की धूल रिश्तों पर जम सकती है, लेकिन प्रेम और अपनापन कभी फीका नहीं पड़ना चाहिए। यह पर्व हमें सिखाता है कि रिश्तों को मजबूत बनाए रखने के लिए निरंतर संवाद और संवेदनशीलता आवश्यक है। प्रेम का रिश्ता कभी पुराना नहीं होता, बस उसे समय-समय पर स्नेह और विश्वास से संवारने की जरूरत होती है। आज जब दुनिया तेजी से डिजिटल रिश्तों की ओर बढ़ रही है, तब ऐसे त्योहार हमें मानवीय संवेदनाओं और पारिवारिक मूल्यों से जोड़े रखते हैं। वे बताते हैं कि जीवन की सबसे बड़ी पूंजी धन, संपत्ति या भौतिक सुविधाएं नहीं, बल्कि अपने लोग और उनके साथ जुड़ी भावनाएं हैं। इसलिए भाई दूज का तिलक केवल माथे पर नहीं, बल्कि मन पर भी लगना चाहिए, जहां अपनापन, स्मृति और कृतज्ञता की भावनाएं हमेशा बनी रहें। भाई दूज का संदेश बहुत सरल और गहरा है। रिश्तों को निभाने के लिए बड़ी-बड़ी रस्मों की नहीं, बल्कि छोटी-छोटी संवेदनाओं की आवश्यकता होती है। कभी एक आत्मीय फोन कॉल, कभी एक पत्र, कभी बिना किसी विशेष कारण के किया गया धन्यवाद और कभी कठिन समय में दिया गया साथ-यही वे छोटे-छोटे प्रयास हैं, जो भाई-बहन के रिश्ते को जीवनभर मजबूत बनाए रखते हैं। समय बदलेगा, त्योहारों के स्वरूप बदलेंगे और जीवनशैली भी नई दिशा लेगी, लेकिन यदि हमारे मन में प्रेम, विश्वास और अपनापन बना रहा, तो रिश्तों की डोर कभी कमजोर नहीं होगी। भाई दूज हमें यही याद दिलाने आती है कि जीवन चाहे जितना व्यस्त क्यों न हो जाए, अपने प्रियजनों के लिए कुछ समय निकालना, उनके साथ खुशियाँ बाँटना और उनकी आंखों में अपनेपन की चमक देखना ही सच्चे त्योहार का आनंद है। इसलिए इस भाई दूज पर तिलक के साथ एक संकल्प भी लें कि रिश्तों की डोर कभी ढीली नहीं पड़ने देंगे। भाई दूज की रोशनी केवल घरों में नहीं, बल्कि दिलों में भी जलनी चाहिए। प्रेम और अपनापन केवल तस्वीरों और शुभकामना संदेशों में नहीं, बल्कि हमारे व्यवहार में दिखाई देना चाहिए। तभी इस पर्व का वास्तविक सार सुरक्षित रहेगा और हम पूरे विश्वास के साथ कह सकेंगे कि बदलते समय में भी भाई दूज का प्रेम और अपनापन जीवित है।

# पन्ना प्रमुख : संगठन की जमीनी ताकत

भारतीय राजनीति का ब्रह्मास्त्र आखिर क्या है? कोई नारा, कोई रैली या कोई बड़ा चेहरा? यजुवेंद्र दुबे की पुस्तक *पन्ना प्रमुख : बूथ से विजय तक* का उत्तर है, मतदाता सूची के एक पन्ने की जिम्मेदारी उठाने वाला कार्यकर्ता व पन्ना प्रमुख। वह अपने पन्ने के हर मतदाता और हर परिवार को नाम से जानता है, उनके घर जाता है, उनकी समस्याएं सुनता है। इसीलिए मतदान से बहुत पहले उसे पता होता है कि कौन साथ है, कौन नाराज है और कौन अभी दुविधा में है। ऐसे हजारों पन्ना प्रमुखों की जानकारी जब ऊपर तक पहुंचती है, तो पार्टी को चुनावी माहौल की जमीनी तस्वीर कई बार एग्जिट पोल से पहले ही मिल जाती है। यही इस व्यवस्था की असली ताकत है। पुस्तक पांच अध्यायों और उपसंहार में विभाजित है। पहले अध्याय में बूथ की शक्ति, बूथ अध्यक्ष, आदर्श पन्ना प्रमुख का आचरण, प्रथम संपर्क, सेवा तथा युवा, महिला और वरिष्ठ मतदाताओं से संवाद पर चर्चा है। *सुनना भी एक कला है* जैसे शीर्षक बताते हैं कि लेखक संपर्क को केवल वोट मांगने की कवायद नहीं, बल्कि विश्वास निर्माण की प्रक्रिया मानते हैं। दूसरा अध्याय गुजरात के प्रयोग, नवसारी के महाप्रयोग और फिर महाराष्ट्र, बंगाल व वाराणसी तक इसके विस्तार का इतिहास बताता है। तीसरे अध्याय में पन्ना समिति की संरचना, सही सदस्यों के चयन, बिहार के बदलते गणित और एंटी-इन्कंबेंसी के बीच पन्ना प्रमुख की भूमिका पर बात होती है। चौथे अध्याय में महिला, जेन जी, दिव्यांग, वरिष्ठ नागरिक और सरकारी योजनाओं के लाभार्थी मतदाताओं तक पहुंच तथा मतदान के बाद भी संगठन की परीक्षा जैसे प्रश्न उठाए गए हैं। पांचवां अध्याय डिजिटल दौर में फेक न्यूज, व्हाट्सएप समूहों और डेटा प्रबंधन की चुनौतियों को समेटता है। उपसंहार में सरल ऐप, नमो ऐप और मिस्ड कॉल सदस्यता जैसे साधनों का उल्लेख है। यजुवेंद्र दुबे हिंदी पत्रकारिता, लेखन और सामाजिक-राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लेखक एवं संपादक हैं। भारत की एकमात्र बहुभाषी न्यूज एजेंसी हिन्दुस्थान समाचार से भी जुड़े हैं। नागरिक इंटर कॉलेज, जंघई जौनपुर से शिक्षा प्राप्त कर वे इलाहाबाद विश्वविद्यालय पहुंचे, जहां छात्र राजनीति से उनके सार्वजनिक जीवन की शुरुआत हुई। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़ाव और छात्रसंघ चुनाव का अनुभव उनके साथ रहा। उत्तर प्रदेश के प्रमुख समाचार पत्रों में पत्रकारिता के बाद उन्होंने सूरत में हिंदी दैनिक *सूरत दर्पण* की स्थापना की, जिसके वे संपादक हैं। वर्ष 2004 से भाजपा संगठन में सक्रिय रहते हुए उन्होंने बूथ, पन्ना और कार्यकर्ता-आधारित व्यवस्था को निकट से देखा। पूर्व पार्षद के रूप में जनप्रतिनिधित्व का अनुभव भी उनके पास है और वाराणसी में पन्ना प्रमुख व पेज समिति के कार्य का अनुभव उनके संगठनात्मक जीवन का हिस्सा है। *लेखक की बात* में वे बताते हैं कि नवगठित वार्ड से पार्षद पद का प्रत्याशी बनने पर घर-घर संपर्क और कार्यकर्ताओं के नेटवर्क के बल पर उन्हें विजय मिली, और वहीं से यह विश्वास पुख्ता हुआ कि चुनाव केवल लोकप्रियता से नहीं, संगठित संपर्क से जीते जाते हैं। इस कृति की सबसे बड़ी खूबी इसकी व्यावहारिकता है। दो दशकों के संगठनात्मक अनुभव पर आधारित होने के कारण विवरणों में जमीनी प्रामाणिकता झलकती है। भाषा सरल है और प्रस्तुति कार्यकर्ता-केंद्रित। *बिहार में पन्ने का बदलता गणित* या *जब कोई कार्यकर्ता निष्क्रिय हो जाए* जैसे विषय बताते हैं कि पुस्तक केवल आदर्श नहीं, रोजमर्रा की व्यावहारिक चुनौतियों से भी रूबरू होती है। राजनीति विज्ञान और लोक प्रशासन के विद्यार्थियों, शोधकर्ताओं तथा कार्यकर्ताओं के लिए यह सूक्ष्म स्तर के चुनाव प्रबंधन को समझने का उपयोगी स्रोत बन सकती है। लेखक ने भूमिका में स्पष्ट किया है कि उद्देश्य किसी व्यवस्था का महिमामंडन नहीं, बल्कि उस संगठनात्मक कार्यसंस्कृति को समझना है। फिर भी पुस्तक मुख्यत: संगठन के भीतर से लिखी गई है। तुलनात्मक विश्लेषण, आंकड़ों और आलोचनात्मक दृष्टि का और विस्तार इसे अकादमिक रूप से अधिक सशक्त बनाता। कुल मिलाकर *पन्ना प्रमुख* संगठन की शक्ति और संवाद की संस्कृति को समझने का सरल और पठनीय प्रयास है। यह याद दिलाती है कि बड़ी विजय की नींव अक्सर छोटी-सी जिम्मेदारी निभाने वाले कार्यकर्ता के परिश्रम पर टिकी होती है। समर्पण पृष्ठ में लेखक ने भी यही भाव व्यक्त किया है कि हर विजय की नींव उन अनगिनत कार्यकर्ताओं के परिश्रम पर टिकी होती है, जिनका नाम कहीं दर्ज नहीं होता।




# उत्तर प्रदेश 2027: सत्ता की परीक्षा, समीकरणों की अग्निपरीक्षा

सबसे पहले भाजपा की स्थिति को देखें तो उसके सामने सबसे बड़ी ताकत योगी आदित्यनाथ का नेतृत्व और सरकार की उपलब्धियों का दावा है। कानून-व्यवस्था, बुनियादी ढांचे, एक्सप्रेस-वे, धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों के विकास तथा केंद्र-राज्य की योजनाओं को भाजपा चुनावी मुद्दा बनाने की तैयारी में है। योगी का दावा है कि 2027 का मुकाबला *80 बनाम 20* के रूप में होगा और भाजपा गठबंधन 300 से अधिक सीटें जीतेगा। लेकिन चुनावी राजनीति में दावे और वास्तविक जनभावना के बीच अंतर होता है। इसलिए भाजपा के लिए चुनौती केवल अपनी उपलब्धियां गिनाना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है कि सत्ता-विरोधी भावना उसके पारंपरिक सामाजिक आधार में सेंध न लगाए। भाजपा की रणनीति में इस बार मुस्लिम समाज के भीतर पहुंच बनाने का प्रयास भी स्पष्ट दिखाई देता है। अगस्त 2026 में पार्टी की राष्ट्रीय टीम में उत्तर प्रदेश के दो मुस्लिम नेताओं-पूर्व अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. तारिक मंसूर को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और कुंवर बासित अली को राष्ट्रीय अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई। राजनीतिक विश्लेषकों ने इसे 2027 से पहले भाजपा की पसमांदा तथा मुस्लिम समाज के कुछ वर्गों तक पहुंच बढ़ाने की रणनीति से जोड़ा है। यह कदम इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि 2011 की जनगणना के अनुसार उत्तर प्रदेश में मुस्लिम आबादी 19.26 प्रतिशत थी। पश्चिमी उत्तर प्रदेश और कुछ अन्य क्षेत्रों में उनका चुनावी प्रभाव कई सीटों पर निर्णायक हो सकता है। लेकिन भाजपा के लिए चुनौती यह है कि मुस्लिम मतों में सेंध लगाना जितना कठिन है, उससे कहीं अधिक कठिन अपने हिंदू सामाजिक आधार को एकजुट बनाए रखना हो सकता है। यहीं चुनाव का दूसरा और शायद अधिक महत्वपूर्ण पक्ष सामने आता है। मुस्लिम मतों के ध्रुवीकरण की चर्चा के साथ हिंदू मतदाताओं के भीतर बदलती प्राथमिकताओं को भी समझना होगा। मतदाता केवल जाति और धर्म के आधार पर मतदान नहीं करता। रोजगार, महंगाई, किसान, शिक्षा, युवाओं के अवसर, स्थानीय विधायक की छवि, प्रशासनिक व्यवहार और विकास की वास्तविक पहुंच भी चुनावी निर्णय को प्रभावित करते हैं। इसलिए 2027 का चुनाव केवल *80 बनाम 20* के राजनीतिक आख्यान से समझना शायद पर्याप्त नहीं होगा। समाजवादी पार्टी के लिए सबसे बड़ा अवसर यही है। अखिलेश यादव 2024 के लोकसभा चुनाव में बने सामाजिक समीकरणों को विधानसभा स्तर तक मजबूत करना चाहेंगे। पीडीए-पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक का फार्मूला भाजपा के गैर-यादव पिछड़े और दलित मतदाताओं में सेंध लगाने की कोशिश करेगा। सपा के सामने चुनौती यह है कि वह अपने सामाजिक समीकरण को केवल चुनावी नारा न रहने दे, बल्कि बूथ स्तर पर संगठन और उम्मीदवार चयन के माध्यम से उसे वास्तविक राजनीतिक शक्ति में बदल सके। बसपा की भूमिका को भी नजरअंदाज करना भाजपा और सपा दोनों के लिए जोखिम भरा होगा। यदि मायावती दलित मतदाताओं के अपने पुराने आधार को पर्याप्त रूप से सक्रिय कर पाती हैं, तो कई सीटों पर त्रिकोणीय मुकाबला परिणाम बदल सकता है। कांग्रेस की स्थिति अपेक्षाकृत कमजोर दिखाई देती है, लेकिन यदि वह सपा के साथ तालमेल बनाकर लड़ती है तो विपक्षी मतों के बिखराव को कुछ हद तक रोक सकती है। लेकिन यहां पूर्व के अनुभवों के आधार पर सपा कांग्रेस से तालमेल करने से पहले फूंक-फूंक कर कदम उठा रही है। भाजपा के सामने दूसरी चुनौती अपने गठबंधन और सामाजिक समीकरणों को संतुलित रखने की है। निषाद पार्टी, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) तथा अन्य सहयोगी दलों की अपेक्षाएं, टिकट वितरण और क्षेत्रीय नेतृत्व की महत्वाकांक्षाएं चुनाव के समय महत्वपूर्ण हो सकती हैं। भाजपा का मजबूत संगठन इन मतभेदों को नियंत्रित कर सकता है, लेकिन टिकट वितरण में छोटी-सी चूक भी कुछ क्षेत्रों में बड़े राजनीतिक नुकसान का कारण बन सकती है। अमित शाह की सक्रियता भी इस चुनाव की गंभीरता को रेखांकित करती है। उत्तर प्रदेश में भाजपा की रणनीति केवल लखनऊ से नहीं, बल्कि दिल्ली के केंद्रीय नेतृत्व की निगरानी में तैयार होने की संभावना है। दूसरी ओर योगी आदित्यनाथ की अपनी लोकप्रियता और प्रशासनिक छवि भाजपा के लिए सबसे बड़ा स्थानीय चुनावी चेहरा है। इसलिए वास्तविक चुनौती यह होगी कि योगी का नेतृत्व और केंद्रीय संगठनात्मक रणनीति कितनी प्रभावी तरह से एक-दूसरे के साथ तालमेल बैठाते हैं। इस चुनाव का सबसे महत्वपूर्ण निष्कर्ष यही होगा कि 2027 में उत्तर प्रदेश का मतदाता क्या चुनता है-स्थिरता और निरंतरता या परिवर्तन की आकांक्षा। भाजपा के पास संगठन, सत्ता, योगी का चेहरा और व्यापक चुनावी मशीनरी है। विपक्ष के पास सत्ता-विरोधी भावना, सामाजिक न्याय का मुद्दा और भाजपा के खिलाफ विभिन्न वर्गों को एकजुट करने की संभावना है। इसलिए अभी किसी एक दल की जीत को निश्चित मानना जल्दबाजी होगी। भाजपा के लिए 300 पार का लक्ष्य आसान नहीं होगा, लेकिन उसे कमजोर समझना भी विपक्ष की भूल होगी। सपा के सामने अवसर बड़ा है, लेकिन उसे अवसर को जीत में बदलने के लिए सामाजिक समीकरण के साथ संगठनात्मक मजबूती भी दिखानी होगी। बसपा और कांग्रेस की भूमिका कई सीटों पर *गेम चेंजर* बन सकती है। योगी आदित्यनाथ के सामने 2027 का चुनाव केवल विपक्षी दलों के बनते-बिगड़ते समीकरणों, मुस्लिम मतों के ध्रुवीकरण और समाजवादी पार्टी के बढ़ते प्रभाव की चुनौती नहीं है, बल्कि भाजपा के भीतर संतुलन बनाए रखना भी उतना ही महत्वपूर्ण होगा। ऐसे समय में गृहमंत्री अमित शाह की उत्तर प्रदेश को लेकर सक्रिय रणनीति योगी के लिए सहायक शक्ति बन सकती है। शाह की चुनावी रणनीति का मूल आधार सामाजिक समीकरणों का विस्तार, बूथ स्तर की संगठनात्मक मजबूती और सहयोगी दलों के बीच बेहतर तालमेल रहा है। यदि यह रणनीति योगी की प्रशासनिक छवि और लोकप्रियता के साथ समन्वित होती है तो भाजपा विपक्ष की चुनौती को प्रभावी ढंग से रोक सकती है। लेकिन केंद्रीय नेतृत्व और प्रदेश नेतृत्व के बीच रणनीतिक प्राथमिकताओं में कोई असंतुलन दिखाई दिया तो इसका लाभ विपक्ष उठा सकता है। भाजपा के लिए सबसे बड़ी जरूरत यही है कि योगी को निर्विवाद चुनावी चेहरा रखते हुए अमित शाह की संगठनात्मक रणनीति को उनके नेतृत्व का पूरक बनाया जाए, प्रतिस्पर्धी नहीं। इसलिए 2027 में योगी की राजनीतिक मजबूती केवल सरकार की उपलब्धियों से नहीं, बल्कि अमित शाह की रणनीति और भाजपा के आंतरिक अनुशासन के बीच बनने वाले संतुलन से भी तय होगी। इसके लिये जरूरी है कि शाह एवं योगी के बीच संतुलन एववं सौहार्द का वातावरण बनना जरूरी है। 2027 का उत्तर प्रदेश चुनाव अंतत: केवल हिंदू-मुस्लिम, भाजपा-सपा या योगी-अखिलेश की लड़ाई नहीं होगा। यह मतदाता के बदलते विवेक, विकास की वास्तविक अनुभूति, सामाजिक प्रतिनिधित्व और भविष्य की उम्मीदों की परीक्षा होगा। चुनाव की करवट अभी तय नहीं है, लेकिन इतना स्पष्ट है कि इस बार उत्तर प्रदेश में मुकाबला पिछले चुनावों की तुलना में अधिक जटिल, बहुस्तरीय और दिलचस्प होने जा रहा है। यही जटिलता 2027 को भारतीय राजनीति का सबसे महत्वपूर्ण चुनाव बनाएगी।

*योगी का दावा है कि 2027 का मुकाबला 80 बनाम 20 के रूप में होगा और भाजपा गठबंधन 300 से अधिक सीटें जीतेगा। लेकिन चुनावी राजनीति में दावे और वास्तविक जनभावना के बीच अंतर होता है। इसलिए भाजपा के लिए चुनौती केवल अपनी उपलब्धियां गिनाना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है कि सत्ता-विरोधी भावना उसके पारंपरिक सामाजिक आधार में सेंध न लगाए। भाजपा की रणनीति में इस बार मुस्लिम समाज के भीतर पहुंच बनाने का प्रयास भी स्पष्ट दिखाई देता है। अगस्त 2026 में पार्टी की राष्ट्रीय टीम में उत्तर प्रदेश के दो मुस्लिम नेताओं-पूर्व अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. तारिक मंसूर को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और कुंवर बासित अली को राष्ट्रीय अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई।*

# गहलोत बोले, *लोकतंत्र बचाओ* रैली निकाल रही सरकार विपक्ष के आंदोलन का जवाब रैली से देना नई परंपरा

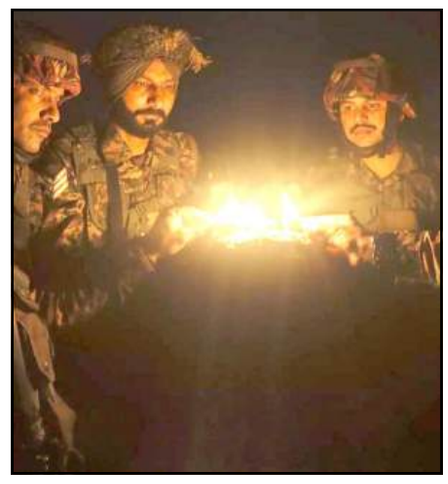
**जयपुर ( हिंस )।** पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोमवार को सिविल लाइंस स्थित अपने आवास पर मीडिया से बातचीत में केंद्र और राज्य की भाजपा सरकार पर कई मुद्दों को लेकर निशाना साधा। उन्होंने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष की ओर से राहुल गांधी को लेकर की गई टिप्पणियों पर कहा कि वे ऐसी बातों पर टिप्पणी करना उचित नहीं समझते। गहलोत ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद की अपनी गरिमा होती है, लेकिन उनके बयानों को लोग कितनी गंभीरता से लेते हैं, यह जनता तय करती है। गहलोत ने कहा कि देश के इतिहास में यह पहली बार देखने को मिल रहा है कि सत्तारूढ़ पार्टी विपक्ष के आंदोलन और धरनों के जवाब में खुद प्रदर्शन और रैलियां कर रही है। उनके अनुसार पहले विपक्ष के आंदोलन से सरकार फीडबैक लेती थी और कमियों में सुधार का प्रयास करती थी। उन्होंने दावा किया कि पिछले कुछ महीनों में कांग्रेस और विपक्षी दलों के आंदोलन में अनुशासन और भाईचारा देखने को मिला है। उन्होंने भाजपा के *लोकतंत्र बचाओ* और



*अराजकता हटाओ* जैसे नारों पर भी सवाल उठाए। गहलोत ने कहा कि विपक्ष की रैलियों को लेकर बाजार बंद होने, यातायात प्रभावित होने और व्यापारियों को परेशानी होने की बात कही जाती थी, लेकिन अब सत्तारूढ़ दल के नेता और मंत्री खुद सड़कों पर उतर रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने परिसीमन को लेकर भी गंभीर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि परिसीमन और एसआईआर देश के लिए बड़े मुद्दे हैं। गहलोत ने आरोप लगाया कि परिसीमन के जरिए राजनीतिक समीकरण प्रभावित किए जा सकते हैं। राजस्थान के पंचायत और नगरीय निकाय क्षेत्रों के परिसीमन का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि इससे कई जगह वार्डों की संरचना बदली और इसका राजनीतिक असर पड़ा। गहलोत ने वर्ष 2029 के लोकसभा चुनाव के संदर्भ में आशंका जताते हुए कहा कि यदि परिसीमन के बाद भाजपा दोबारा सत्ता में आती है तो देश में लोकतांत्रिक व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो सकते हैं। उन्होंने चीन, रूस और उत्तर कोरिया का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां चुनाव होने के बावजूद विपक्ष की भूमिका सीमित है। गहलोत ने भाजपा के चुनावी प्रदर्शन पर कहा कि वर्ष 2014 में भाजपा को कुल पड़े मतों का करीब 31 प्रतिशत मिला था और 2024 में भाजपा अपने दम पर पूर्ण बहुमत हासिल नहीं कर सकी। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार सहयोगी दलों के समर्थन से बनी है और इसे भाजपा की पिछली पूर्ण बहुमत वाली सरकारों से अलग तरीके से देखा जाना चाहिए। उन्होंने मीडिया की भूमिका पर भी सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि मीडिया का सामाजिक सरोकार कमजोर हुआ है और दबाव के कारण सरकार की आलोचना करने से बचा जा रहा है। गहलोत ने कहा कि लोकतंत्र में मीडिया और संस्थाओं का स्वतंत्र रहना जरूरी है। भजनलाल सरकार के तीन साल पूरे होने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों को लेकर पूछे गए सवाल पर गहलोत ने कहा कि मुख्यमंत्री पद की गरिमा का सम्मान किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि विपक्ष का काम सरकार की आलोचना करना है और यह आलोचना जनता के हित में होनी चाहिए। यदि विपक्ष किसी मुद्दे पर सही बात उठाता है तो सरकार को उसे स्वीकार कर सुधार का प्रयास करना चाहिए। गहलोत ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और राज्यपाल का व्यक्तिगत रूप से सम्मान किया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि उन्होंने दीपावली पर मुख्यमंत्री और राज्यपाल से बात कर शुभकामनाएं भी दी हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान की राजनीतिक परंपरा में व्यक्तिगत संबंधों और पद की गरिमा का सम्मान बनाए रखना जरूरी है।

# सरहद पर तैनात जवानों ने साथियों संग मनाई दिवाली, घर से दूर जवानों में दिखा उत्साह

**चंडीगढ़ ( हिंस )।** देशभर में दिवाली का त्योहार धूमधाम से मनाया गया, तो देश की सीमाओं और दुर्गम इलाकों में तैनात भारतीय सेना तथा सुरक्षा बलों के जवानों ने भी अपने साथियों के साथ मिलकर त्योहार की खुशियां साझा कीं। घरों से सैकड़ों किलोमीटर दूर होने के बावजूद जवानों के उत्साह में कोई कमी नहीं दिखी। उन्होंने सोशल मीडिया पर वीडियो संदेश साझा कर अपने परिवारों और देशवासियों को दिवाली की शुभकामनाएं दीं। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में सेना के कई जवान बुलेटप्रूफ जैकेट और हेलमेट पहनकर दिवाली की बधाई देते नजर आ रहे हैं। एक वीडियो में एक सिख जवान अपने साथियों की तालियों और उत्साह के बीच सुरीले अंदाज में गीत गाता दिखाई देता है। गीत के माध्यम से वह व्यंग्यात्मक अंदाज में अपनी भावनाएं व्यक्त करता है कि वह दिवाली पर घर नहीं जा सका और न ही अपनी बहन की शादी में शामिल हो पाया, क्योंकि उसे सीमा पर ड्यूटी निभानी है। वह कहता है कि दिनभर कानों में गोलियों की आवाजें गूंजती रहती हैं, ऐसे में उन्हें लगता है कि मानो उनके लिए हर दिन दिवाली ही हो। एक अन्य वीडियो में पूर्वोत्तर भारत से संबंध रखने वाला एक जवान देशवासियों को दिवाली की शुभकामनाएं देते हुए कहता है कि भले ही वह अपने घर से दूर है, लेकिन अपनी बटालियन के साथियों के बीच त्योहार मनाकर बेहद खुश है। उसके लिए बटालियन ही दूसरे परिवार की तरह



है। उसने बताया कि सभी जवान पूरी निष्ठा और उत्साह के साथ अपनी जिम्मेदारी निभाते हैं और हर त्योहार मिलकर मनाते हैं। एक अन्य वीडियो में अग्रिम मोर्चे पर तैनात जवान प्रार्थना करते और पटाखे चलाकर दिवाली मनाते दिखाई दिए। दरअसल, हर साल सशस्त्र बलों और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के हजारों जवान अपनी ड्यूटी के कारण त्योहारों और परिवार के महत्वपूर्ण आयोजनों में शामिल नहीं हो पाते।

# भाजपा के दीपावली स्नेह मिलन समारोह में शामिल हुए केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल



**बीकानेर ( हिंस )।** भारतीय जनता पार्टी शहर जिला अध्यक्ष सुमन छाजेड़ की ओर से दीपावली के अवसर पर रविवार को भाजपा संभाग कार्यालय में शुभकामना आदान-प्रदान एवं स्नेह मिलन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल विशेष रूप से उपस्थित रहे। समारोह में पार्टी के जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों, मंडल अध्यक्षों, मोर्चा अध्यक्षों, पार्षदों और वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं दीं तथा वरिष्ठजनों से आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान सभी ने पर्व की खुशियां साझा करते हुए एक-दूसरे के सुख-समृद्धि और मंगलमय जीवन की कामना की। मीडिया संयोजक कमल गहलोत ने बताया कि समारोह का उद्देश्य संगठन के सभी कार्यकर्ताओं और वरिष्ठजनों को एक मंच पर लाकर आपसी स्नेह, सौहार्द और संगठनात्मक आत्मीयता को मजबूत करना था। कार्यक्रम में भाजपा देहात अध्यक्ष श्याम पंचारिया, उपमहापौर पंकज गहलोत, सत्यप्रकाश आचार्य, अखिलेश प्रताप सिंह, गुमान सिंह, श्याम सिंह हाडला, राजेंद्र पंवार, दिलीप सिंह राजपुरोहित, कुशल शर्मा, अशोक प्रजापत, सोहन प्रजापत, किशन मोदी, तरुण स्वामी, विनोद करोल, गोपाल अग्रवाल, कमल गहलोत, रघुवीर प्रजापत, मोर्चा अध्यक्ष चंद्र मोहन जोशी, सुभाष वाल्मीकि, नरेंद्र सिंह आबड़सर, दिनेश चौहान, विशाल गोलछा, प्रकाश मेघवाल, देवरूप सिंह, मुकेश पंवार, नारायण चोपड़ा, महावीर चारण, मुल्तान बेद, अंकित तंवर, सुषमा बिस्सा, राधा खत्री, आसमा नाज और निशु लिम्बा सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दीपावली पर आमजन के बीच पहुंचकर दी शुभकामनाएं

**जयपुर ( हिंस )।** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दीपावली के अवसर पर रविवार को रात्रि में सपरिवार जयपुर के परकोटा पहुंचकर आमजन से आत्मीय मुलाकात की। मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर बच्चों, महिलाओं, युवाओं एवं बुजुर्गों में विशेष उत्साह और प्रसन्नता देखने को मिली। रास्ते में जगह-जगह पर आमजन ने हाथ जोड़कर मुख्यमंत्री का स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने भी आत्मीयता के साथ बच्चों को दुलार कर चॉकलेट दी, युवाओं से हाथ मिलाया तथा सभी को दीपावली की शुभकामनाएं दी। इस दौरान मुख्यमंत्री ने बिना किसी औपचारिकता के आमजन के बीच रहकर उनके साथ दीपावली की खुशियां साझा कीं। उन्होंने सांगानेरी गेट से बड़ी चौपड़, त्रिपोलिया होते हुए न्यू गेट तक आमजन के साथ पैदल घूमकर बाजार की सजावट को देखा। इस दौरान जयपुर नगर निगम के महापौर सुनील कोठारी, पार्षद पुनीत कर्नावट सहित अन्य जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

# धरनारत किसानों ने डीसी के तबादले की उठाई मांग



**फतेहाबाद ( हिंस )।** जिले में ओलावृष्टि और नहरी पानी में की जा रही कटौती से प्रभावित किसानों ने डीसी के तबादले की मांग को भी उठाया है। सोमवार को भी पगड़ी संभाल जट्टा किसान संघर्ष समिति के नेतृत्व में किसानों ने उपायुक्त कार्यालय के बाहर अपना अनिश्चितकालीन पड़ाव जारी रखा। समिति के जिला प्रधान ओमप्रकाश हसंगा, करनैल सिंह नंबरदार और अमनदीप शेरपुर की अगुवाई में धरना स्थल पर जुटे किसानों ने प्रदेश सरकार व जिला प्रशासन के खिलाफ जोरदार नारेबाजी करते हुए तीखा विरोध व्यक्त किया। किसानों ने जिला प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हुए फतेहाबाद के जिला उपायुक्त के तुरंत तबादले की मांग की। धरने के दौरान किसान नेताओं ने बताया कि आंदोलन के छठे दिन दीपावली पर्व के अवसर पर भट्टू क्षेत्र के किसानों ने आंदोलन को अपना पूर्ण समर्थन दिया। किसानों ने सरकार के उदासीन रवैये के खिलाफ सांकेतिक रूप से शव तैयार कर भट्टू से फतेहाबाद तक सरकार की शव यात्रा निकाली। इसके बाद किसान लाल बत्ती चौक से पैदल नारेबाजी करते हुए लघु सचिवालय पहुंचे, जहां उन्होंने डीसी कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर सरकार का पुतला फूंका। किसान नेताओं ने प्रशासनिक अधिकारियों को कटघरे में खड़ा करते हुए कहा कि गत 24 अक्तूबर को जिले में ओलावृष्टि से फसलों को भारी नुकसान हुआ था, लेकिन जिला उपायुक्त के गैर-जिम्मेदाराना रवैये के कारण समय पर गिरदावरी शुरू नहीं हो पाई। इस लेट-लतीफी का सीधा नुकसान किसानों को भुगतना पड़ रहा है। नेताओं ने बताया कि नहरी पानी के शेड्यूल को एक सप्ताह चालू से बढ़ाकर दो सप्ताह करने की मांग को लेकर प्रशासन को पहले भी ज्ञापन सौंपा गया था, लेकिन उस पर कोई संज्ञान नहीं लिया गया। किसानों नेताओं ने कहा कि किसान पिछले एक सप्ताह से कड़ाके की ठंड और खुले आसमान के नीचे डीसी दफ्तर के बाहर बैठने को मजबूर हैं, लेकिन सरकार या जिला प्रशासन का कोई नुमाइंदा उनकी सुध लेने तक नहीं पहुंचा है। ओलावृष्टि ने खेतों में खड़ी धान की पकी-पकाई फसल को पूरी तरह तबाह कर दिया है और बालियों से दाने झड़ने के बाद खेतों में केवल पराली बची है।

# विदेशी नंबर से सरपंच को जान से मारने की धमकी, दो दिन में सरपंची छोड़ने की चेतावनी

**कैथल ( हिंस )।** गांव बाकल के सरपंच नरेंद्र सिंह को विदेशी नंबर से फोन कर जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। फोन करने वाले अज्ञात व्यक्ति ने सरपंच को दो दिन के भीतर सरपंची छोड़ने की चेतावनी देते हुए ऐसा नहीं करने पर हत्या करने की धमकी दी। आरोपी ने खुद को एसके बाबा ग्रुप से जुड़ा बताते हुए दावा किया कि उसे सरपंच की हत्या करने के लिए बड़ी रकम की सुपारी देने का ऑफर मिला है। धमकी के बाद सरपंच और उनका परिवार दहशत में है। सरपंच ने पूंडरी थाना पुलिस को शिकायत देकर आरोपियों की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी करने और परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। पुलिस को दी शिकायत में नरेंद्र सिंह ने बताया कि चार नवंबर को दोपहर करीब 12 बजकर 57 मिनट पर उनके मोबाइल पर अमेरिका के नंबर से कॉल आई थी। फोन उठाते ही दूसरी तरफ से व्यक्ति ने उन्हें गांव की सरपंची छोड़ने को कहा।

# 18 वर्षीय युवती से निकाह करने वाले मौलाना की कोर्ट परिसर में पिटाई

**जयपुर ( हिंस )।** जयसिंहपुरा खोर इलाके में मदरसे के एक मौलाना की कोर्ट परिसर के बाहर लोगों ने पिटाई कर दी। मौलाना पर मदरसे में पढ़ने आने वाली बच्चियों का ब्रेनवॉश करने और 18 वर्षीय युवती को अपने प्रभाव में लेकर निकाह करने का आरोप है। आरोपी पहले से शादीशुदा है और तीन बच्चों का पिता बताया जा रहा है। पुलिस ने उसे शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेजने के आदेश दिए गए। जयसिंहपुरा खोर थानाधिकारी रघुवीर सिंह ने बताया कि नाई की थड़ी स्थित मदरसे के मौलाना को शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। मदरसे में आसपास के क्षेत्रों की बच्चियां पढ़ने आती हैं। आरोप है कि मौलाना पढ़ाई के दौरान बच्चियों को अपने प्रभाव में लेने का प्रयास करता था। इसी दौरान मदरसे में पढ़ने आने वाली 18 वर्षीय युवती भी उसके संपर्क में आई। परिजनों के अनुसार युवती मौलाना से निकाह करने की जिद कर रही थी। परिवार की ओर से समझाइश के बावजूद वह नहीं मानी और पिछले दिनों परिजनों की सहमति के बिना मौलाना से निकाह कर लिया। मौलाना पहले से शादीशुदा है और उसके तीन बच्चे हैं। निकाह की जानकारी मिलने पर परिजनों ने जयसिंहपुरा खोर थाने में शिकायत दी। इस मामले को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी फैल गई। शनिवार को बड़ी संख्या में लोग विरोध जताने थाने पहुंचे और मदरसे में पढ़ने आने वाली अन्य बच्चियों को भी प्रभावित करने के आरोप लगाए। इसके बाद पुलिस ने मौलाना को शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। शनिवार दोपहर आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेजने के आदेश हुए। कोर्ट परिसर से बाहर निकलते समय आक्रोशित लोगों ने पुलिस की मौजूदगी में मौलाना पर लात-घूंसों से हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। पुलिसकर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आरोपी को भीड़ से बचाकर बाहर निकाला। मामले को लेकर पुलिस जांच कर रही है।

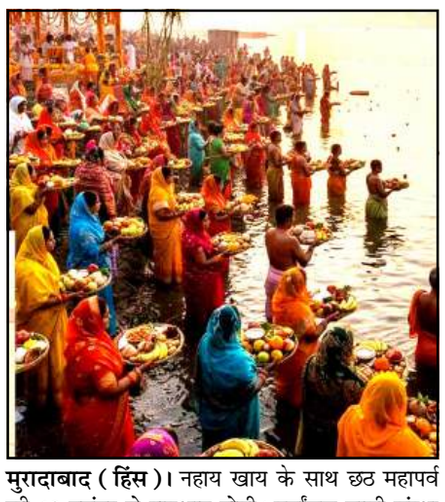
# चंद्रशेखर के प्रधानमंत्री की शपथ ग्रहण करने की याद में 10 नवंबर को बलिया में जलेंगे दस हजार दीप

**बलिया ( हिंस )।** पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर के शपथ ग्रहण दिवस (10 नवंबर) को बलिया जनपद में *प्रधानमंत्री दिवस* मनाया जाएगा। कार्यक्रम के संबंध में राष्ट्र नायक चंद्रशेखर मैराथन समिति की ओर से चंद्रशेखर उद्यान में सोमवार को तैयारी बैठक की गई। समिति के सचिव उपेन्द्र सिंह ने बताया कि पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर ने 10 नवंबर 1990 में देश के आठवें प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी। बलिया के लिए यह खास दिन है और इसे उत्सव के रूप में मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि चंद्रशेखर उद्यान में दिन के उजाले में बच्चों की चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित होगी। इसके लिए राजकीय इण्टर कालेज के कलाध्यापक डॉ. इफ्तखार खां, श्री मुरली मनोहर टाउन इण्टर कालेज के कलाध्यापक मिथलेश सिंह, विशाल कुमार सिंह, सनबीम विद्यालय के कलाध्यापक नुरूल को



जिम्मेदारी सौंपी गई हैं। शाम को चंद्रशेखर उद्यान में दस हजार दीप जलाकर चंद्रशेखर की प्रतिमा पर रोशनी की जाएगी। साथ ही शहर में स्थित स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, जनप्रतिनिधि, क्रान्तिकारी व समाजसेवियों की 26 प्रतिमा स्थलों पर दीप जलाया जाएगा। साथ ही जयप्रकाश ट्रस्ट जयप्रकाश नगर से लेकर रसड़ा चंद्रशेखर आजाद चौक तक चंद्रशेकर उद्यान बेल्थरारोड से लेकर भरौली सहजानंद पार्क तक लगभग 60 प्रतिमा स्थलों पर 51 दीप जला कर रोशन किया जाएगा। प्रतिमाओं पर इसके लिए अलग-अलग प्रभारी बनाए गए हैं। उपेन्द्र सिंह ने बताया कि आयोजन को सफल बनाने के लिए चंद्रशेखर मैराथन समिति के सदस्य, सामाजिक व सांस्कृतिक संस्था संकल्प के रंगकर्मी, एनसीसी कैडेट्स, स्काउट गाइड चंद्रशेखर उद्यान और शहर में स्थित प्रतिमा स्थल पर उपस्थित रहेंगे। इसके लिए कुंवर सिंह इण्टर कालेज के स्काउट शिक्षक राजेश सिंह, श्री मुरली मनोहर टाउन इण्टर कॉलेज के एनसीसी आफिसर स्नेह प्रकाश श्रीवास्तव से सहयोग मांगा गया है। समिति के सचिव ने 10 नवंबर को *प्रधानमंत्री दिवस* के उत्सव में शामिल होने के लिए जिले के नागरिकों से अपील की है। बैठक में अनूप पांडेय, डॉ. अखिलेश सिन्हा, राघव सिंह, रणवीर सिंह सिंगर, बलवंत सिंह, अजीत सिंह रूपेश सिंह, धर्मवीर सिंह, किशन प्रताप सिंह, अमित सिंह, अमित गिरी, चिंटू सिंह, सुधीर सिंह, आशीष त्रिवेदी, मनीष सिंह, भवतोष पांडेय उपस्थित रहे।

# नहाय खाय के साथ 13 नवंबर से शुरू होगा छठ महापर्व पीतलनगरी में दो स्थानों पर होंगे वृहद सामूहिक कार्यक्रम



**मुरादाबाद ( हिंस )।** नहाय खाय के साथ छठ महापर्व की 13 नवंबर से शुरुआत होगी। पूर्वांचल वासी संस्था की ओर से मुरादाबाद नगर निगम द्वारा बीते वर्ष लोकोशेड पुल के नीचे बनाए गए छठ पूजा घाट पर वृहद स्तर पर छठ पूजा सामूहिक कार्यक्रम आयोजित होगा। वहीं सर्वजन हिताय संस्था की मुरादाबाद इकाई की ओर से इस बार भी यह आयोजन आशियाना कॉलोनी स्थित सीएल गुप्ता आई इंस्टीट्यूट के निकट रामगंगा किनारे रामगंगा घाट पर आयोजित किया जाएगा। इसके अलावा सैकड़ों की संख्या में रह रहे पूर्वांचल परिवारों की ओर से घरों के आंगन व छतों पर भी छठ पूजा की जाएगी। वैदिक पंचाग के अनुसार, चार दिनों तक चलने वाला यह पर्व 13 से 16 नवंबर तक आयोजित किया जाएगा। जिसमें पहले दिन नहाए खाए, दूसरे दिन खरना, तीसरे दिन अस्त होते सूर्य देवता को पहला अर्घ्य और अंतिम दिन उदय होते सूर्य भगवान को दूसरा अर्घ्य दिया जाएगा। पूर्वांचलवासी संस्था के अशोक कुमार चतुर्वेदी ने सोमवार को बताया कि छठ पूजा महापर्व कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि से होती है और इसका समापन सप्तमी तिथि पर होता है। चार दिनों तक चलने वाला छठ महापर्व सूर्य देव और छठी मैया की पूजा के लिए समर्पित होता है। इस पर्व में माताएं अपनी संतान की लंबी उम्र और उज्जवल भविष्य की कामना करती हैं। मुरादाबाद में छठ पूजा को लेकर की जा रही तैयारियां अंतिम दौर में है। नगर निगम मुरादाबाद द्वारा लोकोशेड पुल के नीचे बने छठ पूजा घाट और सीएल गुप्ता आई इंस्टीट्यूट के निकट रामगंगा किनारे रामगंगा घाट पर साफ सफाई अभियान तेजी से चल रहा है। अशोक कुमार चतुर्वेदी ने आगे बताया कि छठ पर्व के आगाज के पहले दिन 13 नवंबर को व्रती महिलाएं स्नान करने के बाद शुद्ध सात्विक भोजन लौकी की सब्जी, चने की दाल का सेवन करेंगी। दूसरे दिन 14 नवंबर को खरना होगा।

# एक ही पौधे से मिलेंगे बैंगन, टमाटर और आलू

## *कटिहार में ब्रिजेटो और पोमेटो* की खेती की अनूठी पहल

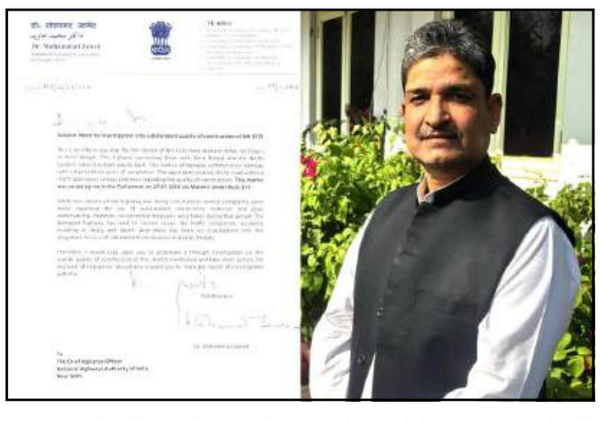
**कटिहार ( हिंस )।** सीमित कृषि भूमि में अधिक पैदावार लेने और किसानों की आमदनी बढ़ाने के उद्देश्य से कटिहार जिले में कृषि नवाचार का एक अनूठा प्रयोग शुरू होने जा रहा है। जिलाधिकारी आशुतोष द्विवेदी के मार्गदर्शन तथा जिला कृषि पदाधिकारी सह आत्मा के परियोजना निदेशक राजीव कुमार के नेतृत्व में आधुनिक ग्राफ्टिंग तकनीक से एक ही पौधे पर दो अलग-अलग सब्जियां उगाने की अभिनव पहल की गई है। इस दिशा में जिला कृषि विभाग ने भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान, वाराणसी से पत्राचार कर उन्नत ग्राफ्टिंग पद्धति से तैयार *ब्रिजेटो* और *पोमेटो* के पौधे उपलब्ध कराने तथा तकनीकी सहयोग का औपचारिक अनुरोध किया है। ग्राफ्टिंग यानी कलम-संयोजन पद्धति पर आधारित यह नवाचार कम भूमि में बहुउद्देशीय सब्जी उत्पादन का बेहतरीन विकल्प बनकर सामने आया है। इस तकनीक से तैयार *ब्रिजेटो* में



बैंगन और टमाटर के पौधों को आपस में जोड़कर एक ही पौधे से बैंगन और टमाटर दोनों की उपज प्राप्त की जाती है। वहीं *पोमेटो* में आलू और टमाटर का संयोजन किया जाता है, जिसमें पौधे के ऊपरी हिस्से में टमाटर फलते हैं और जमीन के नीचे जड़ वाले हिस्से में आलू का उत्पादन होता है। यह तकनीक विशेष रूप से छोटे और सीमांत किसानों के लिए अत्यंत लाभकारी साबित हो सकती है। सीमित जोत वाले किसान अपने उपलब्ध रकबे का बेहतर इस्तेमाल कर एक साथ दो फसलों का लाभ ले सकेंगे। इससे न केवल उनकी उत्पादन लागत में कमी आएगी और अतिरिक्त आय के नए स्रोत बनेंगे, बल्कि ग्रामीण परिवारों में घरेलू पोषण सुरक्षा भी मजबूत होगी। वाराणसी स्थित अनुसंधान संस्थान से पौधे एवं तकनीकी मार्गदर्शन प्राप्त होने के उपरांत प्रथम चरण में जिले के प्रगतिशील और इच्छुक किसानों के खेतों में इसका प्रायोगिक प्रदर्शन कराया जाएगा। इस दौरान कटिहार की कृषि-जलवायु में इन पौधों की उत्पादन क्षमता, फसल की गुणवत्ता, लागत और वास्तविक आर्थिक लाभ का विस्तृत आकलन किया जाएगा। ट्रायल के सफल परिणामों के आधार पर बाद में इस तकनीक का विस्तार जिले के अन्य किसानों तक किया जाएगा। प्रशासन का उद्देश्य किसानों को केवल पारंपरिक खेती तक सीमित न रखकर उन्हें आधुनिक, विविधीकृत और अधिक मुनाफे वाली वैज्ञानिक खेती से जोड़ना है।

# दो-तीन साल में ही उखड़ने लगी एनएच-327ई की सड़क, निर्माण गुणवत्ता पर सांसद ने उठाए सवाल

**किशनगंज ( हिंस )।** अररिया से सिलीगुड़ी तक जाने वाले महत्वपूर्ण राष्ट्रीय राजमार्ग ह॥-327श्व के निर्माण की गुणवत्ता पर अब सवाल खड़े होने लगे हैं। निर्माण पूरा होने के महज दो से तीन वर्षों के भीतर ही सड़क के कई हिस्सों के क्षतिग्रस्त होने को गंभीरता से लेते हुए किशनगंज के सांसद डॉ. मोहम्मद जावेद आजाद ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के मुख्य सतर्कता अधिकारी को पत्र लिखा है। उन्होंने पूरे निर्माण कार्य की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। सांसद ने पत्र में कहा है कि ह॥-327श्व बिहार को पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर राज्यों से जोड़ने वाला महत्वपूर्ण राष्ट्रीय राजमार्ग है। इसके बावजूद निर्माण के कुछ ही वर्षों में सड़क के कई हिस्सों का क्षतिग्रस्त होना निर्माण कार्य की गुणवत्ता और



इस्तेमाल की गई सामग्री पर गंभीर सवाल खड़े करता है। इससे घटिया निर्माण सामग्री के उपयोग और कार्य में बरती गई लापरवाही की आशंका गहराती है। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण के दौरान भी स्थानीय स्तर पर घटिया सामग्री के इस्तेमाल और निर्माण कार्य में अनियमितताओं की शिकायतें सामने आई थीं। लेकिन समय रहते कोई प्रभावी सुधारात्मक कार्रवाई नहीं की गई। सड़क की बदहाल स्थिति से आवागमन प्रभावित हो रहा है। साथ ही दुर्घटनाओं में लोगों के घायल होने और जान गंवाने की घटनाएं भी सामने आई हैं। सांसद डॉ. जावेद ने बताया कि उन्होंने इस गंभीर मुद्दे को 27 जुलाई 2026 को संसद में नियम-377 के तहत भी उठाया था। इसके बावजूद अब तक आरोपों की समुचित जांच नहीं होना चिंता का विषय है। उन्होंने एनएचएआई के मुख्य सतर्कता अधिकारी से निर्माण में प्रयुक्त सामग्री, सड़क की गुणवत्ता और संबंधित निर्माण एजेंसियों एवं अधिकारियों की भूमिका की विस्तृत जांच कराने की मांग की है। साथ ही दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई और जांच रिपोर्ट उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है। सांसद ने स्पष्ट कहा कि राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण में गुणवत्ता से समझौता और भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। जनता की सुरक्षा और सरकारी धन का सदुपयोग सुनिश्चित करना संबंधित विभाग की जिम्मेदारी है।

## कैंसर रोधी 1,364 दवाओं के संशोधित अधिकतम खुदरा मूल्य प्रभावी

**नई दिल्ली ( हि.स. )।** देश में कैंसर रोधी 1,364 दवा *फॉर्मूलेशन* के संशोधित अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) सोमवार से लागू हो गए। राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) के इस कदम से उपभोक्ताओं को सालाना अनुमानित 3,540.38 करोड़ रुपए की बचत होने की उम्मीद है। रसायन और उर्वरक मंत्रालय के फार्मास्यूटिकल्स विभाग ने एक बयान में बताया कि राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) के द्वारा 137 कैंसर रोधी दवाओं के व्यापार विक्रय को अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) के 30 फीसदी तक सीमित करने के बाद 1,364 कैंसर रोधी दवाओं के संशोधित अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) 9 नवंबर 2026 से देशभर में लागू हो गए हैं। बयान के अनुसार औषधि विभाग के तहत काम करने वाले राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति की 17 अक्तूबर, 2026 को सौंपी गई सिफारिशों के आधार पर कुल 137 कैंसर रोधी दवाओं के अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) पर व्यापार *मार्जिन* की सीमा तय की थी। आठ नवंबर तक 85 दवा कंपनियों ने 121 दवाओं के 1,364 फॉर्मूलेशन के संशोधित एमआरपी की जानकारी दी है। रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के औषधि विभाग ने बताया कि 679 ब्रांड के दाम में 50 फीसदी से अधिक की कटौती की गई है। सबसे अधिक 96.45 फीसदी की कटौती दर्ज की गई है। किसी भी दवा विक्रेता या अस्पताल की फार्मेसी को संशोधित अधिकतम खुदरा मूल्य से अधिक कीमत वसूलने की अनुमति नहीं है।

# दिन भर के उतार-चढ़ाव के बाद बढ़त के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

### *बैंकिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर ने लगाया बेड़ा पार*




**नई दिल्ली ( हि.स. )।** पूरे दिन उतार चढ़ाव का सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार आज सप्ताह के पहले कारोबारी दिन बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहा। अमेरिकी टेक कंपनियों में हुई रिकवरी से उत्साहित भारतीय बाजार की शुरुआत बढ़त के साथ हुई थी। बाजार खुलने के थोड़ी देर बाद ही ऊपरी स्तर पर मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिससे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों प्रमुख सूचकांक अपनी शुरुआती बढ़त गंवा कर लाल निशान में गिर गए। हालांकि थोड़ी देर बाद ही खरीदारों ने निचले स्तर पर लिवाली का मोर्चा संभाल लिया। सरकारी बैंकों, फार्मा और इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर की दिग्गज कंपनियों के शेयरों में आई तूफानी तेजी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों प्रमुख सूचकांकों ने न केवल अपनी शुरुआती गिरावट को पूरी तरह पाट दिया, बल्कि मजबूती के साथ बंद हुए। पूरे दिन के कारोबार के बाद बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का सेंसेक्स 0.13 प्रतिशत और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 0.23 प्रतिशत की बढ़त दर्ज करने में कामयाब रहे। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का सेंसेक्स आज 327.89 अंक यानी 0.40 प्रतिशत की मजबूत बढ़त दर्ज करते हुए 81,327.29 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बाजार में मुनाफावसूली हावी हो गई, जिसके दबाव में यह सूचकांक 480.09 अंक यानी 0.59 प्रतिशत फिसल कर 80,519.31 अंक के निचले स्तर तक गिर गया था। इसके बाद बाजार में बैंकिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर के हैवीवेट शेयरों में तूफानी खरीदारी शुरू हो गई। अंतिम सत्र में हुई इस बंपर लिवाली के सपोर्ट से सेंसेक्स अपने दिन के निचले स्तर से 587.34 अंक की शानदार छलांग लगा कर 107.25 अंक यानी 0.13 प्रतिशत की मजबूती के साथ 81,106.65 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की ही तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी ने भी आज 90 अंक यानी 0.36 प्रतिशत की छलांग लगा कर 25,076.40 अंक के स्तर से अपने नियमित कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही बिकवाली और पैनिक सेलिंग का दबाव बन जाने के कारण यह सूचकांक भी थोड़ी देर में ही लाल निशान में फिसल गया औरर अपनी सारी बढ़त गंवाने के बाद 147.65 अंक की कमजोरी के साथ 24,838.75 अंक के निचले स्तर तक आ गया। इसके बाद खरीदार पूरी तरह एक्टिव होकर लिवाली करने में जुट गए। चौतरफा शॉर्ट-कवरिंग और संस्थागत खरीद के सपोर्ट से निफ्टी दिन के निचले स्तर से 205.90 अंक उछल कर 58.25 अंक यानी 0.23 प्रतिशत की तेजी के साथ 25,044.65 अंक के स्तर पर बंद हुआ। आज दिनभर के कारोबार के दौरान सेक्टोरल फ्रंट पर सरकारी बैंकों के शेयरों में सबसे ज्यादा चमक नजर आई, जिसके चलते निफ्टी पीएसयू बैंक इंडेक्स 3.73 प्रतिशत की भारी-भरकम बढ़त के साथ बंद हुआ। इसी तरह हेल्थकेयर और फार्मा सेक्टर भी खरीदारों के रडार पर मजबूती से बने रहे, जिससे निफ्टी फार्मा इंडेक्स में 1.65 प्रतिशत और निफ्टी बैंक इंडेक्स में 1.51 प्रतिशत की जोरदार तेजी दर्ज की गई। इसके अलावा ऑटोमोबाइल इंडेक्स भी 0.30 प्रतिशत की बढ़त के साथ हरे निशान में बंद होने में सफल रहा। दूसरी ओर, आईटी और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में आज लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके चलते निफ्टी आईटी इंडेक्स 1.22 प्रतिशत और निफ्टी एफएमसीजी इंडेक्स 0.15 प्रतिशत टूट कर बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट की बात करें, तो वहां भी माहौल सकारात्मक रहा। खरीदारी के सपोर्ट से निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 0.55 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.10 प्रतिशत की बढ़त के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज दिन भर के कारोबार के दौरान बीएसई में 4,679 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,010 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,422 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 247 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 3,289 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,431 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,858 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 11 शेयर बढ़त के साथ, 18 शेयर गिरावट के साथ और एक शेयर बिना बदलाव के बंद हुए, जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 20 शेयर हरे निशान में, 29 शेयर लाल निशान में और एक शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। दिन भर हुई खरीद बिक्री के बाद नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर अपोलो हॉस्पिटल्स के शेयर 1.42 प्रतिशत की तूफानी तेजी के साथ 8,549.50 रुपए के भाव पर बंद होकर टॉप गेनर रहे। इसके अलावा दिग्गज कंपनियों की सूची में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक और लार्सन एंड टूब्रो (एलएंडटी) आज के टॉप गेनर्स की सूची में सबसे आगे बंद हुए। दूसरी ओर, बाजार की इस रिकवरी के बावजूद बिकवाली के दबाव में फंसी दिग्गज आईटी कंपनी इन्फोसिस 1153.90 रुपए के भाव पर आकर टॉप लूजर रही। इसके साथ ही भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस, आईटीसी और एचसीएल टेक्नोलॉजीज जैसी दिग्गज कंपनियां कमजोरी दिखाते हुए आज के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल रहीं।

## भारत का नेट जोन लक्ष्य खोलेगा 22.7 लाख करोड़ डॉलर का निवेश अवसर : रिपोर्ट

**नई दिल्ली।** भारत का 2070 तक शुद्ध शून्य उत्सर्जन हासिल करने का लक्ष्य नवीकरणीय ऊर्जा, बिजली ग्रिड, ऊर्जा भंडारण और उभरती स्वच्छ प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में 22.7 लाख करोड़ डॉलर के निवेश अवसर पैदा कर सकता है। ऑस्ट्रेलियाई अर्थशास्त्री निकी हटले की एक नई रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया गया है। *इंडियाज नेट जीरो ट्रांजिशन इज द वर्ल्ड्स नेट जीरो ट्रांजिशन* शीर्षक वाली इस रिपोर्ट के मुताबिक, तेज आर्थिक वृद्धि और कार्बन उत्सर्जन में कमी के बीच संतुलन बनाने की भारत की क्षमता का असर उसकी सीमाओं से कहीं आगे तक पड़ेगा। इसकी वजह देश की बढ़ती ऊर्जा जरूरतें और वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में उसकी बढ़ती हिस्सेदारी है। रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए जरूरी निवेश इतना बड़ा है कि इसका वित्तपोषण केवल घरेलू संसाधनों से नहीं किया जा सकता। इसमें वित्तपोषण में करीब 6.5 लाख करोड़ डॉलर की कमी रहने का अनुमान है, जिसे काफी हद तक अंतर्राष्ट्रीय पूंजी से पूरा करना होगा। रिपोर्ट के अनुसार, भारत अनुमानित निवेश जरूरत का 70 प्रतिशत से कुछ अधिक हिस्सा घरेलू स्तर पर जुटा सकता है। ऐसे में शेष राशि की व्यवस्था करने में विदेशी निवेशकों, विकास वित्त संस्थानों और अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय बाजारों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। ऑस्ट्रेलिया की जलवायु परिषद से जुड़ी अर्थशास्त्री हटले को वित्तीय बाजारों, निवेश और आर्थिक परामर्श के क्षेत्र में तीन दशक से अधिक का अनुभव है। उनका कहना है कि भारत के ऊर्जा क्षेत्र में बदलाव को केवल जलवायु संबंधी जिम्मेदारी के रूप में नहीं, बल्कि वैश्विक कंपनियों और वित्तीय संस्थानों के लिए निवेश के बड़े अवसर के तौर पर भी देखा जाना चाहिए।

## कच्चे तेल के भाव में बड़ी गिरावट, 97 डॉलर प्रति बैरल के करीब आया ब्रेंट क्रूड ऑयल




**नई दिल्ली ( हि.स. )।** अमेरिकी मध्यावधि चुनावों के नतीजे के बीच अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में गिरावट का सिलसिला सोमवार भी जारी रहा। शुरुआती कारोबार के दौरान ब्रेंट क्रूड का भाव 96.52 डॉलर प्रति बैरल और 89.77 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया है। ऑयल प्राइस डॉट कॉम के मुताबिक फिलहाल शुरुआती कारोबार में ब्रेंट क्रूड 1.25 डॉलर यानी 1.16 फीसदी की गिरावट के साथ 96.52 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है। वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी 1.80 फीसदी यानी 1.83 फीसदी टूटकर 90.18 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। जानकारों का कहना है कि पिछले हफ्ते अप्रैल, 2020 के बाद अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की सबसे बड़ी साप्ताहिक गिरावट दर्ज करने के बाद इसकी कीमतें और नीचे आ गईं। पिछले हफ्ते ब्रेंट क्रूड का भाव 16 फीसदी से ज्यादा गिरा है। अक्तूबर के आखिर में छह महीने के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंचने के बाद से क्रूड ऑयल के भाव में बड़ी गिरावट देखने को मिली है।

## ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत एशिया में आमतौर पर खरीदारी का रुख




**नई दिल्ली ( हि.स. )।** ग्लोबल मार्केट से आज मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान बढ़त के साथ बंद हुए थे। डाउ जोन्स फ्यूचर्स भी आज सुबह मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान कमजोरी का माहौल बना रहा, जहां प्रमुख सूचकांकों में गिरावट दर्ज की गई थी। वहीं एशियाई बाजार से आज राहत के संकेत मिल रहे हैं, जहां अधिकांश प्रमुख सूचकांक शानदार बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं। हालांकि, भारतीय बाजार के लिए शुरुआती संकेत देने वाला गिफ्ट निफ्टी आज सुबह हल्के दबाव में नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान वॉल स्ट्रीट पर बेहतरीन रिकवरी देखने को मिली। तकनीकी शेयरों में हुई लिवाली के चलते प्रमुख सूचकांकों में मजबूती आई, जिससे पिछले सत्र की बड़ी गिरावट से बाजार को उबरने में मदद मिली। इस खरीदारी के कारण नैस्डेक कंपोजिट इंडेक्स 264.43 अंक यानी 1.09 प्रतिशत की शानदार मजबूती के साथ 24,579.43 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स ने भी 23.19 अंक यानी 0.32 प्रतिशत की बढ़त दर्ज करते हुए 7,376.92 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जोन्स फ्यूचर्स भी आज फिलहाल 385.76 अंक यानी 0.75 प्रतिशत की तेजी के साथ 51,671.49 अंक के स्तर पर हरे निशान में कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार के विपरीत यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान बिकवाल हावी रहे, जिसके चलते सूचकांकों में गिरावट का रुख बना रहा। जर्मनी का डीएएक्स इंडेक्स 504.65 अंक यानी 1.95 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 25,820.36 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह फ्रांस के सीएसी इंडेक्स ने भी 66.37 अंक यानी 0.82 प्रतिशत की सुस्ती दिखाते हुए 8,139 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं, ब्रिटेन का एफटीएसई इंडेक्स 10,673.94 अंक के स्तर पर बिना किसी बदलाव के सपाट स्तर पर बंद हुआ था। ग्लोबल मार्केट के इन संकेतों के बीच एशियाई बाजार में आज सुबह शानदार रिकवरी और चौतरफा मजबूती का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। एशिया के नौ प्रमुख बाजार में से सात के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में पहुंचे हुए हैं, जबकि दो सूचकांक कमजोरी के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। भारतीय बाजार के लिए शुरुआती संकेत देने वाले गिफ्ट निफ्टी में आज सुबह मामूली गिरावट का रुख नजर आ रहा है। फिलहाल यह सूचकांक 42 अंक यानी 0.17 प्रतिशत की सुस्ती दिखाते हुए 24,939 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

## कमोडिटी मार्केट में पहले सत्र के दौरान सीमित दायरे में कारोबार

**नई दिल्ली ( हि.स. )।** घरेलू कमोडिटी मार्केट (एमसीएक्स) में आज दिन के पहले सत्र के दौरान मिला-जुला और सीमित दायरे में कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार से मिल रहे सामान्य संकेतों और त्यौहारी सीजन के बाद फिजिकल डिमांड में आए बदलाव के कारण आज सुबह मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने और चांदी की कीमत में मामूली उतार-चढ़ाव होता हुआ नजर आ रहा है, जबकि बेस मेटल सेगमेंट में आज सुस्ती का माहौल है। इसके विपरीत, वैश्विक स्तर पर जियो-पॉलिटिकल तनाव के बीच इंटरनेशनल एनर्जी मार्केट में कच्चे तेल की कीमतों में आई हल्की रिकवरी का असर आज सुबह घरेलू हाजिर और वायदा कारोबार पर साफ दिखाई दे रहा है, जिससे क्रूड की कीमतों को निचले स्तर पर सहारा मिल रहा है। सर्राफा बाजार की बात करें, तो पिछले सप्ताह के दौरान रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने के बाद आज सुबह सोने के भाव में हल्की मुनाफावसूली होती नजर आई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर आज शुरुआती कारोबार के दौरान 24 कैरेट सोने का भाव 48 रुपए की मामूली तेजी के साथ 1,39,428 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आया।

## कैट का राष्ट्रीय सम्मेलन दिल्ली में 13 नवंबर को, व्यापारी नेता सुरक्षा पर करेंगे मंथन

**नई दिल्ली ( हि.स. )।** कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) की 13 नवंबर को राष्ट्रीय राजधानी में राष्ट्रीय सम्मेलन होगी, जिसमें व्यापारिक नेता विरोध-प्रदर्शनों और आंदोलनों के कारण कारोबार में होने वाली दिक्कतों पर चर्चा करेंगे। सम्मेलन में व्यापारियों की आजीविका की सुरक्षा के लिए समन्वित रणनीति तैयार करने पर विचार-विमर्श किया जाएगा। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री एवं चांदनी चौक से सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने सोमवार को कहा कि इस सम्मेलन में देशभर के विभिन्न राज्यों एवं प्रमुख व्यापारिक संगठनों के वरिष्ठ प्रतिनिधि भाग लेंगे। इस सम्मेलन में दिल्ली में पिछले एक महीने के दौरान हुए विभिन्न आंदोलनों, धरनों एवं प्रदर्शनों से व्यापार को हुए नुकसान, व्यापारियों, दुकानदारों, छोटे कारोबारियों, रेहड़ी-पटरी वालों तथा व्यापार पर निर्भर लाखों लोगों की आजीविका पर पड़े प्रभाव का विस्तार से विश्लेषण भी किया जाएगा। खंडेलवाल ने कहा कि देश की राजधानी नई दिल्ली में पिछले लगभग एक महीने के दौरान विभिन्न राजनीतिक आंदोलनों, धरनों एवं प्रदर्शनों के कारण व्यापारिक गतिविधियों में हुए व्यापक व्यवधान और व्यापारियों की आजीविका पर पड़े प्रतिकूल प्रभाव को लेकर देशभर के व्यापारी समुदाय में गहरी नाराजगी, चिंता एवं क्षोभ व्याप्त है। इस गंभीर विषय पर राष्ट्रीय स्तर पर विचार-विमर्श करने तथा भविष्य में ऐसी परिस्थितियों से व्यापार एवं रोजी-रोटी को सुरक्षित रखने की ठोस रणनीति बनाने के लिए कैट ने आगामी 13 नवंबर को देश के सभी राज्यों के वरिष्ठ व्यापारी नेताओं की एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन बुलाई है। कैट महामंत्री ने कहा कि राजधानी दिल्ली में हुए घटनाक्रम ने केवल दिल्ली के व्यापारियों को ही नहीं, बल्कि देशभर के व्यापारी समुदाय को गहरे आक्रोश एवं चिंता में डाल दिया है। देश की राजधानी में व्यापारिक गतिविधियों का बाधित होना केवल दुकानों के बंद रहने या बिक्री कम होने का मामला नहीं है, बल्कि इससे आपूर्ति श्रृंखला, माल की आवाजाही, कर्मचारियों की आजीविका, छोटे कारोबारियों के नकदी प्रवाह तथा देश की अर्थव्यवस्था पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि त्योहारों एवं विवाह के मौसम जैसे महत्वपूर्ण व्यावसायिक समय में इस प्रकार के व्यवधान का असर और भी गंभीर हो जाता है। खंडेलवाल ने कहा कि अब समय आ गया है कि देश के प्रत्येक शहर में विरोध एवं प्रदर्शनों के लिए शहरों के बाहरी क्षेत्रों अथवा ऐसे उपयुक्त स्थानों को निर्धारित किया जाए, जहां लोग शांतिपूर्ण ढंग से अपनी बात रख सकें और लोकतांत्रिक विरोध भी हो सके, लेकिन शहरों के प्रमुख व्यापारिक केंद्रों, बाजारों, परिवहन मार्गों एवं व्यावसायिक गतिविधियों को बाधित न होना पड़े। यह व्यवस्था केवल दिल्ली तक सीमित न रहकर देशभर के सभी राज्यों एवं शहरों में लागू किए जाने पर विचार होना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस राष्ट्रीय सम्मेलन में व्यापारी नेता यह तय करेंगे कि इस विषय पर आगे किस प्रकार की राष्ट्रीय रणनीति अपनाई जाए। कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी भरतिया ने बताया कि राष्ट्रीय सम्मेलन का एजेंडा केवल आंदोलनों से व्यापार को होने वाले नुकसान तक सीमित नहीं रहेगा। इसमें देश के व्यापारिक क्षेत्र को अधिक सरल, सुरक्षित, आधुनिक एवं प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी व्यापक चर्चा होगी। इनमें प्रमुख रूप से जीएसटी में रिफॉर्म लाने हेतु जीएसटी की प्रक्रियाओं को और सरल बनाने, विभिन्न रिटर्न एवं अनुपालन संबंधी जटिलताओं को कम करने, तकनीकी समस्याओं का समाधान करने, छोटे व्यापारियों को अधिक सुविधाएं देने तथा अनावश्यक नोटिस एवं मुकदमेबाजी को कम करने के लिए आवश्यक सुझाव देने पर भी विचार किया जाएगा। साइबर फ्रॉड से व्यापारियों की सुरक्षा हेतु डिजिटल भुगतान, यूपीआई, बैंकिंग एवं ऑनलाइन व्यापार में बढ़ते साइबर अपराधों से व्यापारियों को सुरक्षित रखने, त्वरित शिकायत निवारण, बैंक खातों को अनावश्यक रूप से फ्रीज किए जाने की समस्याओं तथा साइबर धोखाधड़ी के मामलों में प्रभावी सहायता व्यवस्था बनाने पर विचार होगा।

## सर्राफा बाजार में सांकेतिक गिरावट सोना और चांदी की फीकी पड़ी चमक



**नई दिल्ली ( हि.स. )।** दिवाली के अगले दिन आज शुरुआती कारोबार के दौरान घरेलू सर्राफा बाजार में सांकेतिक गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। भाव में गिरावट आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,43,560 रुपए प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,43,710 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,31,590 रुपए प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,31,740 रुपए प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी सांकेतिक कमजोरी आने के कारण यह चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,04,900 रुपए प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,43,710 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,31,740 रुपए प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,43,560 रुपए प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,590 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,43,610 रुपए प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,31,640 रुपए प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,43,560 रुपए प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,31,590 रुपए प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,43,560 रुपए प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,590 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,43,610 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,31,640 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,43,710 रुपए प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,740 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

## वेदांत पॉली फैब्स ने निवेशकों को किया निराश फ्लैट लिस्टिंग के बाद लगा लोअर सर्किट

**नई दिल्ली ( हि.स. )।** फ्लैक्सिबल पैकेजिंग मैटेरियल्स का निर्माण करने वाली कंपनी वेदांत पॉली फैब्स लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में फ्लैट एंट्री कर अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। निवेशकों को इसके बाद उस समय और करारा झटका लगा, जब कंपनी के शेयर पर लोअर सर्किट लग गया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 94 रुपए के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म बिना किसी उतार चढ़ाव के 94 रुपए के स्तर पर ही हुई। फ्लैट लिस्टिंग के बाद बिकवाली का दबाव बन गया, जिससे इस शेयर की चाल में गिरावट आ गई। लगातार हो रही बिकवाली के कारण थोड़ी देर में ही यह शेयर फिसल कर 89.30 रुपए के लोअर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। इस तरह पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 4.70 रुपए यानी पांच प्रतिशत का नुकसान हो गया। इस कंपनी का 56.68 करोड़ रुपए का आईपीओ दो से चार नवंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.90 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 100 प्रतिशत (एक्स एंकर) सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 1.38 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 2.26 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपए फेस वैल्यू वाले कुल 60.30 लाख शेयर जारी किए गए हैं। इस इश्यू के तहत 51.01 करोड़ रुपए मूल्य के 54.26 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं, जबकि प्रमोटर सेथसावरिया पॉली फैब एलएलपी द्वारा 5.67 करोड़ रुपए मूल्य के 6.04 लाख शेयरों की बिक्री ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिए की गई है। आईपीओ के तहत शेयरों की बिक्री से जुटाए गए इस पैसे में से 24.61 करोड़ रुपए का इस्तेमाल कंपनी अपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने के लिए करेगी। इसके अलावा 6.51 करोड़ रुपए की राशि मौजूदा मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी में प्लांट और मशीनरी की खरीदारी और इंस्टॉलेशन के लिए कैपिटल एक्सपेंडिचर के रूप में खर्च की जाएगी, जबकि 8 करोड़ रुपए का उपयोग पुराने कर्ज के बोझ को करने में किया जाएगा। इसके बाद शेष बची राशि का




इस्तेमाल सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों तथा इश्यू के खर्चों की भरपाई करने में किया जाएगा। वेदांत पॉली फैब्स लिमिटेड की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (आरएचपी) में किए गए दावे के अनुसार कंपनी की वित्तीय सेहत में पिछले वित्त वर्षों के दौरान उतार-चढ़ाव होने के बावजूद मजबूत बनी रही है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 64 लाख रुपए का शुद्ध लाभ (प्रॉफिट आफ्टर टैक्स) हुआ था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में घट कर 4.56 लाख रुपए रह गया। हालांकि अगले वित्त वर्ष 2025-26 में इसमें जबरदस्त रिकवरी आई और यह बढ़ कर 10.97 करोड़ रुपए के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही यानी 30 जून 2026 तक कंपनी को 3.48 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ हो चुका था। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी लगातार भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 49.73 करोड़ रुपए का कुल राजस्व (टोटल इनकम) प्राप्त हुआ था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 81.58 करोड़ रुपए हो गया। इसके अगले वित्त वर्ष 2025-26 में रेवेन्यू कलेक्शन 41 प्रतिशत की शानदार बढ़त के साथ 115.31 करोड़ रुपए के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही यानी 30 जून 2026 तक कंपनी को 30.49 करोड़ रुपए का कुल राजस्व प्राप्त हो चुका था। इस अवधि में कंपनी के विस्तार के साथ उस पर लदे कर्ज के बोझ में भी लगातार इजाफा देखने को मिला है। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी पर कुल 6.35 करोड़ रुपए का कर्ज था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 13.32 करोड़ रुपए हो गया और अगले वित्त वर्ष 2025-26 के अंत में यह उछल कर 46.82 करोड़ रुपए के स्तर पर आ गया।

## यूरोपीय संघ ने आईबीएम और एटोस पर मुकदमा दर्ज किया

**नई दिल्ली।** यूरोपीय संघ की नई सीमा निगरानी व्यवस्था को तैयार करने में देरी अब बड़ी कानूनी लड़ाई का रूप ले चुकी है। इस मामले में दुनिया की जानी-मानी तकनीकी कंपनी आईबीएम, फ्रांस की सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी एटोस और इटली की रक्षा क्षेत्र की कंपनी लियोनार्डो मुश्किल में घिर गई हैं। यूरोपीय संघ की एजेंसी ने इन तीनों कंपनियों के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। आरोप है कि कंपनियों ने नई डिजिटल सीमा व्यवस्था को तैयार करने और लागू करने में बार-बार देरी की, जिससे परियोजना तय समय पर पूरी नहीं हो सकी। फाइनेंशियल टाइम्स की सोमवार की रिपोर्ट के मुताबिक, यूरोपीय संघ की बड़ी तकनीकी प्रणालियों का संचालन संभालने वाली एजेंसी ईयू-लिसा ने तीनों कंपनियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की है। अखबार ने अपनी रिपोर्ट में आंतरिक बातचीत और दस्तावेजों का हवाला दिया है। हालांकि, इस मुकदमे से जुड़ी पूरी जानकारी अभी सार्वजनिक नहीं हुई है। जिस व्यवस्था को लेकर यह विवाद सामने आया है, उसे प्रवेश-निकास प्रणाली यानी ईईएस कहा जाता है।

## न्यूजीलैंड सीरीज से पहले शेफील्ड शील्ड में लौटेंगे ऑस्ट्रेलिया के 11 टेस्ट सितारे



**मेलबन ( हि.स. )।** न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज की तैयारियों के लिए ऑस्ट्रेलिया के 11 प्रमुख टेस्ट खिलाड़ी अगले एक महीने में अलग-अलग चरणों में शेफील्ड शील्ड क्रिकेट में वापसी करेंगे। न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम की घोषणा इस सप्ताह शेफील्ड शील्ड के चौथे दौर के मुकाबले समाप्त होने के बाद की जाएगी। ऑस्ट्रेलिया की चयन समिति के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने सोमवार को बताया कि कूपर कोनोली, एलेक्स कैरी, कैमरन ग्रीन, जोश इंग्लिस और अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ शेफील्ड शील्ड के पांचवें दौर में अपनी-अपनी राज्य टीमों की ओर से खेलेंगे। वहीं, मार्नस लाबुशेन, माइकल नेसर, मैट कुहनेमन, ब्यू वेबस्टर और नाथन लियोन चौथे दौर में मैदान पर उतरेंगे। बेली ने कहा कि मार्नस, माइकल नेसर, मैट कुहनेमन, ब्यू वेबस्टर और नाथन लियोन शेफील्ड शील्ड के चौथे दौर में खेलने की तैयारी कर रहे हैं। एलेक्स कैरी और स्टीव स्मिथ पांचवें दौर में टीम से जुड़ेंगे। कूपर कोनोली, कैमरन ग्रीन और जोश इंग्लिस भी पांचवें दौर में खेलेंगे। वे स्पष्ट रूप से टेस्ट सीरीज की तैयारी कर रहे हैं। स्कॉट बोलैंड के पांचवें दौर में खेलने की पुष्टि होना अभी बाकी है। बेली ने इससे पहले स्पष्ट किया था कि लाबुशेन को न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए चयन के दायरे में नहीं रखा जाएगा। उनके पूरी सीरीज से बाहर रहने की भी संभावना है। शेफील्ड शील्ड का चौथा दौर बुधवार से शुरू होगा। इसमें मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर विक्टोरिया और वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के बीच मुकाबला खेला जाएगा। वहीं, न्यू साउथ वेल्स की टीम साउथ ऑस्ट्रेलिया और क्वींसलैंड की टीम तस्मानिया से भिड़ेगी। पांचवें दौर के मुकाबले 22 नवंबर से शुरू होंगे। इस दौर में पुरानी प्रतिद्वंद्वी न्यू साउथ वेल्स और क्वींसलैंड आमने-सामने होंगी। इस मुकाबले का खास आकर्षण अच्छे दोस्त स्टीव स्मिथ और मार्नस लाबुशेन के बीच होने वाली संभावित भिड़ंत होगी।

# तीसरे वनडे में सीरीज जीतने के इरादे से उतरेगा भारत, गिल और रोहित पर रहेंगी निगाहें

**हैमिल्टन ( हि.स. )।** भारतीय क्रिकेट टीम बुधवार को यहां सेडन पार्क में न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में जीत के साथ सीरीज अपने नाम करने के इरादे से उतरेगी। पांच मैचों की सीरीज में भारत 2-0 से आगे है। हालांकि, चोटों से जूझ रही न्यूजीलैंड की टीम को उसके घरेलू मैदान पर हराना आसान नहीं होगा। यहां की परिस्थितियां तेज गेंदबाजों के अनुकूल हैं और भारतीय शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों की परीक्षा ले सकती हैं। पहले दो मुकाबलों में विराट कोहली को छोड़कर भारतीय बल्लेबाजी क्रम के अन्य खिलाड़ी सहज नजर नहीं आए हैं। कप्तान शुभमन गिल और अनुभवी रोहित शर्मा भी तेज गेंदबाजों के सामने संघर्ष करते दिखे हैं। गिल के लिए इस मुकाबले में सीरीज जीतना प्राथमिकता होगी। इसके बाद वह दो टेस्ट मैचों की सीरीज की तैयारी के लिए टीम से अलग हो जाएंगे। आखिरी दो वनडे में श्रेयस अय्यर टीम की कमान संभालेंगे। तीसरे मुकाबले पर भी बारिश का असर पड़ सकता है। ठंड और गीले मौसम के कारण पिच पर गेंद को अतिरिक्त स्विंग और उछाल मिलने की संभावना है। ऐसी परिस्थितियां बल्लेबाजों के लिए दोहरी चुनौती पेश कर सकती हैं। रोहित शर्मा को पहले दो मैचों में अपने प्रदर्शन में सुधार करना होगा। वह पहले मुकाबले में खाता भी नहीं खोल सके थे, जबकि



दूसरे मैच में 23 रन बनाकर आउट हुए। पिछले एक साल में रोहित ने अपनी बल्लेबाजी की शैली में बदलाव किया है। अब वह शुरुआत में पारी को संभालने के बाद आक्रामक रुख अपनाने पर जोर देते हैं। 2023 एकदिवसीय विश्व कप तक उनका अंदाज जोखिम लेकर तेजी से रन बनाने का था। हालांकि, नई रणनीति के नतीजे मिले-जुले रहे हैं। न्यूजीलैंड की परिस्थितियों में अब तक सतर्क बल्लेबाजी की जरूरत रही है, लेकिन रोहित दोनों मैचों में सहज नहीं दिखे। इसके विपरीत विराट कोहली दूसरे वनडे में कम समय तक क्रीज पर रहने के बावजूद अच्छी लय में नजर आए थे। भारतीय टीम के जीत के संयोजन में बदलाव की संभावना कम है, लेकिन मुख्य कोच गौतम गंभीर पांचवें नंबर पर अक्षर पटेल को भेजने की रणनीति पर दोबारा विचार कर सकते हैं। वेलिंगटन में दूसरे वनडे के दौरान अक्षर को अनुभवी केएल राहुल से पहले बल्लेबाजी के लिए भेजा गया था। राहुल ने बाद में नाबाद 26 रन की उपयोगी पारी खेलकर टीम को संकट से निकाला था। अक्षर को राहुल से पहले भेजने के पीछे मध्यक्रम में बाएं हाथ का बल्लेबाज रखने की रणनीति थी, क्योंकि शीर्ष चारों बल्लेबाज दाएं हाथ के हैं। हालांकि, अतिरिक्त स्विंग और असमान उछाल वाली परिस्थितियों में अक्षर की बल्लेबाजी उतनी प्रभावी नहीं दिखती। अक्षर टीम के एकमात्र विशेषज्ञ स्पिनर हैं और शीर्ष क्रम के अन्य बल्लेबाज नियमित रूप से गेंदबाजी नहीं करते। ऐसे में गंभीर के पास इस स्थान पर ईशान किशन जैसे आक्रामक बल्लेबाज को उतारने का विकल्प भी सीमित है। उम्मीद है कि आखिरी दो मुकाबलों में किशन विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभालेंगे, जबकि राहुल टेस्ट टीम से जुड़ेंगे। भारत की तेज गेंदबाजी ने अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है। औकिब नबी ने विकेट हासिल किए हैं, जबकि गुरनूर बराड़, अंशुल कंबोज और अर्शदीप सिंह ने भी प्रभाव छोड़ा है। हालांकि, गेंदबाजों की सफलता में न्यूजीलैंड की परिस्थितियों का भी योगदान रहा है। टेस्ट सीरीज शुरू होने में करीब 10 दिन शेष हैं, ऐसे में इस मुकाबले में मोहम्मद सिराज को खिलाने का कोई खास औचित्य नजर नहीं आता। दूसरी ओर, न्यूजीलैंड का प्रदर्शन अपनी घरेलू परिस्थितियों में उम्मीद के अनुरूप नहीं रहा है। कप्तान मिचेल सैंटनर दोनों मुकाबलों में टॉस हार चुके हैं, लेकिन टीम की सबसे बड़ी चिंता शीर्ष क्रम की नाकामी है। पहले दो मैचों में बल्लेबाजों के संघर्ष ने गेंदबाजों पर दबाव बढ़ा दिया है। डेवोन कॉनवे के चोट के कारण बाहर होने और रचिन रवींद्र के चोटिल होने से टीम की मुश्किलें बढ़ी हैं। अनुभवी टॉम लैथम भी रन बनाने के लिए जूझ रहे हैं। टिम सीफर्ट, विल यंग और हेनरी निकोल्स की शीर्ष तीन की जोड़ी पहले दोनों मुकाबलों में लंबी साझेदारी करने में नाकाम रही है। न्यूजीलैंड को तेज गेंदबाज ब्लेयर टिकनर की कमी भी खलेगी। वह चोट के कारण तीसरे वनडे से बाहर हैं। उनकी जगह भारत ए के खिलाफ हाल ही में अनौपचारिक टेस्ट खेलने वाले क्रिस्टियन क्लार्क को टीम में शामिल किया गया है। लैथम और निकोल्स के लिए तीसरा वनडे टेस्ट सीरीज से पहले फॉर्म हासिल करने का आखिरी मौका होगा। दोनों अनुभवी बल्लेबाज पहले दो मुकाबलों में संघर्ष करते रहे हैं और इस मैच में बड़ी पारी खेलकर आत्मविश्वास हासिल करना चाहेंगे।

## टेस्ट शतक लगाने वाले जिम्बाब्वे के सबसे उम्रदराज बल्लेबाज बने क्रेग इर्विन

**शारजाह ( हि.स. )।** जिम्बाब्वे के बल्लेबाज क्रेग इर्विन ने अफगानिस्तान के खिलाफ जारी पहले टेस्ट मैच में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने 41 साल और 82 दिन की उम्र में टेस्ट शतक लगाकर जिम्बाब्वे की ओर से यह कारनामा करने वाले सबसे उम्रदराज बल्लेबाज बनने का रिकॉर्ड बनाया। इर्विन ने सोमवार को मैच की दूसरी पारी में अपने टेस्ट करियर का पांचवां शतक लगाया। इसके साथ ही उन्होंने ब्रेंडन टेलर का रिकॉर्ड तोड़ दिया, जिन्होंने इसी टेस्ट की पहली पारी में 131 रन बनाकर जिम्बाब्वे के सबसे उम्रदराज टेस्ट शतकवीर बनने का रिकॉर्ड बनाया था। इस सदी में टेस्ट शतक लगाने वाले इर्विन दुनिया के दूसरे सबसे उम्रदराज बल्लेबाज हैं। उनसे आगे पाकिस्तान के मिस्बाह-उल-हक हैं, जिन्होंने 2016 में लॉर्ड्स में इंग्लैंड के खिलाफ 42 साल और 47 दिन की उम्र में 114 रन की पारी खेली थी। इर्विन ने इसी मुकाबले के दौरान टेस्ट क्रिकेट में अपने 2,000 रन भी पूरे किए। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले जिम्बाब्वे के सातवें बल्लेबाज बन गए हैं। जिम्बाब्वे और अफगानिस्तान के बीच जारी यह मुकाबला ड्रॉ की ओर बढ़ रहा है। पांचवें दिन चाय के विश्राम तक जिम्बाब्वे ने दूसरी पारी में पांच विकेट पर 372 रन बना लिए थे।

## मैग्डा लिनेट ने जेनिस तेन को हराकर जीता चेन्नई ओपन का खिताब



**चेन्नई ( हि.स. )।** पोलैंड की मैग्डा लिनेट ने शीर्ष वरीयता प्राप्त और मौजूदा चैंपियन इंडोनेशिया की जेनिस तेन को हराकर चेन्नई ओपन टेनिस टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम कर लिया। सोमवार को खेले गए फाइनल में लिनेट ने 5-7, 6-1, 6-4 से जीत दर्ज की। बारिश और खराब मौसम के कारण यह मुकाबला एक दिन के लिए टाल दिया गया था। दो घंटे 43 मिनट तक चले खिताबी मुकाबले में जीत के साथ लिनेट ने अपने करियर का चौथा डब्ल्यूटीए खिताब हासिल किया। इससे पहले उन्होंने 2019 में द ब्रॉन्क्स, 2020 में हुआ हिन और 2024 में प्राग में खिताब जीते थे। लिनेट ने चार साल बाद चेन्नई में अपना अधूरा सपना भी पूरा किया। वह 2022 में इसी टूर्नामेंट के फाइनल में लिंडा फ्रुहविर्टोवा से हार गई थीं। उस मुकाबले के तीसरे सेट में लिनेट 4-1 से आगे थीं, लेकिन इसके बावजूद उन्हें 4-6, 6-3, 6-4 से हार का सामना करना पड़ा था। इस बार उन्होंने खिताब जीतकर उस हार का हिसाब चुकता कर दिया। चेन्नई में यह लिनेट का नौवां करियर फाइनल था। यह पहला टूर्नामेंट भी रहा, जिसमें उन्होंने एक से अधिक बार फाइनल में जगह बनाई। जेनिस तेन लगातार दूसरी बार चेन्नई ओपन का खिताब जीतने के इरादे से उतरी थीं। उन्होंने पिछले साल लिनेट को हराकर ही खिताब जीता था। तेन चेन्नई में लगातार दो बार चैंपियन बनने वाली पहली खिलाड़ी बनने की कोशिश में थीं, लेकिन लिनेट ने उनका यह सपना पूरा नहीं होने दिया। लिनेट और तेन के बीच फाइनल मुकाबला मूल रूप से रविवार को होना था।

## विजय मर्चेंट ट्रॉफी के लिए दिल्ली की अंडर-16 टीम घोषित

**नई दिल्ली ( हि.स. )।** दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) ने आगामी विजय मर्चेंट ट्रॉफी 2026-27 के लिए दिल्ली की 16 सदस्यीय अंडर-16 टीम की घोषणा कर दी है। पार्थ डबास को टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। वह टूर्नामेंट के शुरुआती दो मुकाबलों में दिल्ली की अगुआई करेंगे। घरेलू सत्र 2026-27 के तहत आयोजित होने वाले इस टूर्नामेंट के लीग चरण के मुकाबले 14 नवंबर से ग्वालियर में शुरू होंगे। घोषित टीम में दो विकेटकीपर आयुष्मान अधिकारी और युविश सिंह को भी शामिल किया गया है। डीडीसीए की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, टीम का चयन 6 नवंबर को डीडीसीए परिसर में आयोजित जूनियर पुरुष चयन समिति की बैठक में किया गया। बैठक में समिति की अध्यक्षता कर रहे मयंक सिडाना के अलावा चयनकर्ता अभिषेक शर्मा और योगेश नागर, डीडीसीए क्रिकेट सलाहकार समिति के सदस्य रॉबिन सिंह जूनियर, मुख्य कोच राजू शर्मा और डीडीसीए के सचिव अशोक शर्मा उपस्थित रहे।

**पहले दो मुकाबलों के लिए दिल्ली की 16 सदस्यीय टीम:-** पार्थ डबास (कप्तान), वेदांत मलिक, कबीर तलवार, शिवांश सिंह, आयुष्मान अधिकारी (विकेटकीपर), युविश सिंह (विकेटकीपर), वेदांत गुप्ता, ईशान गुप्ता, गौतम यादव, अर्णव शर्मा, आर्य सिंह, दर्श अग्रवाल, प्रणय शर्मा, आरुष यादव, नैतिक सिंह और सक्षम यादव।

## खेल मंत्री डॉ. मांडविया ने जारी किया खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2026 का कार्यक्रम



**नई दिल्ली ( हि.स. )।** केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने सोमवार को खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2026 का पूरा कार्यक्रम घोषित किया। तेलंगाना में 11 से 22 दिसंबर तक आयोजित होने वाले इस आयोजन में 27 प्रतिस्पर्धी और एक प्रदर्शन खेल सहित कुल 28 खेल शामिल होंगे। खेलो इंडिया कार्यक्रम के इतिहास में पहली बार तेलंगाना इसकी मेजबानी करेगा। हैदराबाद में लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम परिसर, बशीरबाग और आधुनिक गाचीबोवली खेल परिसर सहित विभिन्न स्थानों पर 22 खेलों के पदक मुकाबले आयोजित किए जाएंगे। बाकी खेलों की मेजबानी खम्मम (तीरंदाजी), हनुमकोंडा (एथलेटिक्स), करीमनगर (जूडो), निजामाबाद (टेबल टेनिस) और महबूबनगर (कबड्डी) करेंगे। डॉ. मांडविया ने कहा कि मुझे खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2026 का कार्यक्रम घोषित करते हुए बेहद खुशी हो रही है। इसके साथ ही खेलो इंडिया प्रतियोगिताओं की एक श्रृंखला की शुरुआत होगी। पिछले कुछ वर्षों में इन आयोजनों ने प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अपनी क्षमता दिखाने का मंच दिया है। इसके बाद खिलाड़ी हमारी योजनाओं के माध्यम से उत्कृष्टता की राह पर आगे बढ़ते हैं। अइची-नागोया में हुए एशियाई खेलों के ठीक बाद खेलो इंडिया यूथ गेम्स आयोजित हो रहे हैं, इसलिए हमें यहां कुछ बेहतरीन प्रदर्शन देखने की उम्मीद है। 12 दिनों तक चलने वाले इस खेल आयोजन में लगभग छह हजार खिलाड़ियों और 1800 सहयोगी स्टाफ के हिस्सा लेने की उम्मीद है।

## न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से बाहर होंगे मार्नस लाबुशेन

**मेलबर्न ( हि.स. )।** ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन को न्यूजीलैंड के खिलाफ दिसंबर और जनवरी में होने वाली आगामी टेस्ट सीरीज से बाहर रखा जा सकता है। दक्षिण अफ्रीका दौरे पर खराब प्रदर्शन के बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम की चयन समिति ने उन्हें फिलहाल टीम में शामिल नहीं करने का फैसला किया है। चयन समिति के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने सोमवार (9 नवंबर) को स्पष्ट किया कि लाबुशेन को न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के लिए इस समय चयन के दायरे में नहीं रखा जाएगा। हालांकि, उन्होंने भविष्य में टीम में वापसी की संभावना से इनकार नहीं किया। बेली ने मीडिया से बातचीत में कहा कि इस समय हम निश्चित रूप से पहले टेस्ट के लिए मार्नस पर विचार नहीं करेंगे, बल्कि न्यूजीलैंड सीरीज के लिए भी उन्हें चयन के दायरे में नहीं रखेंगे। टीम में उनकी जगह को लेकर काफी अटकलें लगाई जा रही हैं। इसलिए मुझे लगता है कि इससे उन्हें थोड़ा समय और मानसिक राहत मिलेगी। साथ ही, शेफील्ड शील्ड क्रिकेट के अगले दौर के दौरान उनकी टीम में जगह को लेकर चल रही चर्चाओं पर भी विराम लगेगा। पिछले 17 महीनों में यह दूसरी बार है, जब लाबुशेन को ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट टीम में अपनी जगह गंवानी पड़ी है। लंबे समय तक तीसरे नंबर पर टीम की मजबूत कड़ी रहे लाबुशेन का शतकीय सूखा लगातार बढ़ता जा रहा है।

## भारत ए-न्यूजीलैंड ए के बीच तीसरे अनौपचारिक टेस्ट का तीसरा दिन बारिश की भेंट चढ़ा

**लिंकन ( हि.स. )।** भारत ए और न्यूजीलैंड ए के बीच तीसरे और अंतिम बहुदिवसीय अनौपचारिक टेस्ट मैच के तीसरे दिन का खेल सोमवार को लगातार बारिश के कारण नहीं हो सका। लिंकन के बर्ट सटक्लिफ ओवल में पूरे दिन बारिश जारी रहने के कारण एक भी गेंद नहीं फेंकी जा सकी। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक न्यूजीलैंड ए ने भारत ए के पहली पारी के 464 रन के जवाब में दो विकेट पर 36 रन बना लिए थे। भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी पांच विकेट पर 464 रन बनाकर घोषित की थी। बारिश के कारण भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और प्रसिद्ध कृष्णा को भी अभ्यास मैच में गेंदबाजी का पर्याप्त



मौका नहीं मिल सका। दोनों खिलाड़ी ब्रेक के बाद मैदान पर वापसी कर रहे हैं और न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी दो टेस्ट मैचों की सीरीज की तैयारी में जुटे हैं। बुमराह ने दूसरे दिन शाम को छह ओवर गेंदबाजी की थी, लेकिन उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। वहीं, प्रसिद्ध कृष्णा ने न्यूजीलैंड ए की पहली पारी में गिरे दोनों विकेट अपने नाम किए थे। इससे पहले भारत ए की पारी में सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने दौरे का लगातार दूसरा शतक लगाते हुए 102 रन बनाए। उनके अलावा साई सुदर्शन ने 88, ध्रुव जुरेल ने 71 और तिलक वर्मा ने नाबाद 81 रन की पारी खेली। वाशिंगटन सुंदर 50 रन बनाकर नाबाद रहे। दोनों टीमों के बीच खेली गई अनौपचारिक टेस्ट सीरीज के शुरुआती दोनों मुकाबले ड्रॉ रहे थे।

*नेपाल के साथ त्रिकोणीय टी-20 सीरीज*

## भारत की अंडर-19 टीमों की कमान भाविका और अनादी को

**नई दिल्ली ( हि.स. )।** भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोमवार को नेपाल की अंडर-19 टीम के साथ होने वाली आगामी टी-20 त्रिकोणीय सीरीज के लिए भारतीय टीमों की घोषणा कर दी। विकेटकीपर बल्लेबाज भाविका अहिरे अंडर-19 ए और तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर अनादी तागड़े अंडर-19 बी की कप्तानी करेंगी। यह त्रिकोणीय सीरीज 10 से 22 नवंबर तक बेंगलुरु के बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में खेली जाएगी। यह प्रतियोगिता 2027 में होने वाले आईसीसी अंडर-19 महिला टी-20 विश्व कप की तैयारियों के लिहाज से अहम है। अगले साल की शुरुआत में बांग्लादेश और नेपाल संयुक्त रूप से इस विश्व कप की मेजबानी करेंगे। भारत ने 2023 और 2025 में खिताब जीता था और अब 2027 में लगातार तीसरी बार चैंपियन बनने के लक्ष्य के साथ उतरेगा। भाविका की कप्तानी में भारतीय टीम इस साल चेन्नई और पुडुचेरी में श्रीलंका अंडर-19 के खिलाफ टी-20 और एकदिवसीय सीरीज जीत चुकी है। वह 2025 में विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम की सदस्य भी थीं। उस टीम में ईश्वरी अवसारे भी शामिल थीं, जिन्हें इस बार भारत अंडर-19 बी टीम में जगह मिली है। मुंबई की प्रतिभाशाली बल्लेबाज इरा जाधव को भाविका की टीम का उपकप्तान बनाया गया है। शांभवी राजपूत इस टीम में दूसरी विकेटकीपर होंगी।

## सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए दिल्ली की टीम घोषित, आयुष बडोनी होंगे कप्तान

**नई दिल्ली ( हि.स. )।** दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) ने आगामी सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2026-27 के लिए दिल्ली की 16 सदस्यीय पुरुष सीनियर टीम की घोषणा कर दी है। आयुष बडोनी को टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है, जबकि प्रियांश आर्य उपकप्तान की जिम्मेदारी संभालेंगे। घरेलू टी-20 प्रतियोगिता का आयोजन 14 नवंबर से इंदौर में होगा। डीडीसीए की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, टीम का चयन 6 नवंबर को डीडीसीए परिसर में आयोजित सीनियर पुरुष चयन समिति की बैठक में किया गया। बैठक में चयन समिति के अध्यक्ष के. भास्कर पिल्लई, चयनकर्ता मनु नायर और प्रवीण गुप्ता, मुख्य कोच विजय दहिया, क्रिकेट सलाहकार समिति के अध्यक्ष सरनदीप सिंह तथा डीडीसीए के सचिव अशोक शर्मा मौजूद रहे। दिल्ली की टीम में अनुभवी खिलाड़ियों के साथ उभरती प्रतिभाओं को भी मौका दिया गया है।

# टीपीएल 36 जूनियर खिलाड़ियों को देगी 75-75 हजार रुपए की छात्रवृत्ति, दो को मिलेगा ऑस्ट्रेलियन ओपन 2027 का मौका

**मुंबई ( हि.स. )।** किआ टेनिस प्रीमियर लीग (टीपीएल) ने भारतीय टेनिस की युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए अपनी रेस टू गोल्ड (आरटीजी) पहल के तहत 36 जूनियर खिलाड़ियों को छात्रवृत्ति देने की घोषणा की है। छह क्षेत्रों से चुने गए इन खिलाड़ियों को 75-75 हजार रुपए की छात्रवृत्ति मिलेगी। इसके अलावा अंडर-14 वर्ग के एक लड़के और एक लड़की को ऑस्ट्रेलियन ओपन 2027 देखने के लिए मेलबर्न जाने का अवसर मिलेगा। टीपीएल ने सोमवार को 2026 रेस टू गोल्ड मास्टर्स प्रतियोगिता की तारीखों की घोषणा की। महाराष्ट्र, गुजरात, तमिलनाडु, तेलंगाना, कर्नाटक और उत्तर क्षेत्र से 36 प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को इस पहल के तहत चुना जाएगा। पहली बार किआ इंडिया इस पहल से जुड़ा है और भारतीय टेनिस को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने तथा युवा खिलाड़ियों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराने में सहयोग कर रहा है। रेस टू गोल्ड मास्टर्स प्रतियोगिता नवंबर में तीन सप्ताहांत के दौरान आयोजित होगी। इसमें अंडर-10, अंडर-12 और अंडर-14 आयु



वर्ग के लड़के और लड़कियां हिस्सा लेंगे। तीन चरणों में होंगे मुकाबले

* **किआ टीपीएल नॉर्थ जोन मास्टर्स :** 14-15 नवंबर, दिल्ली लॉन टेनिस एसोसिएशन (डीएलटीए), दिल्ली।
* **किआ टीपीएल गुजरात मास्टर्स :** 21-22 नवंबर, एसआरटी10 अल्टेवोल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, अहमदाबाद।
* **किआ टीपीएल महाराष्ट्र मास्टर्स :** 28-29 नवंबर, गोरेगांव स्पोर्ट्स क्लब, मुंबई।

छात्रवृत्ति के तहत खिलाड़ियों को टेनिस उपकरण, उनकी जरूरत के अनुसार विशेष परिधान, पेशेवर मार्गदर्शन और भारतीय टेनिस के दिग्गज खिलाड़ियों लिएंडर पेस तथा रोहन बोपन्ना के साथ-साथ शीर्ष अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों से जुड़ने के अवसर भी दिए जाएंगे। 36 छात्रवृत्ति विजेताओं को इस दिसंबर हैदराबाद में आयोजित होने वाले किआ टेनिस प्रीमियर लीग के आठवें सत्र के दौरान सम्मानित किया जाएगा। यह समारोह जियोहॉटस्टार पर होने वाले सीधे प्रसारण का भी हिस्सा होगा। टीपीएल के अनुसार, रेस टू गोल्ड कार्यक्रम को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ाते हुए किआ इंडिया और टीपीएल ने किआ टीपीएल रोड टू द ऑस्ट्रेलियन ओपन 2027 पहल भी शुरू की है। इसके तहत छह क्षेत्रों से छात्रवृत्ति हासिल करने वाले अंडर-14 वर्ग के छह लड़के और छह लड़कियां 29 नवंबर को मुंबई में होने वाली अंतिम राउंड रॉबिन प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। इस प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले एक लड़के और एक लड़की को ऑस्ट्रेलियन ओपन 2027 के लिए मेलबर्न जाने का अवसर मिलेगा। दोनों खिलाड़ियों के साथ उनके एक-एक अभिभावक का यात्रा और अन्य खर्च किआ इंडिया वहन करेगा। इस तरह युवा खिलाड़ियों को दुनिया के सबसे बड़े टेनिस टूर्नामेंटों में शामिल एक प्रतिष्ठित प्रतियोगिता को करीब से देखने और अंतर्राष्ट्रीय टेनिस का अनुभव हासिल करने का मौका मिलेगा। टीपीएल ऐप के माध्यम से संचालित रेस टू गोल्ड पहल का उद्देश्य जमीनी स्तर पर टेनिस को बढ़ावा देना और युवा खिलाड़ियों को इस खेल में आगे बढ़ने के लिए जरूरी संसाधन तथा अवसर उपलब्ध कराना है।

## सीनियर पुरुष एवं महिला जिम्नास्टिक का जिला और मंडल स्तरीय ट्रायल 16 व 17 नवंबर को

**मुरादाबाद ( हि.स. )।** सीनियर पुरुष एवं महिला जिम्नास्टिक का जिला स्तरीय ट्रायल 16 नवंबर को अपराह्न तीन बजे और मंडल स्तरीय ट्रायल 17 नवंबर को पूर्वाह्न 11 बजे सोनकपुर स्टेडियम में होगा। चयनित खिलाड़ी 19 से 21 नवंबर तक गोरखपुर में होने वाली प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे। क्रीड़ाधिकारी सुनील कुमार सिंह ने सोमवार को बताया कि सीनियर महिला कबड्डी के लिए जिला स्तरीय ट्रायल 17 नवंबर को अपराह्न तीन बजे और मंडल स्तरीय ट्रायल 18 नवंबर को पूर्वाह्न 11 बजे होगा।। इसकी प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता 19 से 21 नवंबर तक अमरोहा में आयोजित होगी। वहीं सीनियर पुरुष कबड्डी के जिला स्तरीय ट्रायल 25 नवंबर को अपराह्न तीन बजे और मंडल स्तरीय ट्रायल 26 नवंबर को सुबह 11 बजे से होंगे। प्रदेश स्तरीय मुकाबले 27 से 29 नवंबर तक अलीगढ़ में होंगे।

# असफलता के बाद भी

## इस तरह बनाए रखें अपना उत्साह

**वह कौन-सी चीज है जो सफल लोगों को असफलता में भी मोटिवेटेड बनाए रखती है? अपनी असफलता के कड़वे अनुभव से उबरकर फिर से उसी दिशा में प्रयासरत रहने के लिए यह जानना जरूरी है।**

**दुनिया** के सारे सफलतम लोगों ने अपनी जिंदगी में कभी-न-कभी असफलता का कड़वा घूंट जरूर पिया है। जब कभी हम उनकी सफलता की कहानियां सुनते हैं, उनकी शुरुआती असफलता के किस्से भी सुनने को मिलते हैं। यह अलग बात है कि हम सफलता से इतने अभिभूत रहते हैं कि असफलता को देखना भी नहीं चाहते हैं। हम वॉल्ट डिज्नी की सफलता से इतने अभिभूत रहते हैं कि यह भूल जाते हैं कि एक अखबार के एडिटर ने उन्हें

कल्पनाशीलता का अभाव बताकर नौकरी से निकाल दिया था। जब कोबे ब्रायंट अपने पहले बॉस्केटबॉल कैंप में गए तो वहां उन्होंने एक भी पॉइंट नहीं हासिल किया था। हममें से कितने लोगों ने टर्फ-ओ-डेटा का नाम सुना है?

माइक्रोसॉफ्ट से पहले यही बिल गेट्स का वेंचर था। यह काम नहीं कर पाया और माइक्रोसॉफ्ट सफल हो गया। दुनिया में इस तरह के किस्सों की भरमार है। विंसेंट वॉन गॉग के जीवनकाल में उनकी महज एक पेंटिंग बिकी थी। लेकिन उन्होंने जीवन भर पेंटिंग बनाई! मूल बात यह है कि वह कौन-सी चीज है जो सफल लोगों को

### नियंत्रण हाथ में लें

जब आपके आसपास विपरीत चीजें होने लगती है तो ऐसा लगना स्वाभाविक है कि चीजें आपके नियंत्रण से बाहर हैं। और सच यह है कि ज्यादातर दुर्भाग्यपूर्ण मामलों में हकीकत में स्थिति आपके नियंत्रण में नहीं ही होती है। जैसे परिवार में किसी का बीमार होना या फिर आपकी कंपनी के कॉस्टकटिंग अभियान में आपका भी नाम होना।

(अ) कई बार लगता है कि आप स्थितियों पर स्वयं नियंत्रण किए हुए हैं और आप उन्हें प्रभावित कर सकते हैं। जब आपमें यह विचार आने लगे तो आपमें आत्मविश्वास आता है और आप तनाव व दबाव को अपने आप कम महसूस करते हैं।

(ब) जब स्थितियां ऐसी हों कि आपके करने के लिए कुछ न हो व आपको यह महसूस होने लगे कि परिस्थितियां आपके जीवन को निर्धारित करने लगी हैं, तब तनाव ज्यादा महसूस होता है निराशा हावी होने लगती है।

कई सारे अध्ययन यह बताते हैं कि जब आप कोई निर्णय लेते हैं तो आपमें आत्मविश्वास की वृद्धि होती है और आप कुछ करने के लिए प्रेरित होते हैं। खुद को पहचानने और अपना आत्मविश्वास बनाए रखने के लिए अपने जीवन से जु? छोटे-छोटे निर्णय लेते रहें। इससे आपमें प्रेरणा उत्पन्न होगी। जैसे यदि आपका वजन ज्यादा है तो उसे कम करने के बारे में निर्णय लें। सीधी-सी बात यह है कि आप कोई निर्णय लें ताकि उसकी दिशा में आप काम करना शुरू करें। हालांकि इसका आपकी निराशा से संबंध हो या न हो... यह आपके व्यक्तित्व में सकारात्मक बदलाव जरूर लाएगा।

### खुद को भी कारण बताएं

मानवीय स्वभाव ऐसा है कि वह हर चीज के पीछे कारण ढूंढता है। यदि आप किसी वजह से असफल हुए हैं तो खुद को कोई कारण जरूर दें। जैसे यदि किसी परीक्षा में हम असफल हुए हैं तो हमें लगता है कि हमारी ही तैयारी में कुछ कमी रह गई होगी। थोड़ा ज्यादा वक्त पड़ने में देते या ज्यादा ध्यान देते... इससे आपकी निराशा और

गहरी हो जाती है। इसके बजाए ऐसा करें कि खुद को यह बताएं कि हो सकता है थोड़ी मेहनत में कसर रह गई, लेकिन इस परीक्षा से एक अनुभव मिला। पता चला कि इसमें कैसे और क्या पड़ा जाना था, कैसी तैयारी की जानी थी। इससे आपकी निराशा कुछ कम होगी।

### हर चीज को व्यक्तिगत तौर पर न लें

जब कभी जीवन में मुश्किल वक्त आता है, तब उसके लिए हम खुद को ही जिम्मेदार मानते हैं। गलत निर्णय ले लिया, फिर क्षमता से ज्यादा बड़ा दांव खेल लिया। ऐसा करके हम अक्सर अपना ही मनोबल कमजोर करते हैं। इसमें होता यह है कि मुश्किलें जितनी बड़ी होती नहीं है, उससे ज्यादा बड़ी नजर आने लगती हैं। हमेशा मोटिवेटेड रहने के लिए जरूरी है कि चीजों के प्रति तटस्थ दृष्टिकोण अपनाया जाए। हर चीज के लिए खुद को दोष देना बंद करें। देखने की कोशिश करें कि आपकी कमी के अतिरिक्त भी और क्या चीजें है जिनकी वजह से आप असफल हुए। यह आपको एक तरह से राहत देगा। साथ ही यह भी होगा कि आप अपनी कमी इत्मीनान से दुरुस्त कर पाएंगे।

## अगर आपको भी अपनी नौकरी से परेशानी, तो अपनाएं ये टिप्स

# जल्द मिलेगी नई नौकरी

**नौकरी करने वाले लोगों में आपने शायद ही कोई ऐसा देखा होगा, जिसे अपनी जॉब से कोई प्रॉब्लम न हो. ज्यादातर लोगों को नौकरी से जुड़ी कोई न कोई समस्या जरूर होती है और इसी कारण बहुत से लोग जॉब स्विच करने के बारे में सोचते रहते हैं. अगर आपको भी अपनी जॉब से प्रॉब्लम है और नई नौकरी पाना चाहते हैं तो इसके लिए फॉलो करें ये आसान टिप्स...**



### नेटवर्किंग

दूसरी नौकरी पाने में जो चीज सबसे ज्यादा आपके काम आती है, वो है नेवर्किंग. फील्ड में रह कर बनाए गए कॉन्टैक्ट्स जॉब चेंज करने में काफी मदद करते हैं. किस कंपनी में जॉब वैकेंसी और किसमें नहीं ये आपके कॉन्टैक्ट्स ही आपको बताते हैं. इसलिए भले ही आप ऊंचे से ऊंचे मुकाम तक क्यों न पहुंच जाएं, कभी भी लोगों से अपना संपर्क न तोड़ें.

### इवेंट्स करें अटेंड

नई नौकरी पाने के लिए आपको अलग-अलग संस्थानों या फिर वैरिटी द्वारा आयोजित किए गए इवेंट्स में शामिल होना चाहिए. आपको इस मौके का पूरा फायदा उठाना चाहिए और हर मीटिंग में अपनी फील्ड से जुड़े कम से कम एक व्यक्ति से जरूर मिलना चाहिए. क्या पता कब कौन जॉब दिलाने में आपकी मदद कर दे.

### लिंक्डइन का उठाएं फायदा

लिंक्डइन पर अकाउंट बनाने का फायदा आपको आपकी मनपसंदीदा जॉब भी दिला सकता है. लिंक्डइन सही लोगों से जुड़ने का एक पावरफुल माध्यम है. यहां पर आप अपने टारगेट मार्केट (जिसमें आप नौकरी ढूंढ रहे हों) को सर्च कर सकते हैं. लिंक्डइन के हर एक सेक्शन में अगर आप सही जानकारी फिल करते हैं और अपनी सर्च में सही कीवर्ड्स का इस्तेमाल करते हैं तो इससे दूसरों को आपके बारे में बेहतर पता चल पाता है.

### जॉब साइट्स पर बनाए रखें नजर

नई जॉब तलाश रहे लोगों को नौकरी.कॉम या फिर शाइन.कॉम जैसे जॉब पोर्टल्स पर भी नजर बनाए रखनी चाहिए. साथ ही आपको समय-समय पर अपना सीवी भी अपडेट करते रहना चाहिए. इसके अलावा जॉब से जुड़े ई-मेल्स पर भी नजर बनाए रखनी चाहिए. साथ ही आप नई नौकरियों के अपडेट्स के लिए अन्य जॉब वेबसाइट्स या फिर अखबार का भी सहारा ले सकते हैं.

# आकर्षक पैंकेजिंग में भी है करियर

जो दिखता है, वह बिकता है। यह सिर्फ एक पंचलाइन नहीं, आज की बिजनेस कंपनियों की सफलता का मंत्र भी है। दवाओं से लेकर खाने-पीने के सामान और सौंदर्य उत्पाद बनाने वाली कंपनियों के लिए पैकेजिंग एक ऐसा मार्केटिंग टूल है, जो साइलेंट सेल्सपर्सन का काम करता है। याद कीजिए, हम खुद कितनी बार स्टोर से कई चीजें सिर्फ इसलिए खरीद लेते हैं, क्योंकि उनकी पैकिंग दिखने में बहुत आकर्षक लगती है। कई बार तो हम-आप किसी उत्पाद के डिब्बे या बॉटल को सहेजकर भी रख लेते हैं, उसे फेंकना नहीं चाहते। दरअसल, यही पैकेजिंग का जादू है, जो न केवल ग्राहकों का ध्यान अपनी ओर खींचे, बल्कि उन्हें खरीदने के लिए मजबूर भी कर दे। मॉल और ऑनलाइन मार्केटिंग के इस दौर में अपने उत्पादों को नए-नए रूप-रंग में पेश करने पर सभी कंपनियों का जोर है। इस कारण इस फील्ड में तकनीकी और गैर-तकनीकी दोनों तरह की पृष्ठभूमि वाले युवाओं के लिए करियर की संभावनाएं लगातार बढ़ रही हैं।

### बढ़ रही है इंडस्ट्री

फिक्की-टीएसएमजी की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, भारत वर्तमान में विश्व



के टॉप-10 पैकेजिंग उपयोगकर्ता देशों में शुमार हो चुका है। ऐसा इसलिए कि रिटेल और ई-कॉमर्स में आए बूम के कारण पैकेजिंग की मांग यहां कई गुना बढ़ गई है। हालांकि भारत में प्रति व्यक्ति पैकेजिंग की खपत अभी सिर्फ 4.3 किलो है, जबकि जर्मनी और चीन में यह क्रमश: 42 किलो और 19 किलो है।

वैसे तो पैकेजिंग का इस्तेमाल आजकल हर चीज में हो रहा है लेकिन दवा, खाने-पीने के सामान, पेय पदार्थ, सौंदर्य उत्पाद, आईटी व इलेक्ट्रॉनिक उपरकरण बनाने वाली कंपनियों को पैकेजिंग की जरूरत कहीं ज्यादा होती है, जहां हर समय पैकेजिंग के स्किल्ड प्रोफेशनल्स की मांग रहती है। ऐसे प्रोफेशनल्स किसी भी सेवा प्रदाता कंपनी में मैनेजर, असिस्टेंट मैनेजर, पैकेजिंग स्पेशलिस्ट, मटेरियल मैनेजर, डिलिवरी एरिया मैनेजर तथा क्वॉलिटी एनालिस्ट जैसे पदों पर अपनी सेवाएं देते हैं।

### कोर्स व क्वॉलिफिकेशन

पैकेजिंग टेक्नोलॉजी या डिजाइन में संबंधित कोर्स अभी देश के कुछेक संस्थानों में ही संचालित हो रहे हैं, जहां से पीजी डिप्लोमा और सर्टिफिकेट प्रोग्राम किया जा सकता है। यह कोर्स साइंस, इंजीनियरिंग या अन्य पृष्ठभूमि के युवा 12वीं या ग्रेजुएशन के बाद कर सकते हैं। आईआईपी के संस्थानों में विद्यार्थियों को प्लेसमेंट की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाती है।

### सैलरी कितनी?

पैकेजिंग उद्योग कमाई के मामले में भी अच्छा माना जाता है। इंडियन पैकेजिंग इंस्टीट्यूट जैसे संस्थान से दो वर्षीय कोर्स करने के बाद ऐसे प्रोफेशनल्स को शुरुआत में ही 25 से 30 हजार रुपए महीना तक सैलरी आसानी से मिल जाती है।

### प्रमुख संस्थान

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पैकेजिंग (आईआईपी), दिल्ली/ मुंबई

गुरु जम्भेश्वर यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, हिसार

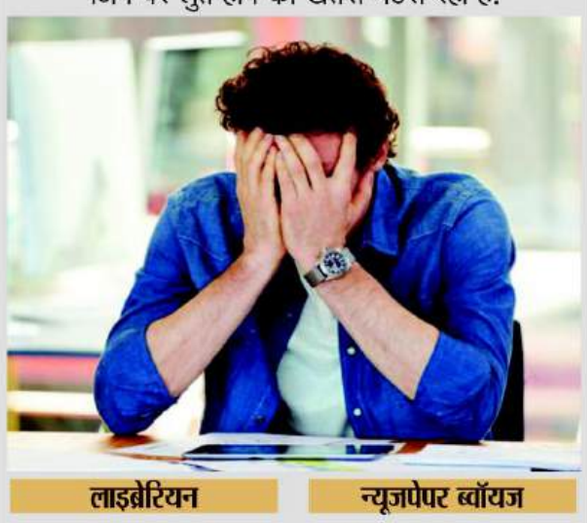
पूसा पॉलिटेक्निक, नई दिल्ली

**उत्पाद को खूबसूरत बनाने का दौर आईटी की तरह ही अब पैकेजिंग में भी बूम का दौर है। फूड, गारमेंट या ऑटोमोबाइल जैसे सभी तरह के उत्पादों को पैकेजिंग चाहिए। फिर चाहे यह पेपर पैकेजिंग हो या फिर प्लास्टिक, वुड या मेटल पैकेजिंग। रिटेल और ई-कॉमर्स कंपनियों का बाजार लगातार ब? रहा है। इसे भी लॉजिस्टिक्स या ट्रांसपोर्टेशन के लिए अलग तरह की पैकिंग की जरूरत होती है। स्कोप यहां बहुत है। कोर्स करने के बाद आप क्वॉलिटी कंट्रोल, परचेज/ मार्केटिंग, आर एंड डी, प्रोडक्शन या पैकेज डिजानिंग जैसी किसी भी विंग में जॉब पा सकते हैं। युवाओं को सैलरी भी शुरुआत में ही एमबीए स्टूडेंट से कहीं ज्यादा मिलती है। मगर इस फील्ड में उन्हीं को आना चाहिए, जो क्रिएटिव हों।**
**- डॉ तनवीर आलम,**
**(नेशनल पैकेजिंग इंस्टीट्यूट, दिल्ली)**

## आने वाले वर्षों में खत्म हो जाएंगी

# ये 10 नौकरियां

दिनोदिन एडवांस होती टेक्नोलॉजी ने जिंदगी को तो आसान बनाया है पर कुछ नौकरियों को भी इसने खत्म किया है. याद कीजिए कि आपने आखिरी बार कब किसी पीसीओ से कॉल किया था? या किसी रिसेप्शनिस्ट से दूर बैठे अपने रिश्तेदार को कॉल मिलाने के लिए कहा था? और कब किसी लिफ्टमैन को अपना फ्लोर बताया था. कुल मिलाकर इस माहौल में मैनपावर की जगह मशीनों ने ले ली है. हम भी पूरी तरह से टेक्नोलॉजी पर निर्भर हो गए हैं. अब जितनी तेजी के साथ टेक्नोलॉजी एडवांस हो रही है, उससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि आने वाले करीब दस सालों में कुछ और नौकरियां खत्म होने जा रही हैं. यहां हम ऐसी ही कुछ नौकरियों पर नजर डालते हैं जिन पर लुप्त होने का खतरा मंडरा रहा है.



### लाइब्रेरियन

अब लोग अपने स्मार्टफोन और टैबलेट में किताब पढ़ने लगे हैं. ई-बुक्स व ऑडियो बुक्स आसानी से उपलब्ध है. धीरे-धीरे इस रुझान को अपनाने वालों की संख्या में तेजी के साथ वृद्धि हो रही है. रोबोट्स किताब ढूंढने में आपकी मदद करेंगे. ऐसे में अब लाइब्रेरी में मैनपावर को पहले जितनी अहमियत नहीं रह गई है.

### बीपीओ कर्मचारी

इस बात की भी चर्चा है कि बीपीओ/कॉल सेंटर इंडस्ट्री में ऑटोमेशन की वजह से बीपीओ कर्मियों की जरूरत कम होती जाएगी. हर कंपनी धीरे-धीरे चैटबॉट्स को अपनाएगी.

### फायटर पायलट

निकट भविष्य में मानवरहित फायटर जेट्स का ज्यादा महत्व होगा.

### पोस्टमैन

ईमेल, मैसेज, व्हाट्सएप और स्काइप जैसे तमाम एप ने एक जगह से दूसरी जगह संदेश पहुंचाना बेहद आसान बना दिया है. ऐसे में पोस्टमैन और कुरियर कंपनियों का काम होता जा रहा है.

### पार्किंग लॉट अटेंडेंट

ऑटोमेशन की वजह से पार्किंग लॉट अटेंडेंट की नौकरी भी खत्म हो जाएगी. पार्किंग प्लाजा को ऑटोमेटिड बनाया जाएगा.

### न्यूजपेपर ब्वॉयज

लोग अपन खबरें पढ़ने के लिए अपना मोबाइल उठाने लगे हैं. लोग अपने स्मार्टफोनों पर पहले ही सभी खबरें पढ़ लेते हैं. वीडियो व तस्वीरें देख लेते हैं. ऐसे में अगर न्यूजपेपर प्रचलन से खत्म हो रहे हैं तो घर पर न्यूजपेपर डिलीवर करने वाले ब्वॉय की नौकरी ज्यादा दिन तक नहीं चलने वाली.

### बस कंडक्टर

अब धीरे-धीरे बस में मशीन लगाने की तैयारी है. जो कि कंडक्टर का काम करेगी. इस बस में कंडक्टर की जरूरत नहीं होगी. लोग मशीन से टिकट प्राप्त कर लेंगे.

### टोल प्लाजा ऑपरेटर

धीरे-धीरे यहां भी ऑटोमेशन आ रहा है. बहुत से लोग डिजिटल वॉलेट से पेमेंट कर देते हैं.

### प्रिंट जर्नलिस्ट

ऑनलाइन खबरें पढ़ी जाने से अखबारों का काम मंदा होता चला जाएगा. ऐसे में प्रिंट मीडिया के पत्रकार की नौकरी पर खतरा मंडरा रहा है.

### सेक्रेटरी

अब आपका स्मार्टफोन ही आपका पर्सनल सेक्रेटरी बनता जा रहा है. एक वक्त था जब बॉस को उसका काम याद दिलाने के लिए सेक्रेटरी होता या होती थी. लेकिन अब उसकी जगह तेजतर्रार स्मार्टफोनों ने ले ली है.

# ड्रीम करियर के लिए बढ़ाएं ये 6 कदम

अपने लिए सही करियर का चुनाव करना एक ऐसा निर्णय है, जो आपका जीवन बदल सकता है। इसलिए यह निर्णय लेने के लिए खुद को पर्याप्त समय दें और उचित चिंतन-मनन करने के बाद ही कोई फैसला करें। इस फैसले से पहले ये छह कदम जरूर उठाएं।

**1. अपनी कार्यशैली का आंकलन :** आप उसी जॉब में सहज रह सकेंगे, जो आपकी कार्यशैली के अनुकूल हो। खुद से यह सवाल पूछें कि क्या आप अपने बल पर ही अपने लक्ष्य हासिल करना चाहते हैं या फिर आपको अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए कार्यस्थल का अनुशासित माहौल चाहिए? क्या आपको घूमना पसंद है या फिर एक जगह बैठकर काम करना पसंद करते हैं? लोगों से मिलना-जुलना पसंद है या फिर अकेले रहना?

**2. अपनी संभावनाओं को तौलें :** कोई निर्णय लेने से पहले यह देखें कि आपकी क्या क्षमताएं हैं और आपकी पसंद के क्षेत्र में सफल होने के लिए किन क्षमताओं की जरूरत है। उस क्षेत्र के बारे में थोड़ी रिसर्च करके देखें कि उसमें कौन-सी स्किल्स और योग्यताएं चाहिए होती हैं और क्या आपमें वे हैं?

**3. अपनी रुचि व प्रतिभा जानें :** कभी-कभी आपकी हॉबी भी आपका करियर बन सकती है। यदि आपकी कोई हॉबी है या किसी क्षेत्र में आपके पास विशेष प्रतिभा है, तो उसे अपना प्रोफेशन बनाने के बारे में गंभीरता से सोचें। जो काम आप सहजता से कर लेते हैं, उसे ही अपना करियर बनाने पर विचार करें।

**4. जैसा सपना, वैसा करियर :** आपके आर्थिक लक्ष्य क्या हैं? यह भी इस बात के लिए बहुत मायने रखता है कि आप कौन-सा करियर चुनते हैं। यदि आप किसी मेट्रो शहर में आलीशान मकान में रहने का ख्वाब पाले हुए हैं, तो क्लर्क की नौकरी आपका यह लक्ष्य पाने में मददगार नहीं होगी। अगर बड़ा लक्ष्य रखा है, तो कुछ बड़ा सोचना पड़ता है और बड़ी मेहनत करनी पड़ती है।

**5. सेल्फ-असेसमेंट टूल्स :** कुछ सेल्फ-असेसमेंट टूल्स का इस्तेमाल कर आप विभिन्न करियर ऑप्शंस में से कुछ को अपनी लिस्ट में से हटाकर अपना चुनाव कुछ आसान कर सकते हैं। विभिन्न क्षेत्रों में अपनी योग्यता को परखने के लिए ऑनलाइन जॉब डिस्क्रिप्शन, क्विज, करियर इंफॉर्मेशन आदि की मदद लें। आपके शहर में कोई करियर काउंसलिंग सेमीनार हो रहा हो, तो उसमें शामिल हों।

**6. धैर्य रखें :** धैर्य रखना बहुत जरूरी है क्योंकि करियर का चुनाव करना एक प्रक्रिया है, न कि कोई इवेंट जिसे झटपट पूरा करना है। इसलिए जल्दबाजी न करें।

# लिखने का हुनर है तो

## कैप्शन राइटर अच्छा कॅरियर विकल्प

वर्तमान समय में, लेखन का दायरा काफी विस्तृत हो गया है। हर क्षेत्र के लिए एक्सपर्ट की डिमांड की जाने लगी है। वैसे तो लिखने की कला हर किसी में नहीं होती। लेकिन अगर आपमें लिखने की जिज्ञासा व हुनर भी है तो आप अपने इस हुनर को अपना भविष्य बना सकते हैं। आज मीडिया जगत से लेकर मनोरंजन उद्योग में कैप्शन राइटर की काफी डिमांड है। आप भी अपने लेखन के दम पर इस क्षेत्र में अपना उज्ज्वल भविष्य देख सकते हैं।



### क्या होता है काम

एक कैप्शन राइटर का मुख्य काम टेलीविजन प्रोग्राम व फिल्मों की स्क्रीन पर दिखाने के लिए कैप्शन लिखना होता है। वे डॉयलॉग्स और कुछ साउंड्स का भी अनुवाद करते हैं, जिससे श्रवण बाधित व्यक्ति भी आसानी से फिल्म व सीरियल देख सकें। चूंकि आजकल एक ही फिल्म कई भाषाओं में व अलग-अलग देशों में रीलिज की जाती हैं, इसलिए अलग-अलग भाषाओं के लिए कैप्शन लिखना भी कैप्शन राइटर का ही काम होता है। वह न सिर्फ अंग्रेजी संवाद का विभिन्न भाषा में अनुवाद करते हैं, बल्कि भारतीय भाषा संवादों का भी अंग्रेजी में अनुवाद करते हैं। वह न सिर्फ कैप्शन लिखते हैं, बल्कि टेलीविजन प्रस्तुति के मास्टर टेप पर कैप्शनों की एनकोडिंग के समय देख-रेख भी करते हैं।

### स्किल्स

एक अच्छा कैप्शन राइटर बनने के लिए सिर्फ विभिन्न भाषाओं का ज्ञान होना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि आपकी उन पर अच्छी पकड़ भी होनी चाहिए ताकि आप आसानी से अनुवाद कर सकें। साथ ही आपको मीडिया प्रॉडक्शन, संचार व प्रसार तकनीकों का भी ज्ञान होना चाहिए। इसके अतिरिक्त आपमें बढ़िया लेखन कौशल, पढ़ने की समझ, श्रवण क्षमता व व्याख्यान क्षमता भी होनी चाहिए। आपका काम कंप्यूटर से जुड़ा है, इसलिए इसकी अच्छी नॉलेज होनी भी बेहद जरूरी है। आपको पढ़ने का शौक भी होना चाहिए ताकि आप हर दिन कुछ नया सीख सकें और उसका प्रयोग अपने लेखन में भी कर सकें। आपका सेल्फ लर्नर व हार्डवर्किंग होना भी आवश्यक है।

### योग्यता

इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने के लिए अलग से कोई विशेष कोर्स उपलब्ध नहीं है। लेकिन आप अपने लेखन में तकनीकी कौशल को बढ़ाने व उसे सशक्त बनाने के लिए ग्रेजुएशन के बाद ट्रेनिंग कर सकते हैं। चूंकि एक कैप्शन राइटर के स्किल्स कोर्ट रिपोर्टिंग से काफी मिलते-जुलते होते हैं, इसलिए कोर्ट रिपोर्टिंग स्कूल्स भी कैप्शन राइटर्स के लिए कोर्स उपलब्ध कराते हैं। इसके अतिरिक्त नेशनल कैप्शनिंग इंस्टीट्यूट भी कैप्शनिंग प्रोफेशन के लिए जानकारी व संसाधन उपलब्ध कराता है। वैसे आप चाहें तो पत्रकारिता व जनसंचार, विजुअल कम्युनिकेशन, विज्ञापन व अंग्रेजी साहित्य में डिग्री प्राप्त करके भी इस क्षेत्र में कदम रख सकते हैं।

### संभावनाएं

चूंकि मीडिया व मनोरंजन उद्योग देश के सबसे तेजी से बढ़ने वाले क्षेत्रों में से एक है, इसलिए कैप्शन राइटर के लिए भी जॉब की कोई कमी नहीं है। आप नेशनल, लोकल मीडिया कंपनी व ब्रॉडकॉस्टिंग कंपनी में भी काम तलाश कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त आप पेपर्स व वेब पोर्टल में भी अपना हुनर दिखा सकते हैं।

### आमदनी

इस क्षेत्र में फ्रेशर्स 15000 से 18000 रूपए प्रतिमाह आसानी से कमा सकते हैं। वहीं एक-दो वर्ष के अनुभव के बाद आपकी आमदनी 25000 से 30000 रूपए प्रतिमाह तक हो सकती है।

प्रकाशक राकेश शर्मा एवं मुद्रक आशीष लाहा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, फाटाशील, 2 नं., कादाबाड़ी मस्जिद के पास, ए.के. देब रोड, गड़चुक, कामरूप मेट्रोपॉलिटन, असम-781035 से मुद्रित एवं **हाउस नं. 26, बिशिनु पथ, बाई 2, रुक्मिणी गांव, कामरूप मेट्रो पॉलिटन, असम-781022 से प्रकाशित।**
**संपादक : राकेश शर्मा,** मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 ( संपादकीय )** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **( सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन )**